वार्षिक रिपोर्ट
२०१६-१७

केन्द्रीय विश्वविद्यालय ओड़िशा, कोरापुट
(संसद के अधिनियम द्वारा स्थापित एक केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

CUO City Center inside

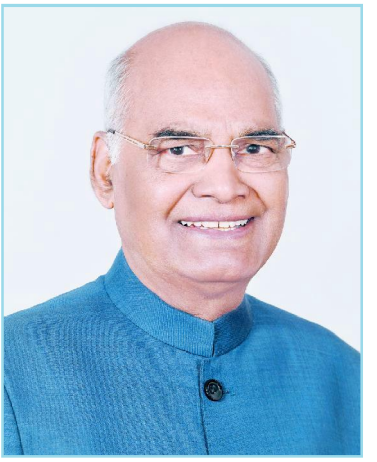

महामहिम श्री राम नाथ कोविंद
मान्यवर भारत के राष्ट्रपति

His Excellency Shri Ram Nath Kovind
Hon'ble President of India

परिदर्शक
केंद्रीय विश्वविद्यालय ओड़िशा, कोरापुट

Visitor
Central University of Orissa, Koraput

प्रो. के. श्रीनाथ रेडी
अध्यक्ष, पब्लिक हेल्थ फाउंडेशन ऑफ इंडिया (पीएचएफआई)

Prof. K. Srinath Reddy
President, Public Health Foundation of India (PHFI)

कुलाधिपति
केंद्रीय विश्वविद्यालय ओड़िशा, कोरापुट

Chancellor
Central University of Orissa, Koraput

प्रो. सचिदानंद मोहांति
कुलपति
केंद्रीय विश्वविद्यालय ओड़िशा, कोरापुट

Prof. Sachidananda Mohanty
Vice-Chancellor
Central University of Orissa, Koraput

विषयवस्तु

क्रमांक	विषयपृष्ठ	संख्या
१.	कुलपति की कलम से	१
२.	कुलपति एक संक्षिप्त प्रोफाइल	२
३.	प्राक्कथन	५
४.	विश्वविद्यालय का मानव संसाधन	६
५.	कार्यकारी सारांश	८
६.	शैक्षणिक कार्यक्रम	१०
७.	विश्वविद्यालय के विद्यापीठों, विभागों और संकायों की गतिविधियाँ	१०
८.	केंद्रीय पुस्तकालय	३०
९.	लोक संपर्क विभाग	३१
१०.	परीक्षा अनुभाग	३१
११.	नेशनॉल फेलोशिप के पुरस्कारविजेतायें	३१
१२	छात्रावास	३२
१३.	शैक्षणिक कैंलेंडर (२०१६-२०१७)	३३
१४.	छात्रों का नामांकन	३४
१५.	वित्त	३६
१६.	कंप्यूटर केंद्र	४०
१७.	मुख्य परिसर में संरचनात्मक विकास	४०
१८	महामहिम भारत के राष्ट्रपति कि संबोधन	४२
१९.	विश्वविद्यालय की घटनायें	४२
१०.	नयी नियुक्ति	४६
२१.	विधिक समितियों के सदस्यगण	४७

कुलपति की कलम से

चुनौतियों और अवसरों सहित प्रगति का अधिक सफल का वर्ष बित चुका है। सन् २००९ में स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय ओड़िशा पिछले वर्षों से लगातार प्रगति करता रहा है।

पिछले वर्ष के दौरान, हमारे पास उल्लेखनीय उपलब्धियों की एक श्रृंखला है : २२ केंद्रों पर सफलताप्रर्वक प्रवेश परीक्षा का आयोजन, पुराने छात्रों द्वारा विश्वसनीय प्रदर्शन, प्रख्यात प्रोफेसर हरिश त्रिवेदी द्वारा "आज की उच्च शिक्षा में मानविकता का स्थानह्ल पर प्रतिष्ठा दिवस व्याख्यान, पूरा परिसर वाई-फाई का कार्य, संरचनात्मक विकास, जैसे पूरे परिसर में वर्षा जल की निकासी व्यवस्था, पार्किंग शेड का निर्माण कार्य आरंभ और अनेक महत्वपूर्ण विकास आदि। भविष्य में हम शैक्षणिक ब्लॉक और कर्मचारी आवासों का निर्माण कार्य करने की योजना बना रहे हैं।

पिछले वर्ष के दौरान, केंद्रीय विश्वविद्यालय ओड़िशा ने सफलतापूर्वक अनेक वार्षिक शैक्षणिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम परिसर में आयोजित किया। विशिष्ट व्याख्यान हिंदुस्तान एरोनेटिक्स लिमिटेड, सुनाबेढा के साथ सहयोग करके आयोजित किया गया है। हमारे छात्रों ने प्रासंगिक विषयों में अन्य संगठनों में इंटरर्नशिप कार्यक्रमों को आयोजित किया गया है। हमें वास्तव में अपने छात्रों, संकाय और कर्मचारियों की उपलब्धियों पर गर्व हैं। हमने मानव संसाधन विकास मंत्रालय और यूजीसी द्वारा दिये गये निर्देशों का अनुपालन करके सामाजिक मूल्य के कई कार्यक्रम आयोजित किये गये हैं : हथकरधा, और स्वदेशी वस्त्र उद्योग के महत्व को उजागर करने वाले कार्यक्रम, आधुनिक भारत के निर्माण पर व्याख्यान, आसपास के ग्रामों में आउटरीच कार्यक्रम, आतंरिक शिकायत समिति द्वारा आयोजित लैंगिक समानता और अन्य विषयों पर कार्यशाला और व्याख्यान आयोजित किए गये।

इस वर्ष के उच्च बिंदु निस्संदेह एनएएसी पीयर टीम कैंपस का परिभ्रमण की थी।हम केंद्रीय विश्वविद्यालय ओड़िशा में सामना कर रहे चुनौतियों और अवसरों पर हमारी शक्ति और सीमाओं पर प्रतिबिंबित करने के लिए विश्वविद्यालय समुदाय के लिए यह एक महत्वपूर्ण क्षण था हमने बी ह सहित स्कोर २.५९ प्राप्त किया है। हम अगले चक्र में बेहतर प्रदर्शन में सुधार करने के लिए हमारा विश्वास है।

सहायता तथा सहयोग के लिए मैं पूरे विश्वविद्यालय समुदाय को धन्यवाद देता हूं । उसी तरह इस विश्वविद्यालय को सहायता करने के कारण हम मानव संसाधन विकास मंत्रालय, यूजीसी, केंद्र तथा राज्य सरकार के विभिन्न शाखाओं और जिला प्रशासन के प्रति धन्यवाद ज्ञापन करते हैं। हमें पूरा विश्वास है कि आने वाले वर्षों में प्रगति और समृद्धि होगी।

सभी को शुभकामनाएं !

प्रो. सचिदानंद मोहांति
कुलपति
केंद्रीय विश्वविद्यालय ओड़िशा, कोरापुट

प्रो. सच्चिदानंद मोहांति, कुलपति
एक संक्षिप्त प्रोफाइल

प्रो. सच्चिदानंद मोहांति केंद्रीय विश्वविद्यालय ओडिशा, कोरापुट, भारत का कुलपति हैं। वे भारत के राष्ट्रपति द्वारा यूनेस्को शिक्षा आयोग के एक सदस्य के हाल ही में नामित हैं। मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा परिचालित अरोविले फांउडेशंन के शासी परिषद के एक सदस्य भी हैं।

प्रो.मोहांति अंग्रेजी विभाग, हैदराबाद विश्वविद्यालय के भूतपूर्व विभागाध्यक्ष हैं और अमेरिकॉन स्टडीज रिसर्च सेंटर, हैदराबाद के भूतपूर्व एकाडेमिक एसोसीएट हैं। उन्होंने अनेक राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त किया है जिसमें शामिल हैं ब्रिटिश काउंशिल, साल्जबर्ज, कथा और फूलब्राइट आदि। उन्होंने अंग्रेजी और ओड़िआ में उनतीस किताबें लिखी हैं। जिसमें शामिल हैं सांस्कृतिक लेनदेन को समझना, विजन बुक १९९७: ट्रावेल राइटिंग और एम्पायंर, कथा, ओड़िशा में अतीत की महिलाओं की रचनायें १८९८-१९५०: ए लॅस्ट ट्रेडिशन, सेज पब्लिकेशनस, जेंडर और कल्चर आइडिंगे इन कोलोनिएल ओडिशा, ओरिएंट लाँगमैन, २००८; श्री अरोबिंद, एक समसामयिक पाठक, रूटलेज इंडिया २००८; सारला देवी, केंद्रीय साहित्य अकादमी, २०११; कसमोपोलिटॉन मर्डनिटी इन अर्ली ट्वांटीएथ सेंचूरी इंडिया, रूटलेज, पिरिअडिकॉली प्रेस और कोलोनिएल आधुनिकता, ओडिशा, १८६६-१९३६, ऑक्सफर्ड विश्वविद्यालय प्रेस, २०१५, और दॉ लस्ट वर्ल्ड ऑफ सारला देवी, अक्सफोर्ड विश्वविद्यालय प्रोस २०१६।

डॉ. मोहांति के निबंध तथा साहित्यिक निबंधों का प्रकाशन देश के अग्रणी पत्रिकाओं और मंचों में प्रदर्शित हुआ है और जिसमें शामिल हौ इंडिया टूडे, दॉ हिंदु,दॉ इंडियन एक्सप्रेस, दॉ न्यू क्वेस्ट, दॉ टोरोंटो साउथ एशियन रिव्यू,इंडियन इंटरनेशनॉल सेंटर तिमाही, दॉ इंडियन लिटरचेर, दॉ बुक रिव्यू, इकोनोमिक एडं पॉलिटिकॉल विकली, दॉ साउथ एशिया रिव्यू एंड दॉ सेमिनॉर मैगाजिन आदि । उन्होंने भारत और विदेश के अनेक प्रमुख विश्वविद्यालयों में व्याख्यान प्रदान किया है जैसे कि कोर्नेल विश्वविद्यालय, पिटसबर्ज विश्वविद्यालय, दॉ सिटी यूनिवर्सिटी ऑफ न्यूर्क, कालिफोर्निआ स्टेट यूनिवर्सिटी, यूनिवर्सिटी ऑफ नयू मेक्सिको, टाओस, लयेला विश्वविद्यालय, चिकागो, अस्ट्रेलिया नेशनॉल यूनिवर्सिटी, कानबेरा एंड नेशनॉल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर आदि।

कुलपति के हाल ही के क्रियाकलापों में से कुछ

१. २८.०९.२०१७ से ०१.१०.२०१७ तक श्री अरोबिंद सोसाइटी, सिंगापुर में अतिथि वक्ता। राष्ट्रीय सिंगापुर विश्वविद्यालय, अंग्रेजी भाषा विभाग में भी व्याख्यान प्रदान किया है।

२. दिनांक २१.०४.२०१७ को नई दिल्ली में आयोजित उच्च शिक्षा और अनुसंधान: मुददे, विषय और सुधार पर एक दिवसीय वार्तालाप में भाग लिया।

३. दिनांक १६ अप्रैल २०१७ को लक्ष्मी अनबाउंड, दॉ स्टेटसमैन, रविवार की पुस्तिका रिव्यू , साउंड ऑफ साइलेंस

४. दिनांक १८.०२.२०१७ उत्कल संस्कृति विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर में प्राचीन भाषाओं पर महत्व देते हुए भाषा और भाषाविज्ञानिओं पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य अतिथि थे।

५. दिनांक १०-११.०२.२०१७ को पोर्ट ब्लेयार, आण्डामान एंव निकोबर , भारत में जनजाती साहित्य और मौखिक प्रस्तुति पर साहित्य अकादमी के राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।

६. दिनांक १६.०१.२०१७ को समाज विज्ञान विद्यापीठ, जेएनयू, नई दिल्ली में आईसीएसएस आर, अल्पसंख्यक, अल्पसंख्यक संस्कृति और उनकी पहचान : मुख्य संबोधन में भाग लिया।

७. दिनांक २४.११.२०१६ को आईसीएआर-मृदा तथा जल संरक्षण अनुसंधान केंद्र, सुनाबेढा, कोरापुट में हितधारकों संबोधित करने और प्रदर्शनी का उदघाटन करने के लिए मुख्य अतिथि थे।

८. दिनांक ०९.११.२०१६ को कटक, ओडिशा में आयोजित दॉ समाज के "गोपबंधु ज्योति यात्रा समापन समारोह में मुख्य अतिथि थे।

९. याले एनयूएस कॉलेज, सिंगापुर में मुख्य वक्ता : नोटस टूवर्डस एन इंडियन फेमिनिज्मह्ल।

१०. निबंध प्रकाशित : एकाडेमी इंटीग्रिटी प्राक्टिस, दॉ व्यू फ्रग इंडिया, हेंड बुक ऑफ आकाडेमिक इंटीग्रिटी, स्प्रिंगर, २०१६ पीपी ९३-९८।

११. पुस्तक समीक्षा : 9आधुनिक भारत में सांस्कृतिक राजनीति ", 9पोस्ट कोलोनिएल आशाएं, कलरफूल कसमोपोलिटिज्म, ग्लोबाल प्रक्सिमिटिस", इंडिया इंटरनेशनॉल सेंटर, क्वार्टरली, अटमन 92016, अंक ४३, संख्या २. पीपी २०४-२०६

१२. निबंध प्रकाशित : जेपलिन नाइटस : एक्साइल, क्रिएटीविटी एंड दॉ ग्रट वार " १९१४-१९१८, इंडिया इंटरनेशनॉल सेंटर क्वार्टली, अटमन २०१५, अंक४२, संख्या२, पीपी १-१३।

१३. समीक्षा : दॉ होम एंड दॉ वर्ल्ड (रविवार पत्रिका- दॉ हिंदु- २० दिसम्बर २०१५)।

प्रो. सचिदानंद मोहांति

कुलपति

प्रमुख निकायों में सदस्य:

- महामहिम भारत के राष्ट्रपति द्वारा यूनेस्को के शिक्षा आयोग के व्यक्तिगत सदस्य के रूप में नामिती
- आईएनएफएलआईबीएनइटी,नई दिल्ली शासी परिषद के सदस्य
- अंग्रेजी केंद्रीय साहित्य अकादमी, नई दिल्ली के कार्यकारी समिति के सदस्य
- सदस्य, शासी परिषद, अरोविले फाउंडेशन, पुडुचेरी

पुस्तकों का लेखक :

१. *कॉस्मोपोलिटिअन मार्डनिटी इन अर्ली २० सेंचूरी इंडिया* ; नई दिल्ली, रटलेज, भारत, २०१५
२. *पिरीओडिकाल्स प्रेस एंड कोलोनिएल मर्डनिटी : ओडिशा १८६६-१९३६*, नई दिल्ली, अक्सफोर्ड विश्वविद्यालय प्रेस, २०१६.
३. *दॉ लस्ट वर्ल्ड ऑफ सारला देवी :* नई दिल्ली, अक्सफोर्ड विश्वविद्यालय प्रेस, २०१६

इस अवधि के दौरान विभिन्न फोरमों में समीक्षा, प्रस्तुति और पत्रिकाओं में लेख प्रकाशित हुआ है.

केंद्रीय विश्वविद्यालय ओड़िशा के कुलपतियों का कार्यकाल की सूची

नाम	अवधि
प्रो. सुरभि बनर्जी	२८.०२.२००९ से २७.०२.२०१४ तक
प्रो. मुह. मियाँ (अतिरिक्त प्रभार)	०१.०४.२०१४ से १३.०५.२०१५ तक
प्रो. तलत अहम्मद (अतिरिक्त प्रभार)	१५.०५.२०१५ से ०६.०८.२०१५ तक
प्रो. सचिदानंद मोहांति	०७.०८.२०१५ से अब तक

सीयूओ वार्षिक रिपोर्ट समिति २०१६-१७

सलाहाकार समिति

अध्यक्ष:
प्रो. सच्चिदानंद मोहांति
कुलपति

सलाहाकार :

प्रो. किशोर चंद्र राउत
अधिष्ठाता, शैक्षणिक

डॉ. शरत कुमार पालित
अधिष्ठाता, बीसीएनआर विद्यापीठ

संपादकीय समिति

संयोजक :
डॉ. प्रदोष कुमार रथ,
सहायक प्रोफेसर तथा मुख्य प्रभारी,
डीजेएमसी

समन्वयक :
डॉ. फगुनाथ भोई
लोक संपर्क अधिकारी

सदस्यगण :
श्री संजीत कुमार दास,
सहायक प्रोफेसर तथा मुख्य
प्रभारी/डीईएलएल

श्री सौरभ गुप्ता
सहायक प्रोफेसर, डीजेएमसी

सुश्री सोनी पारही
व्याख्याता ठेके पर, डीजेएमसी

श्री सुजित कुमार मोहांति
व्याख्याता ठेके पर, डीजेएमसी

सुश्री तलत जहांन बेगम
व्याख्याता ठेके पर, डीजेएमसी

सुश्री मयूरी मिश्रा
व्याख्याता ठेके पर, हिंदी विभाग

सुश्री शताब्दी बेहेरा
व्याख्याता ठेके पर, हिंदी विभाग

प्राक्कथन

विश्वविद्यालय अपनी स्थापना वर्ष २००९ के बाद से देश के उच्चतर शैक्षणिक संस्थानों (एचईआई) में अपने खुद के जगह बनाने के लिए सभी संभव प्रयास कर रहा है। ज्ञानी समाज के विकासशील सक्षम मानव संसाधन को बढ़ावा देने के लिए इसका मिशन है जो व्यापक दृष्टि के साथ स्वदेशी ज्ञान का विकास करें । 'क्षेत्र के लिए, देश के लिए' उद्धृत मैक्सिम के साथ व्यापक रूप से क्षेत्र और राष्ट्र के व्यापक और समग्र विकास के लिए समर्पित करते हुए,सीयूओ अपनी अस्तित्व से सात वर्ष बिता चुका है।

केंद्रीय विश्वविद्यालय ओड़िशा, वर्तमान चौदह विभाग के तहत अध्ययन के सात विद्यापिठों में काम कर रहा है। विभागों मौलिक विज्ञान, जैव विज्ञान, समाज विज्ञान, व्यवसाय प्रबंधन और मानविकी के क्षेत्र में यूजी, पीजी, एमफिल, और पीएचडी पाठ्यक्रमों को चला रहा है।

जनजाति संस्कृति और अध्ययन के लिए एक केंद्र है जिसकी स्थापना कोरापुट में जनजाति अध्ययन में अनुसंधान के प्रमुख केंद्र है। पिछले एक साल से केंद्रीय विश्वविद्यालय ओड़िशा के छात्रों ने रंगारंग पंखों के साथ उत्तीर्ण हो रहे हैं और अच्छे अच्छे पदों पर तैनात हैं। कुछ प्रतिष्ठित संस्थानों में उच्च शोध कर रहे हैं।

केंद्रीय विश्वविद्यालय ओड़िशा राष्ट्रीय स्तर की केंद्रीय विश्वविद्यालय होने के कारण ओड़िशा, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़, और आंध्र प्रदेश में महत्वपूर्ण स्थानों में फैल बाईस केंद्रों में प्रवेश परीक्षा आयोजित करता है। चुने हुए छात्रों को सुरक्षा देने के साथ अच्छी तरह से सुसज्जित हॉस्टेल की सुविधा प्रदान की जाती है। बस परिसर में पास के बस्तियों से चलती हैं। केंद्रीय विश्वविद्यालय ओड़िशा को स्मार्ट श्रेणीगृह, इंटेरनेट कनेक्सन, कंप्यूटर प्रयोगशाला, डिजिटॉल पुस्तकालय, ओर तीस हजार से अधिक खिताब, पत्रिकायें, समाचार पत्रों और पत्रिकाओं से एक केंद्रीय पुस्तकालय सहित मजबूत बनाया गया है। कैंटीन भी छात्रों और कर्मचारियों को व्यंजन की आवश्यकताओं को पूरा करता है। अंतिम सेमीस्टर के छात्रों को नियोजन सहायता दी जाती है जिसकी वजह से उन्हें अच्छे जगह पर नियोजित किया गया है । केंद्रीय विश्वविद्यालय ओड़िशा, कोरापुट की एक अनोखी प्राकृतिक शांत सौंदर्य के बीच शिक्षाविदों को एक उच्च मानक प्रदान करता है। सैद्धांतिक कक्षाएं, व्यावहारिक कक्षाएं, इंटर्नशिप, अध्ययन पर्यटन और अभिनव कार्य से भरा हुआ है। सेमीस्टर प्रणाली और चाइस बेसड सिस्टम का विकास किया जा रहा है। अतिथि भवन चालू कर दिया गया है और आने वालों की संख्या को आकर्षण करने हेतु परिसर की सुंदरता बढ़ाने के लिए एक सुंदर पार्क का निर्माण किया गया है।

केंद्रीय विश्वविद्यालय ओड़िशा खुद की प्रशंसा करने में सीमित नहीं है और इसके बजाय एक सहकर्मी समूह द्वारा ठीक से समीक्षा करने की इरादा दिखाया है। इसलिए स्वयं अध्ययन रिपोर्ट प्रस्तुत करके अपनी पहली एनएएसी मूल्यांकन और मान्यता के लिए तैयारी शुरू कर दी है । पूरा सीओयू समुदाय ने सितम्बर ७-९, २०१७को एनएएसी पीयर टीम की परिभ्रमण के दौरान एक महान प्रदर्शन करने के लिए लगातार और एकजुट रूप से काम किया है । एनएएसी परिदर्शन एक ऐतिहासिक कदम है जिसे सीयूओ हासिल करना चाहता है । केंद्रीय विश्वविद्यालय ओड़िशा मानव संसाधान विकास मंत्रालय, भारत सरकार, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, ओडिशा सरकार की विभिन्न एजेंसियों से प्राप्त सहायता और सहयोग के प्रति कृतज्ञता बताती है। समानता और उत्कृष्टता गुणवत्ता शिक्षा प्रदान करने के लिए हमारे मिशन को प्राप्त करने के लिए काम करते हुए, इस वार्षिक रिपोर्ट को शैक्षणिक समुदाय के सामने पेश करने के लिए एक अवसर प्रदान करता है कि वर्ष २०१६-१७ के दौरान हम क्या क्या प्रयास कर रहे हैं।

कुल मिलाकर, यह वार्षिक रिपोर्ट वर्ष के दौरान सीयूओ के शैक्षणिक,छात्र केंद्रित सहायता प्रणाली और प्रशासनिक तंत्र का एक समग्र दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है। यह विश्वविद्यालय हमारे दूरदर्शी कुलपति प्रो. सचिदानंद मोहांति के गतिशील नेतृत्व में आगे की ओर बढ़ रहा है। उनका समग्र पर्यवेक्षण, मार्गदर्शन इस रिपोर्ट तैयार करने में वार्षिक रिपोर्ट समिति को मदद की है।

हम उन सभी संकाय सदस्यों, विभागाध्यक्षों और प्रशासनिक मुख्यों को धन्यवाद देते हैं जिन्होंने इस वार्षिक रिपोर्ट के संकलन के लिए सूचना तथा डाटा प्रदान किया है। हम वार्षिक रिपोर्ट समिति के सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त करते हैं जिन्होंने वार्षिक रिपोर्ट को वर्तमान का आकर देने के लिए निरंतर काम किया है ।

वार्षिक रिपोर्ट समिति-२०१६-१७

विश्वविद्यालीय का मानव संसाधान

वर्ष २०१६-१७ के दौरान विश्वविद्यालय की प्रगति एवं शैक्षिक विभागों में वृद्धि के साथ कई शिक्षण एवं गैर-शिक्षण कर्मचारीगण केन्द्रीय विश्वविद्यालय ओड़िशा, कोरापुट की सेवा में शामिल हुए हैं। विश्वविद्यालय के निममित कर्मचारियों की अद्यतन सूची निम्नवत है:-

विश्वविद्यालय के सांगठनिक पदों की सूची

क्रमांक	नाम	पदनाम
१.	प्रो. सचिदानंद मोहांति	कुलपति
२.	कर्नल आर. एस. चौहान	कुलसचिव (विचाराधीन)
३.	नुरूल कबिर अक्तरउजामन	वित्त अधिकारी (अवधि पूरी हो गई और ०५.०१.२०१७ को कार्यमुक्त किया गया)
४.	प्रो. भवानी प्रसाद रथ	विशेष कार्य अधिकारी (परीक्षा, प्रशासन और छात्र कार्यव्यापार)
५	प्रो. किशोर चंद्र राउत	अधिष्ठाता, शैक्षणिक

नियमित शैक्षणिक कर्मचारियों की सूची, विभाग वार

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग	विद्यापीठ
१	डॉ. शरत कुमार पालित	अधिष्ठाता, एसबीसीएनआर (एसोसीएट प्राफेसर तथा मुख्य	जैव विविधता एवं प्राकृतिक संसाधन डीबीसीएनआर	बीसीएनआर विद्यापीठ
२	डॉ. जयंत कुमार नायक	सहायक प्रोफेसर	मानवशास्त्र विभाग	समाज विज्ञान विद्यापीठ
३	श्री श्रीनिवास बी. कोंटक	सहायक प्रोफेसर	यथा	यथा
४	डॉ. काकोली बनर्जी	सहायक प्रोफेसर	जैव विविधता एवं प्राकृतिक संसाधन विभाग	बीसीएनआर विद्यापीठ
५	डॉ. देबब्रत पंडा	सहायक प्रोफेसर	जैव विविधता एवं प्राकृतिक संसाधन विभाग	बीसीएनआर विद्यापीठ
६	श्री प्रशांत कुमार बेहेरा	सहायक प्रोफेसर	अर्थशास्त्र	समाज विज्ञान विद्यापीठ
७	श्री बिश्वजित भोई	सहायक प्रोफेसर	यथा	यथा
८	श्रीमति मिनती साहु	सहायक प्रोफेसर	यथा	यथा
९	श्री संजीत कुमार दास	सहायक प्रोफेसर	अंग्रेजी भाषा तथा साहित्य विभाग	भाषा विद्यापीठ
१०	डॉ. प्रदोष कुमार रथ	सहायक प्रोफेसर	पत्रकारिता एवं जन संचार विभाग	शिक्षा तथा शिक्षण तकनीकी विद्यापीठ
११	श्री सौरभ गुप्ता	सहायक प्रोफेसर	यथा	यथा
१२	श्री ज्योतिष्का दत्ता	सहायक प्रोफेसर	पत्रकारिता एवं जन संचार विभाग	मौलिक विज्ञान तथा सूचना विज्ञान विद्यापीठ
१३	डॉ. अलोक बराल	सहायक प्रोफेसर	ओडिआ भाषा एवं साहित्य विभाग	भाषा विद्यापीठ
१४	डॉ. प्रदोष कुमार स्वांई	सहायक प्रोफेसर	यथा	यथा
१५	डॉ. कपिल खेमुंडु	सहायक प्रोफेसर	समाज विज्ञान विभाग	समाज विज्ञान विद्यापीठ
१६	डॉ. महेष कुमार पण्डा	सहायक प्रोफेसर	सांख्यिकी विद्यापीठ	अनुप्रयुक्त विज्ञान विद्यापीठ
१७	श्री रमेंद्र कुमार पारही	सहायक प्रोफेसर	शिक्षक शिक्षा	शिक्षा तथा शिक्षण तकनीकी विद्यापीठ
१८	डॉ. आर. पूर्णिमा (२३.०६.२०१६ को कार्यमुक्त किया गया है)	सहायक प्रोफेसर	यथा	यथा

विभाग वार ठेके संकाय सदस्यों की सूची

क्रमसंख्या	नाम	पदनाम	विभाग	विद्यापीठ
१	डॉ. मीरा स्वांई	व्याख्याता ठेके पर	मानवशास्त्र विभाग	समाज विज्ञान विद्यापीठ
२	डॉ.ए मोहन मुरलीधर	व्याख्याता ठेके पर	वाणिज्य प्रबंधन	वाणिज्य तथा प्रबंधन अध्ययन विद्यापीठ
३	श्री प्रीतिश बेहेरा	व्याख्याता ठेके पर	यथा	यथा
४	श्री ललाटेंदु केशरी जेना	व्याख्याता ठेके पर	यथा	यथा
५	सुश्री सुमन मिश्र	व्याख्याता ठेके पर	यथा	यथा
६	श्री सुशांत कुमार	व्याख्याता ठेके पर	कंप्यूटर विज्ञान	मौलिक विज्ञान तथा सूचना विज्ञान विद्यापीठ
७	श्री पतित पावन रथ	अतिथि व्याख्याता	यथा	यथा
८	डॉ. अमरेश आचार्य	व्याख्याता ठेके पर	अंग्रेजी भाषा तथा साहित्य	भाषा विद्यापीठ

०९	डॉ. मयूरी मिश्रा	व्याख्याता ठेके पर	हिंदी	भाषा विद्यापीठ
१०	डॉ. सताब्दी बेहेरा	व्याख्याता ठेके पर	यथा	यथा
११	सुश्री सोनी पारही	व्याख्याता ठेके पर	पत्रकारिता तथा जनसंचार विभाग	शिक्षा तथा शिक्षण तकनीकी विद्यापीठ
१२	श्री सुजित कुमार मोहांति	व्याख्याता ठेके पर	यथा	यथा
१३	सुश्री तलत जहां बेगम	व्याख्याता ठेके पर	यथा	यथा
१४	श्री रमेश चन्द्र मैती	व्याख्याता ठेके पर	गणित विज्ञान	मौलिक विज्ञान तथा सूचना विज्ञान विद्यापीठ
१५	श्री दिनेश पांडे	व्याख्याता ठेके पर	यथा	यथा
१६	डॉ. सुभेंदु मोहन श्रीचंदन मिश्रा	अतिथि व्याख्याता	यथा	यथा
१७	श्री बासुआ देबानंद	व्याख्याता ठेके पर	यथा	यथा
१८	सुश्री कृष्णा मलिक	व्याख्याता ठेके पर	यथा	यथा
१९	श्री सत्यब्रत साहु	व्याख्याता ठेके पर	यथा	यथा
२०	डॉ. रुद्राणि मोहांति	व्याख्याता ठेके पर	ओड़िआ भाषा तथा साहित्य	भाषा विद्यापीठ
२१	डॉ. गणेश प्रसाद साहु	व्याख्याता ठेके पर	यथा	यथा
२२	श्री कुमुद प्रसाद आचार्य	व्याख्याता ठेके पर	संस्कृत भाषा	भाषा विद्यापीठ
२३	डॉ. बिरेंद्र कुमार सडंगी	व्याख्याता ठेके पर	यथा	यथा
२४	डॉ. आदित्य केशरी मिश्रा	व्याख्याता ठेके पर	समाज विज्ञान	समाज विज्ञान विद्यापीठ
२५	डॉ. सागरिका मिश्रा	व्याख्याता ठेके पर	यथा	यथा
२६	श्री ऋषि प्रसाद साहु	व्याख्याता ठेके पर	सांख्यिकी विभाग	अनुप्रयुक्त विज्ञान विद्यापीठ
२७	सुश्री स्वागतिका प्रधान	व्याख्याता ठेके पर	सांख्यिकी विभाग	अनुप्रयुक्त विज्ञान विद्यापीठ
२८	डॉ. आर एस. एस नेहरू	व्याख्याता ठेके पर (२२.०९.२०१७ को कार्यमुक्त किया)	शिक्षक शिक्षा	शिक्षा तथा शिक्षण तकनीकी विद्यापीठ
२९	श्री संतोष जेना	व्याख्याता ठेके पर	यथा	यथा
३०	श्री के वेंकट एन राव	व्याख्याता ठेके पर	यथा	यथा
३१	श्री प डब्ल्यू बनर्जी	व्याख्याता ठेके पर	यथा	यथा
३२	श्री अक्षय कुमार भोई	व्याख्याता ठेके पर	यथा	यथा
३३	डॉ शिशिर कुमार बेज	व्याख्याता ठेके पर	यथा	यथा
३४	सुश्री बी सोरेन	व्याख्याता ठेके पर	यथा	यथा

गैर-शिक्षण कर्मचारियों की सूची

क्र.सं.	नाम	पदनाम	विभाग
१.	श्री के.वी.उमा एम.राव	उप कुलसचिव	प्रशासन
२.	श्री के कोशला राव	उप कुलसचिव	वित्त
३.	श्री सुधाकरण पटनायक	ओआईसी	अनुरक्षण
४.	श्री एम. एम. पात्र	ओएसडी	प्रशासन
५.	श्री विजयानन्द प्रधान	सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष	पुस्तकालय
६.	डॉ.फगुनाथ भोई	जन संपर्क अधिकारी	जनसंपर्क
७.	श्री मानस कुमार दास	अनुभाग अधिकारी	वित्त
८.	श्री पंकज कुमार सिन्हा	अनुभाग अधिकारी	प्रशासन (अप्रैल २०१७ से लियन पर)
९.	श्री रश्मी रंजन सेठी	कुलपति के निजी सचिव	कुलपति का सचिवालय (अप्रैल २०१६ से लियन पर)
१०.	ई.पद्मलोचन स्वाईं	कनिष्ठ अभियंता	अभियांत्रिकी
११.	श्री बरदा प्रसाद राउतराय	सहायक	प्रशासन
१२.	श्री संजिव कुमार पाप्नेजा	तकनीकी सहायक	कम्प्यूटर प्रयोगशाला
१३.	श्री रूद्रनारायण	कनिष्ठ सहायक प्राध्यापक	पुस्तकालय
१४.	श्री शिवराम पात्र	प्रवर श्रेणी लिपिक	शैक्षणिक
१५.	श्री मानस चन्द्र पण्डा	प्रवर श्रेणी लिपिक	शैक्षणिक
१६.	श्री जितेन्द्र कुमार पण्डा	अवर श्रेणी लिपिक	प्रशासन
१७.	श्री अजित प्रसाद पात्र	अवर श्रेणी लिपिक	वित्त
१८.	श्री अजय कुमार महापात्र	प्रयोगशाला एटेंडेट	नृविज्ञान
१९.	श्री मुकुन्द खिलो	पुस्तकालय एटेंडेट	पुस्तकालय

२०.	श्री प्रमोद कुमार परिड़ा	कार्यालय एटेंडेट	वित्त
२१.	श्री तुषारकान्त दास	कार्यालय एटेंडेट	अस्थायी कार्यालय, भुवनेश्वर
२२.	श्री मिलन कुमार राउल	कार्यालय एटेंडेट	प्रशासन
२३.	सुश्री प्रीति कुमारी रथ	कार्यालय एटेंडेट	प्रशासन
२४.	डॉ. मधुसूदन महापात्र	चिकित्सक, ठेके पर	प्रशासन
२५.	श्री पी.पी. क्षेत्रीय	जे.पी.ए., ठेके पर	अनुरक्षण
२६.	श्री निरंजन पाढ़ी	प्रबंधक, अतिथि भवन, ठेके पर	प्रशासन
२७.	श्री गंगाधर डाकुआ	बागबानी निरीक्षक, ठेके पर	अनुरक्षण
२८.	श्री भगबान नाहाक	परामर्शदाता, ठेके पर	प्रशासन

कार्यकारी सारांश

केन्द्रीय विश्वविद्यालय ओड़िशा वर्ष २००९ में संसद के अधिनियम द्वारा ओड़िशा के कोरापुट में स्थापित की गयी थी। विश्वविद्यालय मानविकी,भाषा, सामाजिक विज्ञान, और मौलिक तथा अनुप्रयुक्त विज्ञान में अग्रिम ज्ञान के प्रसार के लिए प्रयास करता है । इसका लक्ष्य अधिगम प्रक्रिया, अंत:विषयक अनुसंधान को बढ़ावा देना और लोगों के सामाजिक-आर्थिक स्थितियों में सुधार और उनके शैक्षणिक, बौद्धिक तथा सांस्कृतिक विकास के लिए विशेष ध्यान दिया जाना है। विश्वविद्यालय कोरापुट जिले के सुनाबेढ़ा में अवस्थित है। मुख्य पसिर सुनाबेढ़ा स्थित ४३०.३७ एकड जमीन पर अवस्थित है । ओड़िशा सरकार ने सीयूओ यह जमीन प्रदान किया है, और यह जमीन विश्वविद्यालय के नाम में पंजीकृत हो चुका है।

विश्वविद्यालय की विजन :

- सहयोग/शैक्षणिक समझौता/भारत व विदेश के प्रमुख अनुसंधान संस्थान, विश्वविद्यालय एवं उद्योग के साथ साझेदारी। आज के संदर्भ में यूनिस्को दस्तावेज में यथा परिकल्पित एक नए अर्थ एवं नए आकार पर लिए गए क्रॉस बॉर्डर शिक्षा।
- यूनेस्को दस्तावेज में बताये गये क्रॉस बोर्डर शिक्षा को आज के संदर्भ में नये अर्थ में लेना और नया रूप प्रदान करना
- निमन्त्रण से प्रख्यात अतिथि संकायों का प्रवेश
- एक आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ की स्थापना (IQAC)।

विश्वविद्यालय की मिशन :

- सभी के लिए उत्कृष्ट शिक्षा, ताकि हम राष्ट्र की रीढ़ की हड्डी को मजबूत कर पाएंगे।
- दूर दराज तक पहुंचने के लिए "समावेशी शिक्षाह्ल का प्रसार।
- स्वदेशी एवं वैश्विक परिदृश्य का एक स्वस्थ्य सहजीवन का पक्ष समर्थक।
- उच्च शिक्षा की एक मजबूत आधारित संपूर्ण वैश्विक नजरीया बनाए रखाना।
- स्वयं के लिए एक स्थान बनाए।

तदनुसार विश्वविद्यालय पहले से ही तैयार की है:

- विश्वविद्यालय-उद्योग संपर्क के लिए नीति की रूपरेखा।
- विदेश में स्थित विश्वविद्यालयों के साथ अन्तर्राष्ट्रीय संपर्क हेतु नीति की रूपरेखा।
- प्रशासन, शिक्षण एवं अध्ययन के सभी स्तरों पर "गुणवत्ता की संस्कृतिह्ल की शिक्षा के लिए एक नीतिगत संरचना।

केन्द्रीय विश्वविद्यालय ओड़िशा का उद्देश्य:

- अध्ययन की ऐसी शाखाओं में यथोचित शिक्षण एवं अनुसंधान सुविधाएँ प्रदान कर अत्याधुनिक ज्ञान का प्रसार करना,
- अपने शैक्षिक कार्यक्रमों में मानविकी, समाजविज्ञान, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में संकलित पाठ्यक्रमों के लिए विशेष प्रावधान प्रस्तुत करना,
- शिक्षण-अध्ययन प्रक्रिया एवं अंतर्विषयक अध्ययन एवं अनुसंधान में नवोन्मेष को प्रत्साहित करने के लिए उचित उपाय प्रस्तुत करना,
- देश के विकास के लिए मानव-शक्ति को शिक्षित एवं प्रशिक्षित करना,
- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी को प्रोत्साहित करने हेतु उद्योगों के साथ संपर्क स्थापित करना,
- लोगों की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति में सुधार एवं कल्याण, उनके बौद्धिक, शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक विकास हेतु विशेष ध्यान देना।

महामहिम भारत के राष्ट्रपति का अभिभाषण : भारत के राष्ट्रपति श्री प्रणव मुखर्जी ने ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालयों का परिदर्शन किया था वर्ष के दौरान दो बार भारत के सभी उच्चतर शैक्षणिक एवं अनुसंधान संस्थानों के छात्रों, संकायों और कर्मचारियों को संबोधन किया है ।

उनका प्रथम संबोधन दिनांक १० अगस्त २०१५ को " भारत में उच्च शिक्षा संस्थानों को मजबूत करना "शीर्षक पर उनका दूसरा संबोधन दिनांक १९ जनवरी २०१६ को " युवा और राष्ट्र निर्माण "शीर्षक पर ।

दोनों संबोधन नेशनॉल नलेज नेटवर्क (एनकेएन), भारत सरकार द्वारा आयोजित विडियो कनफरेसिंग के माध्यम से आयोजित हुआ था । विश्वविद्यालय के सभी सदस्यों ने ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय के विडियो कनफरेंस स्टुडियो में उपस्थित थे ।

शैक्षणिक प्रोफाइल

वर्तमान, विश्वविद्यालय तीन वर्षीय और दो वर्षीय परास्नातक कार्यक्रम, पाँच वर्षीय एकीकृत मास्टर कार्यक्रम, दो वर्षीय मास्टर कार्यक्रम और अनुसंधान कार्यक्रम (एम.फील और पीएच.डी) प्रदान करता है। परास्नातक कार्यक्रम में शामिल हैं कंप्यूटर अनुप्रयोग में स्नातक (तीन वर्षीय) और दो वर्षीय परास्नातक प्रशिक्षण कार्यक्रम , शिक्षा में स्नातक, जबकि गणित विज्ञान में पाँच वर्षीय एकीकृत मास्टर कार्यक्रम, नृविज्ञान, जैव विविधता एवं प्राकृतिक संसाधन संरक्षण, वाणिज्य प्रशासन, अर्थनीति, अंग्रेजी, हिंदी, जनसंचार तथा पत्राचार, ओड़िआ, संस्कृत, सामाजिक और सांख्यिकी में दो वर्षीय मास्टर कार्यक्रम । नृविज्ञान, जैव विविधता एवं प्राकृतिक

संसाधन संरक्षण, जनसंचार तथा पत्राचार, ओड़िआ, और समाज विज्ञान में एमफील तथा पीएचडी अनुसंधान कार्यक्रम चलाता है। विश्वविद्यालय शैक्षणिक तथा अनुसंधान के क्षेत्र में सहयोग के लिए विभिन्न राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के साथ समझौता किया है । सभी पाठ्यक्रमों में प्रवेश राष्ट्रीय स्तर पर प्रवेश परीक्षा के माध्यम से होता है।

वर्ष २०१६-१७ के लिए दस स्नातकोत्तर कार्यक्रम, एक पंचवर्षीय एकीकृत पाठ्यक्रम (पाँच वर्ष), एक स्नातक पाठ्यक्रम (तीन वर्ष) एवं बी.एड़ पाठ्यक्रम के लिए कक्षाएँ चलाई जा रहीं हैं। इन विषयों में शैक्षिक वर्ष २०१६-१७ के लिए ३५७ छात्रों ने दाखिला ले चुके हैं।

विश्वविद्यालय की मूल्यांकन प्रक्रिया विकल्प आधारित क्रेडिट प्रणाली के साथ छमाही (सेमेस्टार) प्रणाली पर आधारित है।

शैक्षिक पंचांग (कैलेण्डर)का केन्द्रों/विभागों एवं निर्धारित कार्यक्रमों के अनुसार सम्पादित सभी शिक्षण-अध्ययन गतिविधियों द्वारा सख्ती से अनुसरण किया जाता है।

संरचनात्मक प्रगति

विश्वविद्यालय के ध्येय के मद्देनजर हमने सुनाबेड़ा, कोरापुट स्थित हमारे मुख्य कैम्पस के विकास में कई वाधाएं एवं चुनौतियों का सामना किया है। कैम्पस में संरचनात्मक विकास की आवश्यकता की पूर्ति के लिए बुनियादी ढ़ांचे और अन्य सहायक सुविधाओं के स्तर में सुधार लाने के हमारे प्रयास के चलते विश्वविद्यालय ने इस शैक्षिक वर्ष २०१४-१५ से कैंपस को कार्यक्षम करने के लिए आवश्यक बुनियादी ढ़ाँचा को तैयार करने में सक्षम हो पाया है।

मानव संसाधन

वर्तमान विश्वविद्यालय अनुभवी संकाय सदस्य एवं गैर-शिक्षण कर्मचारियों से सुसज्जित है। हमारे पास हरेक विषयों के लिए कई अतिथि अध्यपक हैं। विश्वविद्यालय भी अपने छात्रों को अतिरिक्त विवरण प्रदान करने के लिए प्रतिष्ठित अतिथि संकायों का एक तंन्त्र बनाया है।

विश्वविद्यालय के केंद्रीय पुस्तकालय

केन्द्रीय पुस्तकालय पिछले कई वर्षों से तेजी से प्रगति की है। हालांकि केन्द्रीय विश्वविद्यालय के केन्द्रीय पुस्तकालय सिर्फ ५ साल पुराना है फिर यह अपने शिक्षण एवं छात्र समुदाय को कुछ विशेष मूल्य वर्धित सेवा प्रदान करते हुए अपने निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त किया है। अब तक केन्द्रीय पुस्तकालय में २९००० पुस्तकों का संग्रह है, ९००० से भी अधिक ई-पत्रिकाएँ ई-शोध सिंधु (उच्च शिक्षा इलेक्ट्रोनिक संसाधन का कनसोरटियम) संदर्भ पुस्तकें, सिरियल्स, शोधग्रंथ और डिजारटेशन और पत्रिकाओं की पुरानी संस्करण आदि खरीदी है। वित्तीय वर्ष २०१५-१६ के दौरान, पुस्तकालय में ६२११ पुस्तकें मंगायी गयी है कैलेंडर २०१६ के लिए ९७ प्रिंट पत्रिकायें पुस्तकालय में मंगाई गयी है।

विद्यार्थियों और कर्मचारियों के लिए परिवहन सुविधा

विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों के लिए परिवहन सुविधा की पूर्ति हेतु जयपुर, कोरापुट, सिमिलिगुडा और सुनाबेढा से विश्वविद्यालय कैम्पस तक आवागमन के लिए मासिक आधार पर छ: बसें प्रद्रान की गयी है। छात्रावास में रह रहे छात्रगण विविध शैक्षणिक, क्षेत्र परिदर्शन और विश्वविद्यालय तक पहुंचने के लिए बस सेवा का लाभ उठा रहे हैं।

सांविधिक समितियों की बैठकें

कार्यकारी परिषद : कार्यकारी परिषद की २४वीं बैठक १४ जनवरी, २०१७ को आयोजित की गई।

शैक्षणिक परिषद : शैक्षणिक परिषद की १५वीं बैठक २१ जनवरी, २०१७ को आयोजित की गयी।

वित्त समिति : वित्त समिति की १६वीं बैठक २८ जून, २०१६ को आयोजित की गयी।
वित्त समिति की १८वीं बैठक २८ अक्तूवर, २०१६ को आयोजित की गयी।

भवन निर्माण समिति : भवन निर्माण समिति की २३ वीं बैठक २७ अक्तूवर, २०१६ को आयोजित की गयी।
भवन निर्माण समिति की २४ वीं बैठक ३१ मार्च, २०१७ को आयोजित की गयी।

विश्वविद्यालय द्वारा प्रतिष्ठित /विशेष व्याख्यान आयोजित

विश्वविद्यालय ने निम्नलिखित प्रतिष्ठित/विशेष व्याख्यान आयोजित किया है :

- विज्ञान पर एक प्रतिष्ठित व्याख्यन दिनांक २५.०४.२०१६ को सीयूओ परिसर, सुनाबेढा में आंखों की बीमारी : बेड टू बिसाइडस जर्नी शीर्षक पर आयोजित किया गया था। प्रो.गीता के भेमूगंती, चिकित्सा विज्ञान विद्यापीठ प्रमुख, हैदराबाद विश्वविद्यालय ने व्याख्यान प्रदान किया था। प्रो. सचिदानंद मोहांति, कुलपति ने इस उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता की थी और उद्घाटन वक्तव्य प्रदान किया था।
- तीसरा कें.वि.ओ.- हिं.ए.लि. प्रतिष्ठित व्याख्यान दिनांक २९.०७.१६ को भंज मंडप, हाल टाउनशिप, सुनाबेढा में हिंदुस्तान एरोनेटिक्स लिमिटेड, सुनाबेढा के सहयोग से विश्वविद्यालय द्वारा बदलती दुनिया में सांस्कृतिक कूटनीति पर प्रदान किया था। हंगेरी के भूतपूर्व राष्ट्रदूत और वर्तमान के परिदर्शक प्रोफेसर, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यायल के श्री मलय मिश्र ने मुख्य वक्ता के रूप में व्याख्यान प्रदान किया था । उद्घाटन सत्र में प्रो. सचिदानंद मोहांति, कुलपति, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने मुख्य अतिथि थे। श्री जे.के. मोहांति, महाप्रबंधक, यांत्रिक प्रभाग, हाल, सुनाबेढा ने इस कार्यक्रम की अध्यक्षता की थी।
- चौथा कें.वि.ओ.- हिं.ए.लि. प्रतिष्ठित व्याख्यान दिनांक ११.०८.२०१६ को भंज मंडप, हाल टाउनशिप, सुनाबेढा में हिंदुस्तान एरोनेटिक्स लिमिटेड, सुनाबेढा के सहयोग से विश्वविद्यालय द्वारा 9 स्वराज्य और विभाजित गणतंत्र और नये भारत के लिए अरबिद के स्वप्न " पर आयोजित किया गया था। प्रसिद्ध शिक्षाविद प्रो. मकरंद आर प्रापांजे, अंग्रेजी साहित्य के प्रोफेसर, अंग्रेजी अध्ययन केंद्र, भाषा विज्ञान विद्यपीठ, साहित्य और संस्कृति अध्ययन, जहवाहारलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली ने इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रुप में प्रदान किया था। उद्घाटन सत्र में प्रो. सचिदानंद मोहांति, कुलपति, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने मुख्य अतिथि थे। श्री इं. देवाशिष देव,कार्यकारी निदेशक, हाल, सुनाबेढा ने इस कार्यक्रम की अध्यक्षता की था।

२०१६-१७ के दौरान मे निम्नलिखित शीर्षकों पर व्याख्यान आयोजित किया गया है।

क. अंशीदारी गर्वनेंस-मुद्दे और चुनौतियां
ख. राष्ट्रभाषा हिंदी की चुनौतियां और संभावनायें
ग. संस्कृत : भारतीय संस्कृति की मूलढांचा
घ. कौटिल्य की अर्थशास्त्र में अपराध की खोज
ङ. मानव विकास सूचकांक में मापन- एक एक्सीओमेटिक एप्रोच
च. भारतीय संविधान में मौलिक कर्तव्य के महत्व
छ. विकलांगों के लिए विज्ञान तथा तकनीकी

शैक्षणिक कार्यक्रम

क्रमांक	विद्यापीठ का नाम	विभाग का नाम	कार्यक्रम का नाम तथा अवधि
०१	भाषा विद्यापीठ	ओड़िआ भाषा तथा साहित्य	ओड़िआ में एम. ए. (दो वर्ष), ओड़िआ में एम.फील. (एक वर्ष) ओड़िआ में पीएच.डी.
		अंग्रेजी भाषा तथा साहित्य विभाग	अंग्रेजी में एम.ए. (दो वर्ष)
		हिंदी विभाग	हिंदी में एम.ए. (दो वर्ष)
		संस्कृत विभाग	संस्कृत में एम.ए.
०२	सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ	नृविज्ञान विभाग	नृविज्ञान में एम.एससी. (दो वर्ष) नृविज्ञान में एम.फील. (एक वर्ष) नृविज्ञान में पीएच.डी.
		समाजशास्त्र विभाग	समाजशास्त्र में एम.ए. (दो वर्ष) समाजशास्त्र में एम.फील. (एक वर्ष) समाजशास्त्र में पीएच.डी
		अर्थशास्त्र विभाग	अर्थशास्त्र में एम. ए. (दो वर्ष)
०३	शिक्षा तथा शिक्षण तकनीकी विद्यापीठ	जनसंचार तथा पत्रकारिता विभाग	जनसंचार एवं पत्रकारिता में एम. एम. (दो वर्ष) जनसंचार तथा पत्रकारिता में एम.फील. (एक वर्ष) जनसंचार तथा पत्रकारिता में पीएच.डी.
		शिक्षा विभाग	स्नातक शिक्षा (दो वर्ष)
०४	मौलिक विज्ञान और सूचना विज्ञान विद्यापीठ	गणित विज्ञान विभाग	पाँच एकीकृत वर्षीय गणित विज्ञान में एम.एससी. (पाँच वर्ष)
		कंप्यूटर विज्ञान विभाग	कंप्यूटर विज्ञान में स्नातक (तीन वर्ष)
०५	जैव विवधिता तथा प्राकृतिक संसाधन संरक्षण विद्यापीठ	जैवविविधता तथा प्राकृतिक संसाधन विभाग	जैवविविधता में एम.एससी. (दो वर्ष) जैवविविधता में एम.फील. (एक वर्ष) जैवविविधता में पीएच.डी.
०६	वाणिज्य तथा प्रबंधन अध्ययन	व्यापार प्रबंधन विभाग	व्यापार प्रबंधन में मास्टर (दो वर्ष)
०७	अनुप्रयुक्त विज्ञान विद्यापीठ	सांख्यिकी विभाग	अनुप्रयुक्त सांख्यिकी और सूचना विज्ञान में एम.एससी. (दो वर्ष)
बीसीएनआर- जैवविविधता और प्राकृतिक संसाधन संरक्षण			

विश्वविद्यालय के विद्यापीठों, विभागों एवं संकायों की गतिविधियाँ

भाषा विद्यापीठ

वर्तमान चार भाषाओं में अंग्रेजी, ओड़िया, हिंदी और संस्कृत में शिक्षा प्रदान की जाते है। इन भाषाओं में से प्रत्येक साहित्य के एक महत्वपूर्ण अंग है, जो महान लेखकों, उपन्यासकार, कवि, कहानी लेखकों, नाटक लेखकों आदि का एक समेकित समूह है। ये भाषाएँ महान संस्कृति एवं महान दर्शन के धरोहर हैं। विद्यार्थी जो इस विद्यापीठ में भाषा का अध्ययन करने के इच्छुक हैं वास्तव में उनको भाषा से कहीं अधिक अध्ययन करने का अवसर मिलता है। वह (पु/स्त्री) उस संस्कृति की साहित्य, कला एवं दर्शन का भी अध्ययन करेंगे।

उपरोक्त चार भाषाओं में प्रशिक्षण विद्यार्थी को अंत में एक अनुवादक, टीकाकार, शिक्षक, विशेषज्ञ अथवा मल्टी-मीडिया परियोजनाओं में एक सलाहकार बनने में सक्षम बनाता है।

अंग्रेजी भाषा एवं साहित्य विभाग

भाषा विद्यापीठ के अन्तर्गत अंग्रेजी भाषा एवं साहित्य विभाग (डीईएलएल)ने केंद्रीय विश्वविद्यालय ओड़िशा में शैक्षिक वर्ष २००९-१० से स्नातकोत्तर (दो वर्षीय) कार्यक्रम की शुरूआत की है।यह केन्द्र अंग्रेजी में स्नातकोत्तर कार्यक्रम प्रदान करता है एवं अफ्रीका, अमेरिका, अस्ट्रेलियन, कानेडीयन, अंग्रेजी, भारतीय, आयरिश आदि में गैर-ब्रिटिश साहित्य पर जोर देता हा। यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को भारत में साहित्य सिद्धान्तों पर उनके संदर्भ से जुड़े साहित्य से संबंधित अपनी क्षमता को विकास करने, सिद्धान्तों और ग्रन्थों का तुलनात्मक अध्ययन करने और इतिहास, सिद्धान्त, सामग्री प्रेरित साहित्यिक एवं सांस्कृतिक सिद्धान्त,तुलनात्मक साहित्य एवं अग्रेजी स्थिति का पता लगाने में मदद करता है।

विजन

इस विभाग का निम्नलिखित लक्ष्य और उद्देश्य हैं

- पूरे शैक्षणिक सत्रों में भारत तथा बाहर से अंग्रेजी में प्रतिष्ठित प्रोफेसरों को आमंत्रित किया जाता है।
- स्वरविज्ञान प्रयोगशाला, संचार प्रयोगशाला, विभागीय पुस्तकालय आदि की स्थापना।

- अंग्रेजी साहित्य/अंग्रेजी भाषा शिक्षण/भाषाशास्त्र में एमफिल/पीएच.डी आदि नये कार्यक्रमों का शुभारंभ।
- वार्षिक संगोष्ठी/कार्यशाला/सम्मेलन आदि आयोजन करना।
- तुलनात्मक साहित्य और अनुवाद अध्ययन पर अधिक महत्व दिया जाता है।
- अन्य विभागों के साथ व्यक्तिगत अथवा संयुक्त रूप से विभिन्न अनुसंधान कार्य के लिए भारत तथा विदेश में संस्थानों के साथ सहयोग ।

विभाग

१	विभाग अध्यक्ष का नाम	**श्री संजित कुमार दास, सहायक प्राध्यापक एवं प्रमुख प्रभारी**
२	संपर्क विवरण	अंग्रेजी भाषा एवं साहित्य विभाग, केन्द्रकेंद्रीय विश्वविद्यालय ओड़िशा, शुनाबेढा, कोरापुट-७६४०२३, ओड़िशाई-मेल : **sanjeet.iitk@gmail.com**
३.	शिक्षण सदस्य और उनकी शैक्षिक योग्यताएं	१. संजित कुमार दास, अंग्रेजी में स्नातकोत्तर, भाषाशास्त्र में स्नातकोत्तर, अंग्रेजी में एम.फील., यूजीसी-नेट, सहायक प्राध्यापक २. श्री अमरेश आचारी, एम.ए.,एम.फील. एवं यूजीसी-नेट, व्याख्याता ठेके पर
४.	विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रम	अंग्रेजी भाषा एवं साहित्य में स्नातकोत्तर (२ वर्षीय)

संकाय और शोधछात्रों की शैक्षणिक गतिविधियाँ

- दिनांक ०२ मार्च २०१७ को केनन एंड बियंड : लिटेरेर स्टडीज टूडे पर एक परिसंवाद आयोजित किया गया था।
- इस अवधि के दौरन इस विभाग के छः छात्रों ने विभिन्न संस्थानों में अंग्रेजी में व्याख्यान प्रदान किया है जैसे उदय नायक (रायगडा महाविद्यालय), सुचित्रा साहु (बीवी महाविद्यालय, हरिपुर, जाजपुर) , भक्तराम साहु (केए महाविद्यालय, केंउझर), सचिन पंडा(नवरंगपुर महाविद्यालयः), शत्रुघ्न किसान (गांधी महाविद्यालय,राउरकेला), और संयुक्ता पांगी(नवरंगपुर महाविद्यालय)।
- इस शैक्षणिक सत्र के दौरान तीन छात्रों को एम फील की डिग्री उपाधि मिली, वे हैं मेहुली सांत्रा, प्रियंका शर्मा और शत्रुघ्न किसान । वे प्रोफेसर धरणीधर साहु के पर्यवेक्षण में अनुसंधान कर रहे थे ।

ओड़िआ भाषा तथा साहित्य विभाग

ओड़िया भाषा एवं साहित्य विभाग सन् २००९ में अपनी स्थापना काल से ही कला में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम प्रदान करता आ रहा है। स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम को नियमित संशोधन एवं अद्यतन किया जाता है। केन्द्र तुलनात्मक साहित्य, लोक साहित्य एवं जनजातीय अध्ययन में विशेष शिक्षण प्रदान करता है। स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के विभिन्न क्षेत्र सम्पादन एवं अनुवाद में अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी को अपनाया है। केन्द्र शुरू से ही अपने अनुसधान गतिविधियों में सक्रिय रहा है। केन्द्र के शिक्षक परास्नातक कार्यक्रम के लिए शोध-प्रबंध की निगरानी करते हैं जहाँ छात्र चौथी छमाही में नृविज्ञान एवं सामाजिक क्षेत्र कार्य प्रदर्शन का अवसर पाते हैं। केन्द्र से काफी बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने यूजीसी-जेआरएफ/नेट पास कर चुके हैं उनमें से कई प्रतिष्ठित सरकारी एवं गैर-सरकारी क्षेत्रों में रोजगार पा चुके हैं। अनुसंधान कार्यक्रम (पीएच.डी. तथा एम.फील) का प्रारंभ शैक्षणिक सत्र २०१३-१४ से इस केंद्र में किया गया था। यह विभाग अपनी स्थापनाके बाद से अपनी अनुसंधान गतिविधियों में सक्रिय रहा है। विभाग के शिक्षकों को परास्नातक पाठ्यक्रम के लिए शोध निबंध की निगरानी करना पड़ता है। जहां छात्रों को चौथे सेमीस्टर में नृविज्ञान और समाजशास्त्रीय फील्डवर्क का अनुभव मिलता है। विभाग से अनेक छात्रों को यूजीसी/जेआरएफ /नेट पूरा किया है और उनमें से कुछ प्रतिष्ठित सरकारी और गैर-सरकारी क्षेत्रों में भर्ती कराए गए हैं।

विजन

- ओडिशा राज्य की भाषा, साहित्य और संस्कृति पर जोर देना है;
- अनुसंधान, संगोष्ठी, परिसंवाद, वार्तालाप, कार्यशाला आदि के माध्यम से दक्षिण ओडिशा के स्वदेशी समूह के लोकगीत और लोक साहित्य को दस्तावेजीकरण बनाना और संरक्षण प्रदान करना

मिशन

- ओड़िआ भाषा और साहित्य को जीवित रखने के लिए अतीत के परंपरा को बनाए रखना ;
- विविध अनुसंधान कार्य आयोजित करना और संचालित करना जिससे कि अपने विकास के लिए ओड़िआ बढ़ सके ;
- विभागीय वार्षिक अनुसंधान पत्रिका आरंभ करना
- एक प्राचीन भाषा चेयर की स्थापना करना और एमआईएल के तहत ओड़िआ में सार्टिफिकेट और डिप्लोमा पाठ्यक्रम चालू करना, जो ओडिया भाषा के विकास और विस्तार में सहायक हो सकें ;
- अनुसंधान, संगोष्ठी, परिसंवाद, वार्तालाप, कार्यशाला आदि के माध्यम से दक्षिण ओडिशा के स्वदेशी समूह के लोकगीत और लोक साहित्य को दस्तावेजीकरण बनाना और संरक्षण प्रदान करना
- विभागीय पुस्तकालय, लोक म्युजियम, भाषा प्रयोगशाला और पांडुलिपि के संरक्षण के एक अलग यूनिट स्थापित करना
- वार्षिक संगोष्ठी/कार्यशाला/सम्मेलन आयोजित करना है
- तुलनात्मक साहित्य, अनुवाद अध्ययन, लोकभाषा साहित्य और आदिवासी अध्ययन पर जोर ध्यान देना जिससे विभागीय अनुसंधान और शिक्षण समृद्ध हो सके

विभाग

१	**मुख्य का नाम**	**डॉ. अलोक बराल, सहायक प्रोफेसर तथा मुख्य प्रभारी**
२	संपर्क विवरण	ओड़िआ भाषा तथा साहित्य विभाग, केंद्रीय विश्वविद्यालय ओड़िशा शुनाबेढा, कोरापुट-७६४०२३, ओड़िशा, ई-मेल: *alok.baral@rediffmail.com*
३	शिक्षक सदस्य और उनकी योग्यताएं	१. डॉ. अलोक बराल, एम.ए, पीएच.डी, यूजीसी-एनइटी, सहायक प्रोफेसर २. श्री प्रदोशकुमार स्वाईं, एम.ए, एम.फील., यूजीसी-एनईटी, सहायक प्रोफेसर ३. डॉ. रूद्राणि मोहांति, एम.ए., पीएच.डी., व्याख्याता ठेके पर ४. डॉ. गणेश प्रसाद साहु, एम.ए., पीएच.डी., यूजीसा–एनइटी, व्याख्याता ठेके पर

४	विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रम का विवरण	ओड़िआ भाषा तथा साहित्य में एम.ए. (२ वर्ष) ओड़िआ भाषा तथा साहित्य में एम.फील (१ वर्ष) ओड़िआ भाषा तथा साहित्य में पीएच.डी.

विभाग की शैक्षणिक गतिविधियाँ

- दिनांक ११ मार्च २०१६ को प्राचीन भाषा दिवस के अवसर पर " ओड़िआ भाषा और साहित्य की विरासत : प्राचीन भाषा के संदर्भ में ह्व आयोजित विभागीय परिसंवाद ।
- दिनांक २०.०३.२०१७ को इक्कीसवीं शताब्दी की ओड़िआ साहित्य पर विभाग ने एक परिसंवाद आयोजित किया।
- विभाग को प्रसिद्ध व्यक्तियों और प्रोफेसरों ने परिदर्शन किया जैसे प्रो. वैष्णव चरण सामल, सेवानिवृत्त प्रोफेसर, ओड़िआ विभाग, विश्व भारती, प्रो. दास बेनहूर, प्रोफेसर तथा प्रख्यात लेखक, प्रो. संघमित्रा मिश्र, सेवानिवृत्त प्रोफेसर, उत्कल विश्वविद्यालय, प्रो. नारायण साहु, प्रसिद्ध प्रोफेसर, उत्कल विश्वविद्यालय, प्रो. देवी प्रसन्न पटनायक, प्रोफेसर, ओड़िआ विभाग, ब्रह्मपुर विश्वविद्यालय, प्रो. समर मुदाली, सेवानिवृत्त प्रोफेसर, संबलपुर विश्वविद्यालय, प्रो. संतोष त्रिपाठी, प्रोफेसर, ओड़िआ विभाग, फकीरमोहन विश्वविद्यालय, बालेश्वर, डॉ. शत्रुघ्न पांडव, सेवानिवृत्त रीडर, ओड़िआ विभाग और प्रसिद् लेखक, ओडिश ने विविध शैक्षणिक उद्देश्य से हमारे विभाग का परिदर्शन किया और छात्रों से वार्तालाप की।
- हमारे विभाग के सात छात्रों ने ओड़िशा स्टाफ सिलेक्सन बोर्ड (एसएसबी) द्वारा आयोजित परीक्षा में उत्तीर्ण हुए है और ओड़िआ व्याख्याता के रूप में चयन हुए हैं । ओड़िशा के विभिन्न महाविद्यालयों में उन्हें नियुक्ति मिली है । वे हैं अरुण कुमार राज, बलभ जानी, भगवती गुडिया, लक्ष्मीप्रिया पात्र, शास्वती मेहेर, विश्वनाथ साहु, और जनधर दाश ।
- डॉ. प्रहलाद खिलो, ओड़िआ भाषा और साहित्य विभाग का एक छात्र (बैच २००९-११) ने फकीर मोहन विश्वविद्यालय, बालेश्वर (ओडिशा) में सहायक प्रोफेसर के रूप में योगदान दिया है ।
- अरूण कुमार राज, इस विभाग का एक शोध छात्र है जिन्होंने यूजीसी-जेआरएफ में उत्तीर्ण हुआ है (जून-२०१६) ।

संकाय सदस्यों की शैक्षणिक गतिविधियाँ

डॉ. आलोक बराल

- दिनांक ८ से १० फरवरी २०१७ अक्तूवर २०१६ को भारतीय समाज विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसआर) के सहयोग से बंगला विभाग, सिद्धु कान्हो ब्रिश विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित बेंगली समाज भाषा और साहित्य : पडोसियों के बीच सांस्कृतिक लेनदेन पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में बंगला उपन्यास में ओडिशा प्रतिबिंब शीर्षक पर एक पेपर प्रस्तुत किया है ।
- दिनांक २२-२३ अक्तूवर २०१६ को ओडिशा साहित्य अकादमी और सारला साहित्स संसद, कटक द्वारा आयोजित प्रकृति और साहित्य पर राष्ट्रीय सम्मेलन में प्राकृतिक विपर्यय कार्यलता : ओड़िआ उपन्यासर दुर्भिक्ष शीर्षक पर एक पेपर प्रस्तुत किया ।
- दिनांक २६ जनवरी २०१७ को सुरेंद्र मोहांति अनुसंधान अकादमी, केंद्रापडा द्वारा आयोजित सुरेंद्र गबसेना परिषद, केंद्रापडा के आठवीं जन्म शताब्दी के अवसर पर राज्य संगोष्ठी में प्रेम ओ विद्रोहर प्रत्यय : कॉलेज बॉय शीर्षक पर एक पेपर प्रस्तुत किया ।
- दिनांक २१.०८.२०१६ को पश्चिम ओशि सांस्कृतिक संसद, हाल, कोरापुट द्वारा आयोजित गंगाधर मेहर के १५४ वें जन्म शताब्दी के अवसर पर गंगाधर मेहेर का जीवनदृष्टि ओ काव्यबोध शीर्षक पर व्याख्यान प्रदान किया ।
- दिनांक १४.०४.२०१७ को शक्ति सोसल होम, शक्ति नगर, राउरकेला द्वारा आयोजित विशुव मिलन के अवसर पर आम सांस्कृतिक आम परम्परा पर एक व्याख्यान प्रदान किया ।
- दिनांक २१.०८.२०१६ को मिडिया अध्ययन संस्थान (आईएमएस), भुवनेश्वर में बुक हॉब, भुवनेश्वर द्वारा एंथोलोजी एसेज : विद्या हीन बुमुक्ति के उद्घाटन समारोह में विद्याहीन बिमुक्ति पर एक वार्ता प्रदान किया।
- दिनांक २३.०४.२०१७ को बनप्रभा साहित्य संसद, सुनाबेढा, कोरापुट द्वारा आयोजित बनप्रभा साहित्य संसद के वार्षिक उत्सव के अवसर पर ओडिशार ग्रामीण: ऐतिहासिक सामाजिक ओ सांस्कृतिक प्रोख्या पर एक वार्ता प्रस्तुत किया ।
- ओड़िआ साहित्य के सांस्कृतिक अध्यय शीर्षक पर दिनांक ०१.०६.२०१६ से २१.०६.२०१६ तक संबलपुर विश्वविद्यालय के मानव संसाधन विकास विभाग (एचआरडीसी) में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में भाग लिया ।
- भाषा सौरभ सम्मान-२०१६, नरसिंहपुर, कटक से एक सम्मान प्राप्त किया ।
- सुरेंद्र मोहांति अनुसंधान अकादमी प्रबंध सम्मान २०१७, केंद्रापड़ा (ओड़िशा) से प्राप्त किया।
- अशोक चंदन स्मृति सम्मान -२०१७ प्राप्त किया, अशोक चंदन स्मृतिन्यास, पाटनागढ़, बलांगीर (ओडिशा) से प्राप्त किया ंमगन् ।
- ओड़िआ में एम.फील डिग्री के तीन छात्रों का मार्गदर्शन किया ।

प्रकाशन

- ओड़िआ साहित्यिक, छद्म नामर इतिहास" पर पुस्तक, लेखालेखी, भुवनेश्वर, पृ, -५२, आईएसबीएन : ९७८-८१९३१६५२-२-५ ।
- निलाद्रि नाट्य जिज्ञासा" पर पुस्तक, अग्रदूत, कटक, २०१७, पृ-३८३, आईएसबीएन -८१-८६३५४-१३६-७ ।
- Book Chapter on 'दर्पणरे अदृश्य देखा ओ दृश्यमान मनर मुहाण : अशाकिया कथा कैनवस पर एक अध्याय पुस्तक में, अशाक अंतरलोकन, सुशील कुमार बाग द्वारा संपादित, बरपालिर बरपुत्र प्रकाशन समिति, बरपाली, बरगढ, २०१७, पृ-६७-९९ ।
- 'अश्विनी कुमारंक शेषदिन पर पुस्तक का अनुच्छेद, निलाद्रि नाट्यजिज्ञासा, डॉ. आलोक बराल और डॉ. प्रदोश कुमार स्वांई द्वारा संपादित , अग्रदूत, कटक २०१७, आईएसबीएन -८१-८६३५४-१३६-७ ।
- 'करमशाणी ओ करमराजा : एक तुलनात्मक सांस्कृतिक अध्ययन" पर एक लेख, नवप्रभात, राउरकेला, ५४, अप्रैल-मई-२०१६, पृ-३२-४२
- 'रावण ओ ओड़िआ उपन्यास पर एक निबंध, पाहाच, भुवनेश्वर, अक्तूवर -२०१६, पृ-१८-३ ।
- An article, 'दक्षिण ओडिशार जटपु जनजातिंक पर्व पर्वाणी ओ लोकाचार पर एक लेख, सरहूल, म्यूजिक सर्किल, राउरकेला, सितम्बर -२०१६, पृ-३-९ ।
- उत्तर आसी माइथ उपन्यास परम्परा ओ वैश्रवणी पर एक लेख, सहकार, कटक, जनवरी -२०१७, पृ-१७-२७ ।
- आत्मार विलग्ना ओ मधुर हाथसारा गाथा : कुंतलांक हिंदी कविता, प्रतिवेशी, कोलकाता, अक्तूवर- दिसम्बर -२०१६, पृ-२८३-२९१ ।

डॉ.प्रदोश कुमार स्वांई

- फकीर मोहन विश्वविद्यालय, बालेश्वर में एम.फिल. साक्षात्कार के लिए विशेषज्ञ के रूप में नियुक्त है ।
- थार्ड थिएटर ओ ओड़िआ नाटक पर एक व्याख्यान प्रदान किया, सरकारी विज्ञान महाविद्यालय, छत्रपुर द्वारा आयोजित हुआ था ।
- नुआपड़ा एनएससी महाविद्यालय, नुआपड़ा, गंजाम द्वारा आयोजित वेस्टर्न लिटरेरी थियोरी और रोमांटिज्म पर व्याख्यान प्रदान किया ।
- सांप्रतिक ओड़िआ साहित्य शीर्षक पर एक व्याख्यान प्रदान किया, भाषा और साहित्य स्नातकोत्तर विभाग, फकीर मोहन विश्वविद्यालय, बालेशवर ।
- संकल्प विकासर : समान सुजोग समान अधिकार शीर्षक पर एक व्याख्यान मुख्य वक्ता के रूप में प्रदान किया, आम मा घर, कोरापुट का वार्षिक समारोह के अवसर पर प्रदान किया था ।
- शैक्षणिक, साहित्यिक और सामाजिक कार्य के लिए वर्ष २०१६-२०१७ हेतु ओडिशा जन अधिकार परिषद, भुवनेश्वर (दिव्यांग प्रतिभा सम्मान) द्वारा सम्मानित ।

प्रकाशन

- 9गडबा जनजातिर सामाजिक ओ सांस्कृतिक जीवनचर्या 9 जनसुधा पर एक निबंध , कटक, २०१६ (३२-३७).
- 9 निरोला कवित्व ओ कोमल संवेदनार विछुरित आभा : कवि विद्युतप्रभा पर एक लेख, नवपात्र, राउरकेला , २०१६ (३०-४२).

डॉ.रुद्राणि मोहांति

- दिनांक १२. २.२०१७ को बी.जे.बी. कॉलेज, भुवनेश्वर में मान्यवर कुलसचिव, ओडिशा राजय मुक्त विश्वविद्यालय, संबलपुर द्वारा आमंत्रित ओडिशा राज्य मुक्त विश्वविद्यलाय के पाठ्यक्रम समिति के सदस्य के रूप में एम.ए. पाठ्यक्रम के लिए ओड़िआ के पाठ्यक्रम की तैयारी और पाठ्यक्रम तैयारी समिति पर आयोजित कार्यशाला में भाग लिया .
- 9सांतिकानन, मलिकाशपुर, बालेश्वर में फकीर मोहत जयंती के १७५वें वर्षगांठ पर दिनांक १५.१.२०१७ को फकीर मोहन साहित्य परिषद के अध्यक्ष द्वारा आंमत्रित फकीर मोहनंक कविता र विशिष्ट दिग पर मुख्य वक्ता के रूप में व्याख्यान प्रदान किया.
- दिनांक २-३ मार्च २०१६ को नृविज्ञान विभाग, संबलपुर विश्वविद्यालय, ज्योति विहार द्वारा आयोजित कोरापुट के प्रजा जनजाति के एक अध्ययन पर जनजाति महिलाओं की सशक्तिकरण के लिए शिक्षा समय की आवश्यकता पर एक पेपर प्रस्तुत किया है और भाग लिया.

प्रकाशन

- दिसम्बर २०१६ में जिला संस्कृति कार्यालय, कोरापुट द्वारा प्रकाशित स्मारिका परब में आदिवासी बाकना : शैली ओ संरचना शीर्षक पर प्रकाशित शोध लेख.

डॉ. गणेश प्रसाद साहु

- मानव संसाधन विकास केंद्र (एचआरडीसी), संबलपुर विश्वविद्यालय, ज्योति विहार, ओडिशा में दिनांक १ जून २०१६ से २१ जून २०१६ तक यूजीसी पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में भाग लिया सफलतापूर्वक पूरा किया । कार्यक्रम का शीर्षक था ओड़िआ साहित्य का सांस्कृतिक अध्ययन और कार्यक्रम के उत्कृष्ट भागीदारी का ए ग्रेड प्राप्त किया ।
- दिनांक १५ मार्च २०१७ से १९ मार्च २०१७ को नाल्को, दामनजोडी, कोरापुट में पाँच दिवसीय अंतर विभागीय नाटक उत्सव में विचारक तथा संसाधन व्यक्ति के रूप में भाग लिया था

प्रकाशन

- बंदीशालर विश्वपपति ओ नाटयकार निलाद्रिभुशंक नाटयमानस, निलाद्रि नाटय जिज्ञासा पर पुस्तक का अनुच्छेद, डॉ. ए. बराल और डॉ. पी.के. स्वांई द्वारा संपादित, अग्रदूत, कटक ,२०१७, आईएसबीएन- ८१-८६३५४-१३६-७
- विभूति पटनायकंक बस्तबाबी गल्प पर एक लेख, विश्वमुक्ति, भुवनेश्वर, अप्रैल., २०१६, पृ- १४-२१ (आईएसएसएन २३४९ ७३५१)
- विप्लवर बरतबोहा परिवर्तनर सूत्रधार : कवि हुसैनरवि गांधींक कविता, इशतहार, भुवनेश्वर, अप्रैल, २०१६, पृ- ११०-१२०
- डिटेक्टिव उपन्यास ओ औपन्यासिक कंडूरीचरण दास, गौरब, पर एक लेख, केंद्रापड़ा, अप्रैल , २०१६, पृ-१५४-१५८ , आईएसएसएन २३९४ ३५७२.
- कुंतलाकुमारींक साहित्य जीवन : एक अनुशीलन पर एक लेख : जनसुधा, कटक, जुलाई-सितम्बर, २०१६, पृ-२३-२९, आईएसएसएन २३२१ ९८९०.
- मिथ्या प्रसंग ओ कवि शरत चंद्र पर एक लेख, साहकार, कटक, जुलाई, २०१६, पृ- २९-३४
- कवि शरत चंद्र प्रधानंक बाटरिस सिंहासनर सांस्कृतिक पक्षपता पर एक लेख, नबपात्र, राउरकेला, जुलाई-अक्तूबर, २०१६, पृ- २९-३४
- कवि भानुजी रावंक कवितारे प्रकृति प्रसंग पर एक लेख, सप्तर्षि, संबलपुर, अक्तूबर-दिसम्बर,२०१६, पृ- २१-२४, आईएसएसएन ०९७३-३२६४.
- कवि शरतचंद्र प्रधानंक कवितारे सांस्कृतिक प्रेक्ष्यपात पर एक लेख, विश्वमुक्ति, भुवनेश्वर, जनवरी-फरवरी, २०१७, पृ- २५-३४, आईएसएसएन २३४९-७३५१.

हिंदी भाषा विभाग

हिंदी भाषा विभाग की स्थापना शैक्षणिक सत्र २०१५-१६ के दौरान भाषा विद्यापीठ के तत्वावधान में स्थापित हुई है और हिंदी भाषा में स्नातोकत्तर कार्यक्रम चलाया जाता है.

विजन

- पूरे शैक्षणिक सत्र के दौरान प्रतिष्ठित हिंदी प्रोफेसरों को विश्वविद्याल में आंमत्रित करना करना है
- विभागीय पुस्तकालय की स्थापना करना है;
- वार्षिक संगोष्ठी/कार्यशाला/सम्मेलन आयोजित करना है और
- तुलनात्मक साहित्य, अनुवाद अध्ययन पर जोर ध्यान देना.

विभाग

१	**विभागाध्यक्ष का नाम**	**डॉ. मयूरी मिश्रा, व्याख्याता ठेके पर और अध्यक्ष प्रभारी**
२	संपर्क विवरण	हिंदी विभाग, केंद्रीय विश्वविद्यालय ओड़िशा, शुनाबेढा, कोरापुट-७६४०२३, ओड़िशा
३	शिक्षण सदस्यों और उनकी योग्यतायें	१. डॉ. मयूरी मिश्रा, एम.ए., पीएच.डी., व्याख्याता ठेके पर २. डॉ. शताब्दी बेहेरा, एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी., यूजीसी-एनईटी, व्याख्याता ठेके पर
४	विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रम का विवरण	हिंदी भाषा में एम. ए. (२ वर्ष)

विभाग की शैक्षणिक गतिविधियाँ

- दिनांक २ अगस्त २०१६ को डॉ. अजय कुमार पटनायक, सेवानिवृत्त रीडर, हिंदी विभाग, रेवेंसा विश्वविद्यालय ने अतिथि व्याख्यान प्रदान किया .
- प्रो. नूरजहां बेगम, सेवानिवृत्त प्रोफेसर, हिंदी विभाग, हैदराबाद विश्वविद्यालय ने दिनांक १९ सितम्बर २०१६ को राष्ट्र भाषा हिंदी की चुनौतियां और संभावनायें शीर्षक पर हिंदी दिवस विशेष व्याख्यान प्रदान किया । उन्होंने दिनांक २०.९.२०१६ से २३.०९.२०१६ तक हिंदी भाषा और हिंदी साहित्य पर व्याख्यान श्रृंखला पर वक्तव्य प्रदान किया ।
- प्रो. राधाकांत मिश्र, सेवानिवृत्त प्रोफेसर हिंदी, रेवेंसा विश्वविद्यालय ने दिनांक १ मार्च २०१७ को भारतीय भक्ति आंदोलन के संदर्भ में हिंदी भक्ति साहित्य शीर्षक पर परिसंवाद व्याख्यान प्रदान किया । उन्होंने दिनांक २ और ३ मार्च २०१७ को व्याख्यान माला प्रदान किया ।

संकाय सदस्यों की शैक्षणिक गतिविधियाँ

डॉ. मयूरी मिश्रा

प्रकाशन

- स्वरूपण और संवेदना के आलोक में डॉ. कुंवर बेचन के गजल साहित्य का अध्ययन शीर्षक पर प्रकाशित पुस्तक, श्री साहित्य प्रकाशन, नई दिल्ली, आईएसबीएन -९७८८१९३२५२३४५.
- अनुसंधान निबंध शीर्षक : गजल एक परिचय, परिंदे, नई दिल्ली, जुलाई २०१६, आईएसएसएन-२३४७६६१३

डॉ. शताब्दी बेहेरा

- दिनांक २३ दिसम्बर २०१६ को भुवनेश्वर में ओड़िशा राज्य महिला आयोग द्वारा आयोजित कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीडन (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम और नियम २०१३ पर कार्यशाला में भाग लिया .

संस्कृत भाषा विभाग

संस्कृत भाषा विभाग की स्थापना शैक्षणिक सत्र २०१५-१६ के दौरान भाषा विद्यापीठ के तत्वावधान में स्थापित हुई है और संस्कृत भाषा में स्नातोकत्तर पाठ्यक्रम चलाया जाता है। संस्कृत भाषा भारतीय सांस्कृतिक और साहित्यिक विरासत का गोदाम घर है। समग्र भारत की ज्ञान प्रणाली संस्कृत ग्रंथों में लिखा हुआ है । इसलिए, वर्तमान के जरिये अतीत और भविष्यत के बीच संपर्क स्थापना हेतु प्राचीन साहित्य ग्रंथों से ज्ञान लाने की जरूरत है (दोनों वैज्ञानिकी और साहित्यिक) ।

विजन

- पूरे शैक्षणिक सत्र के दौरान प्रतिष्ठित संस्कृत प्रोफेसरों को विश्वविद्याल में आंमत्रित करना करना है
- विभागीय पुस्तकालय की स्थापना करना है;
- संस्कृत साहित्य में एम.फील तथा पीएच.डी. जैसे नये कार्यक्रमों का आरंभ करना ;
- वार्षिक संगोष्ठी/कार्यशाला/सम्मेलन आयोजित करना है ;
- तुलनात्मक साहित्य, अनुवाद अध्ययन पर जोर ध्यान देना ;
- संस्कृत के विभिन्न पहलूओं पर विभिन्न डिप्लोमा तथा साटिफिकेट पाठ्यक्रमों का आरंभ करना;
- अभिमुखिकरण अध्ययन के विभिन्न सामान्य और प्रमुख अनुसंधान परियोजनाओं को शुरू करना ;
- अन्य विभागों के साथ व्यक्तिगत अथवा संयुक्त रूप से विभिन्न अनुसंधान कार्य के लिए भारत तथा विदेश में संस्थानों के साथ सहयोग;
- इस क्षेत्र के आसपास का व्यापक सर्वेक्षण करना, संग्रह और पांडुलिपियों के संरक्षण का संचालन करना और महत्वपूर्ण संस्करण में प्रकाशित करना
- दोनों वैदिक और प्राचीन संस्कृत साहित्य में पूरे वैज्ञानिक और तार्किक ढंग से इनकोडेड भारतीय ज्ञान प्रणाली की क्षमता को समझना ;
- आम लोगों के बीच में संस्कृत साहित्य और भाषा को लोकप्रिय करने के लिए विभिन्न विस्तारित कार्यक्रम का आयोजन करना ।

विभाग

१.	**विभागाध्यक्ष का नाम**	**डॉ. कुमुद प्रसाद आचार्य,** अतिथि व्याख्याता तथा विभाग प्रमुख
२.	संपर्क विवरण	संस्कृत भाषा विभाग, केंद्रीय विश्वविद्यालय ओड़िशा, शुनाबेढा, कोरापुट-७६४०२३, ओड़िशा, ई-मेल : kumudaacharya88@gmail.com
३.	शिक्षण सदस्यों का विवरण तथा योग्यतायें	१. डॉ. मुकुंद प्रसाद आचार्य, एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी., यूजीसी-एनईटी, व्याख्याता ठेके पर २. डॉ. बिरेंद्र कुमार सडंगी, एम.ए. एम.फिल., पीएच.डी., व्याख्याता ठेके पर
४.	विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रम का विवरण	संस्कृत भाषा में एम. ए. (२ वर्ष)

विभाग की शैक्षणिक गतिविधियाँ

- प्रो. प्रो. रघुनाथ पंडा, सेवानिवृत्त प्रोफेसर, संस्कृत विभाग, उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर ने विश्वविद्यालय परिदर्शन किया और पाठ्यक्रम के संबंध में दिनांक १९.०९.२०१६ से २३.०९.२०१६ तक के प्रथम सप्ताह में पाठ्यक्रम से संबंधित व्याख्यान माला प्रदान किया ।

- प्रो. देवर्चना सरकार, प्रोफेसर तथा समन्वयक, सेंटर ऑफ इंडोलोजी और समन्वयक, सीएएस-संस्कृत (चरण-छ्ह) , जादवपुर विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल ने विभाग का परिदर्शन किया और २०.१०.२०१६ से २७.१०.२०१६ तक व्यख्यान प्रस्तुत किया है । व्याख्यान का शीर्षक था लास्ट मील ऑफ बुद्ध और इनवेस्टिगेशन ऑफ क्राइम इन कौटिल्यस अर्थशास्त्र, बेसिक मेन्युस्क्रिप्टोलोजी, संस्कृत अनुसंधान के संदर्भ में और अटोप्सी इन अर्थशास्त्र इन दॉ लाइट ऑफ मर्डन मेडिकॉल साइंस ।
- दिनांक १७.०२.२०१७का आयोजित परिसंवाद में इक्कीसवीं शताब्दी में संस्कृत के संदर्भ पर प्रो. गोपाल कृष्ण दाश ने एक व्याख्यान प्रदान किया।
- दिनांक २१.०९.२०१६ को विभाग में संस्कृत दिवस आयोजित किया गया था । प्रो. रघुनाथ पंडा, सेवानिवृत्त प्रोफेसर तथा विभागाध्यक्ष, संस्कृत स्नातकोत्तर विभाग, उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर ने संस्कृत : भारतीय संस्कृति की मूलआधार पर व्याख्यान प्रदान किया ।
- विभाग ने संस्कृत साहित्य के विभिन्न पहलूओं के दौरान बारह कक्षायें आयोजित की है ।

संकाय सदस्यों की शैक्षणिक गतिविधियाँ

श्री मुकुंद प्रसाद आचार्य

- दिनांक ३० जून २०१६ को मद्रास विश्वविद्यालय से संस्कृत में पीएच.डी. डिग्री उपाधि मिली । अनुसंधान का शीर्षक था एक कनसाइज हिस्टोरी ऑफ संस्कृत चंद लिटरेचर (विथ स्पेशन रेफरेंस टू क्लासिकल पिरीयड)।

प्रकाशन

- *Dvirûpakoúasa Egraha* पर पुस्तक, रिसर्च फाउंडेशन, आद्यार, चैन्नई -१८. २०१७, आईएसबीएन ९७८-९३-५२६८-१३६-५ संयोजक प्रो. के.वी. सरमल ।
- *Laghurâmâya Gam,* पर पुस्तक, रिसर्च फाउंडेशन, आद्यार, चैन्नई -१८, २०१६, आईएसबीएन: ९७८-९३-५२६७-७४५-०. संयोजक प्रो. के.वी. सरमल ।
- अनुसंधान पेपर कविकर्नपुर और उनकी नकली व्याख्याएं , जर्नल ऑफ दॉ ओरिएंटल इंस्टीच्यूट, अंक. ६५, संख्या १-४, पृ.१३५-१४५, ओरिएंटन इंस्टीच्यूट, दॉ. एम.एस., बडोदा विश्वविद्यालय, बडोदरा, २०१५-१६, आईएसएसएन ००३०-५३२४. ।

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ

समाजविज्ञान विद्यापीठ शैक्षिक गतिविधियों में अन्तर्विषयक दृष्टिकोण के साथ संलग्न करने हेतु अभिनव एवं रचनात्मक विचार के साथ शुरू की गयी है। इसका अपना कोई स्नातक कार्यक्रम नहीं है, वर्तमान इसमें सिर्फ परास्नातक कार्यक्रम है। अधोवर्णित के अनुसार विद्यापीठ के पास तीन केन्द्र हैं जिसमें स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए नियमित रूप से दाखिला लेने की पहल की गयी है :

नृविज्ञान विभाग

इस विश्वविद्यालय में नृविज्ञान विभाग सन् २००९ से कार्य कर रहा है। छात्रों के चार बैच पहले से ही अपने परास्नातक डिग्री प्राप्त कर चुके हैं। पांचवाँ एवं छठा बैच पूरा कर चुके हैं। छठें एवं सातवें बैच के चल रहा है, शैक्षिक वर्ष २०१३-१४ से नृविज्ञान में एमफील एवं पीएच.डी कार्यक्रम शुरू हुआ है। आईसीटी जैस नवीनतम शिक्षण प्रणाली द्वारा विद्यार्थियों को शिक्षा दी जा रही है। छात्रों को व्यापक क्षेत्र अनुसंधान प्रशिक्षण के बारे में अवगत किया जाता है और वे भी व्यापक क्षेत्र कार्य के आधार पर शोध प्रबंध तैयार करते हैं। केन्द्र मानव विज्ञान विषय एवं इसके व्यावहारिक पहलुओं के बारे में ज्ञान एवं तकनीकी जानकारी प्रदान कर रहा है। वे संग्रहालय नमूनों की प्रलेखन, औषधीय संरक्षण के प्रसार के लिए संग्रहालय विज्ञान प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके है। विद्यार्थियों को भी चिकित्सा नृविज्ञान, पोषण स्थिति का आकलन, आधुनिक मानव आनुवांशिकी प्रशिक्षण, मानव विज्ञान के फोरेंसिक प्रयोग, सामाजिक प्रभाव का आकलन, विकास कार्य परियोजनाओं का मूल्यांकन एवं निरीक्षण आदि पर प्रशिक्षण दिया जाता है। विद्यार्थियों को जनजातीय अध्ययन के संपूर्ण पहलुओं पर विशेष पाठ्यक्रम दिया जा रहा है।

विभाग

१	**मुख्य का नाम**	**डॉ.जयन्त कुमार नायक, सहायक प्राध्यापक एवं मुख्य प्रभारी**
२	संपर्क विवरण	नृविज्ञान विभाग, केंद्रीय विश्वविद्यालय ओड़िशा, लांडीगुड़ा, कोरापुट-७६४०२१, ओड़िशा, ई-मेल:jayanta.nayak@rediffmail.com
३	शिक्षण सदस्यों और उनकी शैक्षिक योग्यताएं	१. डॉ.जयन्त कुमार नायक, एम.एससी., एम.फिल., पीएच.डी., यूजीसी-एनईटी, सहायक प्रोफेसर २. श्री बी.के.श्रीनिवास, एम.एससी., यूजीसी-एनईटी, सहायक प्रोफेसर ३. डॉ.मीरा स्वाईं, एम.ए., एम.फिल, पीएच.डी., यूजीसी-एनईटी, व्याख्याता ठेके पर
४	विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों का विवरण	नृविज्ञान में एम.ए/एम.एससी (२ वर्ष) नृविज्ञान में एम.फिल. (१ वर्ष) नृविज्ञान में एवं पीएच.डी.

विभाग की शैक्षणिक गतिविधियाँ :

- प्रो. के.के.एन. शर्मा, मानव विज्ञान विभाग, डॉ.एच. एस. गौर विश्वविद्यालय, सागर, मध्यप्रदेश ने विभाग का परिदर्शन किया और दिनांक २७ जुलाई २०१७ को जानजाति स्वास्थ्य : हॉल ही के परिदृश्य शीर्षक पर एक आमंत्रित व्याख्यान प्रदान किया ।
- इस अवधि के दौरान नृविज्ञान विभाग पाँच छात्रों को एम.फील. डिग्री की उपाधि मिली ह, वे छात्र हैं दलपति नायक, दुर्गा प्रसाद पंडा, इंद्रजीत माझी, मानस रंजन टाकरी, एस.सिव प्रसाद दोरा, और कौत्सव देवशर्मा । वे डॉ. जंयत कुमार नायक के तत्वावधान में अपना अनुसंधान पूरा किया है ।

संकाय सदस्यों की शैक्षणिक गतिविधियाँ

डॉ. जयंत कुमार नायक

- दिनांक २५-२६ मार्च २०१७ को समाजविज्ञान विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा आयोजित और आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित समाज में सामाजिक मिडीया की भूमिका पर राष्ट्रीय सम्मेलन में सामाजिक मिडीया और जनजाति विकास : समसामयिक भारत के मुद्दे और चुनौतियों पर एक पेपर पस्तुत किया ।
- मानव विज्ञान में एम.फील के पाँच छात्रों का मार्गदर्शन किया ।

प्रकाशन

- बायोलोजिकॉल आंथ्रोपोलोजी पर एक पुस्तक, सिरिज -१ : प्राइमाटोलोजी, सह-लेखक सिंह पी २०१७. एसएसडीनएन पब्लिशर और डिस्ट्रिब्युटरस, नई दिल्ली, आईएसबीएन - ९७८९३८३५७६०३६ ।
- ओडिशा के विशेष रूप से कमजोर आदिवासी समूह में शैक्षिक स्थिति पर एक अनुसंधान पेपर प्रस्तुत किया, सह लेखक है राजेश्वरी महारणा ।*इंटरनेशनॉल जर्नल ऑफ आप्लाइड रिसच;* ३(४): ४९९-५०४. आईएसएसएन: २३९४-७५००।
- छत्तीसगढ की विशेष पिछडी जनजाति पहाडी खडवा के बच्चों में कुपोषण की स्थिति : एक मानवविज्ञीय अध्ययन पर एक अनुसंधान पेपर प्रस्तुत किया। *इंटरनेशनॉल जर्नल ऑफ आप्लाइड रिसच;* २(११): ३१२-३१६ सह लेखक, इरसाद खान २०१६. ।
- कोरापुट जिला, ओडिशा, भारत के विस्थापित गांव के सामाजिक प्रभाव का आकलन पर एक अनुसंधान पेपर प्रस्तुत किया ।
- आईआरडीओ- जर्नल ऑफ सोसल साइंस एंड ह्युमानिटी रिसर्च; १(११): १०-२१. घ्एए-: २४५६-२९७१ सह लेखक, बी के श्रीनिवास २०१६।
- कोरापुट जिला, ओडिशा, भारत के कोरापुट ब्लॉक के विद्यालय जाने से पहले बच्चों के कुपोषण का आकलन : जेड स्कोर विश्लेषण, अमेरिकॉन जर्नल ऑफ बायोलोजिकॉल एंड फार्मास्युटिकॉल रिसर्च; ३(४):१४२-१४८. इ-आइएसएसएन - २३४८-२१८४ सह लेखक- जे.रंजिता २०१६ ।
- पहाडी खडवा जनजाति में शिक्षा एंव शिक्षा की समस्या (हिंदी में) एक अनुसंधान पेपर प्रस्तुत किया । एशियन जर्नल ऑफ मल्टिडिसिप्लेनॉरी स्टडीज ; ४(५): ९०-९४. आइएसएसएन : २३२१-८८१९, प्रभाव कारक : १.४९८ सह-लेखक-इरसाद खान २०१६ ।
- जैवविविधता के संरक्षण में जनजाति समुदाय की भूमिका पर एक मानवविज्ञानी अवलोकन पर अनुसंधान पेपर प्रस्तुत किया । *यूरोपियन जर्नल ऑफ एनवारनमेंटाल इकोलोजी;* ३(१):२१-२९ ।

श्री बि.के. श्रीनिवास

- कोरापुट जिले, ओड़िशा, भारत के विस्थापित गांवों में सामाजिक प्रभाव का आकलन पर एक अनुसंधान पेपर प्रस्तुत किया । आईजेआरडीओ-जर्नल ऑफ सोसल साइंस एंड ह्यूमानिटी रिसर्च ; १(११): १०-२१. आईएसएसएन : २४५६-२९७१ सहलेखक, जे.के. नायक २०१६ ।
- बालिका शिक्षा : मुद्दे तथा चुनौतियां पर बंलागीर शहर एक अध्ययन पर पुस्तक अध्याय । इतीश्रि पाढ़ी (संपादक) जेंडर आसीमेट्री इन कंटेपोरॉरी इंडिया, नई दिल्ली : मंगलम पब्लिकेशनस, पी पी.२६१-२८८. आईएसबीएन: ९७८-९३-८२९८३-६८-२ (सह लेखक एम. स्वांई और आर. नायक) २०१६ ।

डॉ. मीरा स्वांई

- दिनांक २३-२४ फरवरी २०१७ को एस वी विश्वविद्यालय, तिरूपति में जेनोमिक्स एंड कलचुरॉल वेरिएशन ऑफ इंडियन पॉपुलेशन : एक आप्राइजल ऑफ हेल्थ एंड डिजीज ससपेपटीविलीटी पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया और एपीडेमिओलोजी ऑफ मलेरिया, प्रजनन और बाल स्वास्थ्य : कोरापुट जिले नमूनें गांवों का अध्ययन, ओडिशा, भारत शीर्षक पर एक पेपर प्रस्तुत किया ।
- दिनांक २१-२२ दिसम्बर २०१६ को एनआईआरडीपीआर, हैदराबाद में आयोजित स्कूल शिक्षा में प्रभावित दल बच्चों को शामिल करने के लिए रणनीतियाँ पर राष्ट्रीय सम्मेलन में कोरापुट जिला, ओडिशा, भारत के नमूनें गांवों में केजीबीवीएस पर अध्ययन : सामुदायिक सहयोग और समावेशी शिक्षा पर एक पेपर प्रस्तुत किया ।
- दिनांक १९-२० नवम्बर को बीजेबी महाविद्यालय, भुवनेश्वर में आयोजित गुणवत्ता शिक्षा में विशेष अधिकार बच्चों का समावेशन पर राष्ट्रीय सम्मेलन में विद्यालय प्रबंधन समिति और सामुदायिक भागीदारी शीर्षक पर एक पेपर प्रस्तुत किया ।

प्रकाशन

- अपर कोलाब प्रोजेक्ट के विस्थापित समुदाय पर पुस्तक का अध्याय : कोरापुट ब्लॉक, कोरापुट जिला, ओडिशा, भारत के विस्थापित कैंपस में एक अध्ययन । एल.के. महापात्र और एम. स्वांई (संपादक) । कार्य के लिए ज्ञान, मानव विज्ञान का एक ग्रंथ (पीपी २२२-२४०) । नई दिल्ली : ए.पी.एच. पब्लिशिंग कर्पोरेशन (पी पी २२२-२४०) । आईएसबीएन : ९७८-९३-३१३-२८०४-५ ।
- बालिका शिक्षा : मुद्दे तथा चुनौतियां पर बंलागीर शहर एक अध्ययन पर पुस्तक अध्याय । इतीश्रि पाढ़ी (संपादक) जेंडर आसीमेट्री इन कंटेपोरॉरी इंडिया, नई दिल्ली : मंगलम पब्लिकेशनस, पी पी २६१-२८८. आईएसबीएन : ९७८-९३-८२९८३-६८-२ । (सह लेखक एम. स्वांई और आर. नायक) २०१६ ।
- कार्य के लिए ज्ञान पर संपादित पुस्तक : मानव विज्ञान का एक ग्रंथ । नई दिल्ली : एपीएच पब्लिशिंग कर्पोरेशन, (पी पी ३२८), आईएसबीएन संख्या : ९७८-९३-३१३-२८०४-५ । सहसंपादक एल.के. महापात्र २०१६ ।

समाजशास्त्र विभाग

यह विभाग विश्वविद्यालय की शुरूआत २००९ से काम कर रहा है । यह विभाग समाजशास्त्र में स्नातकोत्तर और अनुसंधान पाठ्यक्रम (एम.फील. तथा पीएचडी) । प्रदान करता है। यह पाठ्यक्रम भारत में समाज, संस्कृति एवं सामाजिक संरचना, समाजशास्त्रीय सिद्धान्त, अनुसंधान प्रणाली, स्वास्थ्य समाजशास्त्र, पर्यावरण समाजशास्त्र, लिंग के समाजशास्त्र, गैरसरकारी संगठन के समाजशास्त्र, विकास के समाजशास्त्र, अपराध एवं विचलन के समाजशास्त्र एवं सामाजिक आन्दोलन के अध्ययन से अभिविन्यस्त है।

इस विभाग में दिए जा रहे पाठ्यक्रम अन्तर्विषयक है एवं नृविज्ञान, मनोविज्ञान, अर्थशास्त्र, राजनीति एवं इतिहास जैसे अन्य समाज विज्ञान विषयों से लिया गया है। इस स्तर पर पाठ्यक्रम सांस्कृतिक विश्लेषण, वैश्वीकरण, सामाजिक परिवर्तन एवं विकास, आधुनिक भारतीय सामाजिक विचारक एवं सामाजिक स्तरीकरण, जाति, विवाह, पारिवारिक जीवन एवं रिश्तेदारी, राजनीति, अर्थशास्त्र, धर्म, शहरी जीवन एवं सामाजिक परिवर्तन से उनकी लड़ाई से संबंधित समस्याओं के साथ संबंधित है। अनुसंधान कार्यक्रम (एमफील एवं पीएच.डी) शैक्षणिक वर्ष २०१३-१४ से विभाग में प्रारंभ किया जा चुका है।

विभाग

१	**प्रमुख का नाम**	**डॉ.कपिल खेमेंडु, सहायक प्रोफेसर एवं प्रमुख प्रभारी**
२	संपर्क विवरण	समाजशास्त्र विभाग, केंद्रीय विश्वविद्यालय ओड़िशा, शुनाबेढा, कोरापुट-७६४०२३, ओड़िशा, ई-मेल:kapilacuo@gmail.com

३	शिक्षण सदस्यों तथा उनकी शैक्षिक योग्यताएं	१. डॉ. कपिल खेमेंडु, एमए., पीएच.डी., यूजीसी-एनईटी, सहायक प्रोफेसर तथा मुख्य प्रभारी २. डॉ. आदित्य केशरी मिश्र, एमए., पीएच.डी., यूजीसी-एनईटी, व्याख्याता ठेके पर ३. डॉ. सागरिका मिश्र, एम.ए.,एम.फिल। पीएच.डी., व्याख्याता ठेके पर
४	विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों का विवरण	समाजशास्त्र में एम.ए. (२ वर्ष) समाजशास्त्र में एम.फिल. (१ वर्ष) समाजशास्त्र में पीएच.डी.

विभाग की शैक्षणिक गतिविधियाँ

- प्रो. अनुप कुमार दास, पूर्व प्रोफेसर, उत्कल विश्वविद्यालय, आईएलओ के सलाहाकार, जिनेवा बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स, नाबार्ड ने विभाग का दौरा किया और दिनांक ३ अगस्त २०१६ को सामाजिक अर्थव्यवस्था से जुडे एक व्याख्यान दिया।
- दिनांक २८ जनवरी २०१७ को विभाग ने नंदपुर के लिए एक क्षेत्रीय अध्ययन के कार्यक्रम का संचालन किया।
- दिनांक २३ मार्च २०१७ को समाजशास्त्र विभाग के डॉ. रविन्द्र गराडा, उत्कल विश्वविद्यलाय ने विभाग का दौरा किया और मीनिंग इंडयूसड डिसप्लेसमेंट एंड इकोसिस्टम्स पर बातचीत की।

विभागीय सदस्यों की गतिविधियाँ

डॉ. कपिल खेमेण्डु

- दिनांक २२ जुलाई २०१६ को समाजशास्त्र विभाग में निम्नलिखित विषयों - एमआईएल (ओड़िआ), अंग्रेजी, इतिहास, राजनीति विज्ञान, आईटी की शिक्षा और प्रेरणादायक नेतृत्व मिशन (ईएलाआईएम), दूरगुंडा, कोरापुट में विषय विशेषज्ञ के रूप में अतिथि संकाय का साक्षात्मकार लिया ।
- जुलाई २०१६ में भारत सरकार का मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा आयोजित समीक्षा बैठक में भाग लिया।
- दिनांक ३ अक्तूबर २०१३ को आदर्श डिग्री महाविद्यालय में मानव विज्ञान, समाजशास्त्र और प्राणि विज्ञान विभाग के अतिथि संकाय के साक्षात्कार के लिए विषय विशेषज्ञ के रूप में कार्य किया।

प्रकाशन

- वर्ष २०१६ सितम्बर को एक शोध पत्र "कोरापुट क्षेत्र के जनजातियों में वैश्विकरण और सामाजिक शैक्षिक प्रभाव" ट्राइबल स्टडीज- ए जनरल ऑफ कोटस में प्रकाशित हुआ है।

डॉ. आदित्य केशरी मिश्रा

- दिनांक २४-२५ सितम्बर २०१६ को लिविंग विद नेचुराल डिसास्टर केंद्रापड़ा अटोनमस कॉलेज, केद्रापडा, समाजशास्त्र विभाग द्वारा आायोजित संगोष्ठी में कंबेटिंग नैचुरॉल डिजास्टर में प्रस्तुत किया ।
- दिनांक १८-१९ मार्च २०१७ के दौरान इंटरिगेटिंग वीकली मार्केटस इन ट्रेबल इकोनोमी : ए सोशोलोजीकल स्टडी इन कोरापुट, ओडिशा् पी जी वाणिज्य विभाग द्वारा आयोजित यूजीसी प्रायोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी, रेसुगेंट रुरल इंडिया : ए पाराडीजम शिफ्ट में प्रस्तुत किया।
- दिनांक २६-२७ मार्च २०१७ के दौरान राजनीति विज्ञान विभाग, उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर, ओडिशा द्वारा आयोजित समसामयिक भारत में जनजातियाँ : मुददे और चुनौतियों पर आईसीएएसआर द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में ओडिशा में जनजाति बालिकाओं की शिक्षा में सुधार : जीजीएचएस, पालुपाई, रायगडा में मामला का अध्ययन पर एक पेपर प्रस्तुत किया।
- दिनांक ३० मार्च २०१७ को समाजशास्त्र विभाग, रेवेंसा विश्वविद्यालय, कटक, ओड़िशा द्वारा आयोजित भारत में मानव अधिकार और कर्तव्य के फ्रंटियर्स पर यूजीसी प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी पर इंटरोगेटिंग राइटस बेसड एप्रोच टू डेवलपमेंट शीर्षक पर एक पेपर प्रस्तुत किया।
- दिनांक ३१ मार्च २०१७ को शिक्षा विभाग, रेवेंसा विश्वविद्यालय, कटक, ओडिशा द्वारा आयोजित शिक्षा अधिकारी और इसके कार्यान्वयन : मुददे और चुनौतियों पर यूजीसी प्रायोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में समावेशी शिक्षा : समस्यायें और संभावनायें शीर्षक पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

प्रकाशन

- महिलाओं के वेबगन : एंगेजिंग वाओलेंस एगेनेस्ट वुमेन शीर्षक पर एक शोधपत्र प्रकाशित हुआ है : महिला के विरूद्ध हिंसा करना, महिला प्रतिष्ठान, खंड-१, संख्या २, २०१६. ।
- टेरिफाइंग टेरॉन : एंगजींग ह्यमॉन ट्राफिकिंग, शीर्षक पर शोधपत्र प्रकाशित है, देश विकास, खंड-३,. संख्या ३, २०१६।
- प्राकृतिक आपदा का सामना करना पड़ा : रिकास्टिंग दॉ डेवलपमेंट पारडिग्म, सोशल विजन, खंड ३, संख्या ३, २०१६।
- स्टांपिंग मार्जिनालाइजेशन आउट : ए प्ली फॉर इनक्लूयशिव एजुकेशन शीर्षक पर शोधपत्र प्रस्तुत किया ह्ल, देश विकास,, खंड ३, संख्या २, २०१६।
- जनजातियों में इंटेरगेटिव आजीविका शीर्षक पर एक शोध पत्र प्रकाशित किया (डॉ. एस. मिश्रा और बी.महापात्र) : ओडिशा का एक मामला का अध्ययनह्ल, सोशल विजन , खंड ०३, ०२, २०१६।
- विश्वविद्यालय एक संस्थान के रूप में शीर्षक पर एक शोधपत्र प्रकाशित किया : ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यलाय की स्थिति, सोशल विजन, खंड ०३, अंक ०४, २०१७।

डॉ. सागरिका मिश्रा

- मानव अधिकार और विकास: अधिकार आधारित मानव विकास की ओर शीर्षक पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया है । दिनांक ३० माच २०१७ को समाजशास्त्र विभाग, रेवेंसा विश्वविद्यालय, कटक द्वारा आयोजित भारत में मानव अधिकार तथा कर्तव्य के फ्रंटियर्स: स्थिति, वादविवाद, और मतभेद पर यूजीसी प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रस्तुत किया ।
- लिंग तथा प्राकृतिक आपदा शीर्षक पर एक पेपर प्रस्तुत किया। दिनांक २४-२५ सितम्बर २०१६ को केंद्रापड़ा स्वयंशासित महाविद्यालय, केंद्रापडा, ओड़िशा द्वारा आयोजित प्राकृतिक आपदाओं को सामनाकरना पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रस्तुत किया ।

प्रकाशन

- प्राकृतिक संसाधन के रूप में जल को इस्तेमाल करना, समस्या, विवाद और चुनौतियाँ शीर्षक पर एक शोध पत्र प्रकाशित, देश विकास, खंड ०३, संख्या ०३, २०१६।
- महिला सशक्तिकरण का पुन:प्रसारण करना : स्वयं सहायता समूह को नियोजित करना, महिला प्रतिष्ठा शीर्षक पर शोधपत्र प्रकाशित, खंड ०२, संख्या ०२, २०१६।
- महिलाओं पर आपदा प्रबंधन के प्रभाव : आधार, परिणाम और चिंतन परशोधपत्र प्रकाशित, सोशल विजन, खंड ०३, संख्या ०३, २०१६।
- जनजातियों के बीच आजीविका का इंटेरगेटिव : ओडिशा का एक मामला का अध्ययन शीर्षक पर एक शोधपत्र (डॉ. ए.के. मिश्रा और बी. महापात्र) प्रकाशित, सोशल विजन, खंड ०३, संख्या. ०२, २०१६।

अर्थशास्त्र विभाग

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ के तहत अर्थशास्त्र विभाग की स्थापना २०११ में हुई थी। चार वर्षों के अंदर यह विभाग ओड़िशा राज्य में स्नातकोत्तर अर्थशास्त्र विभाग में एक प्रमुख विभाग बन चुका है। यह विभाग स्नातकोत्तर अर्थशास्त्र में कई उभरे, अनुसंधान अभिमुखित, गाणितिक और इकोनोमेट्रिक आधारित वैकल्पिक पाठ्यक्रम चलाता है। छात्रों में अनुसंधान कौशल को भरने के लिए और रोजगार के लिए विभिन्न उपायों से उन्हें विभाग अनुसंधान विधि और शोध प्रबंध पाठ्यक्रम का आयोजन करता है ।

विजन

- सर्वोच्च मानक के लिए अपने अनुसंधान और शिक्षण कार्यक्रम को बढ़ाने और जिससे विश्वविद्यालय और देश की प्रतिष्ठा बढ़े,
- सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक अनुसंधान करने के लिए छात्रों को बताना और उत्कृष्टता अर्थशास्त्रियों का उत्पादन करना,
- छात्रों और संकायों और अन्य सभी के विकास के लिए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सेमिनारों और प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन करना,
- नए शैक्षणिक और शोध कार्यक्रम जैसे कि अर्थशास्त्र में एकीकृत प्रायोगिक एम.ए. /एम. एससी., एम.फील, पीएच.डी. और पोस्ट डॉक्टोराल कार्यक्रम का आरंभ आने वाले वर्षों में करना ।

विभाग

१.	मुख्य का नाम	**श्री प्रशांत कुमार बेहेरा,** , सहायक प्रोफेसर तथा मुख्य प्रभारी
२.	संपर्क विवरण	अर्थशास्त्र विभाग,केंद्रीय विश्वविद्यालय ओड़िशा, शुनाबेढा, कोरापुट-७६४०२३, ओड़िशा
३.	शिक्षण सदस्य और उनकी शैक्षणिक योग्यताएं	१. श्री प्रशांत कुमार बेहेरा, एम.ए., एम.फील, यूजीसी-एनईटी, सहायक प्रोफेसर तथा मुख्य प्रभारी २. श्री बिस्वजित भोई, एम.ए., , यूजीसी-एनईटी, सहायक प्रोफेसर ३. डॉ. मिनती साहु, एम.ए., एम.फील, पीएच.डी., यूजीसी-एनईटी, सहायक प्रोफेसर
४	विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रम	अर्थशास्त्र में वर्षीय एम. ए. (२ वर्ष)

विभाग की शैक्षणिक गतिविधियाँ

- दिनांक १५ नवम्बर २०१६ को मानव विकास सूचकांक पर समाज विज्ञान में एक विशेष व्याख्यान प्रस्तुत किया यह व्याख्यान प्रो. श्रीजित मिश्रा, निदेशक, एनसीडीएस, भुवनेश्वर द्वारा प्रदान किया था ।
- दिनांक १७ से १९ फरवरी २०१७ को " विकेंद्रीकृत गर्वनेंस और युवा विकास ह्न पर एक अभिमुखिकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसके लिए राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान ने प्रायोजित किया था ।
- दिनांक ७ मार्च २०१७ को कोरापुट क्षेत्र के विशेष संदर्भ में ओडिशा में विविध कृषि विकास विषय पर एक शीर्षक में एक परिसंवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया था । यह परिसंवाद व्याख्यान प्रो. सुधाकर पंडा (भूतपूर्व अध्यक्ष, ओडिशा वित्त आयोग और सेवानिवृत्त प्रोफेसर, उत्कल विश्वविद्यालय), प्रो. जगबंधु सामल (प्रोफेसर जनजाति अध्ययन, सीओएटीएस, कोरापुट) प्रो. पी.सी. महापात्र (प्रोफेसर जनजाति अध्ययन और निदेशक, सीओएटीएस, कोरापुट) ने व्याख्यान प्रदान किया था ।

संकाय सदस्यों द्वारा की अकादममि गतिविधियाँ

डॉ. प्रशांत कुमार बेहेरा

- " कोरापुट क्षेत्र के विशेष संदर्भ में ओडिशा में विविध कृषि विकास ह्न शीर्षक पर परिसंवाद कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समन्वयन किया गया ।
- दिनांक १७-१९ फरवरी २०१७ को विकेंद्रीकरण गर्वनेंस और युवा विकास पर अभिमुखिकरण कार्यक्रम में संसाधन व्यक्तित्व व्याख्यान प्रदान किया, अर्थशास्त्र विभाग, सीयूओ, कोरापुट द्वारा आरजीएनआईवाईडी, श्रिपेरुंबदुर, तमिलनाडु के सहयोग से आयोजित किया गया ।
- उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर में ए तथा ए अर्थनीति विभाग से अर्थनीति में पीएच.डी.पाठ्यक्रम में पीएच.डी. पाठ्यक्रम पूरा किया गया ।
- सामाजिक -अर्थशास्त्र प्रोफाइल और इनसीडेंस ऑफ चाइल्ड लेबर शीर्षक पर एक पोस्टर प्रदर्शन किया : कटक सिटी में अध्ययन, ओडिशा , सोसएल एक्लयुक्सन पर अनुसंधान स्कलार कनक्लेब में : अनुसंधान में उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर में ३ नवम्बर २०१६ को आयोजित किया गया था ।
- ओडिशा के कोरापुट जिला में सर्व शिक्षा अभियान शीर्षक पर एक पेपर प्रस्तुत किया : भारत में जनजाति के शैक्षणिक स्थिति पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक प्रभाव विश्लेषण । एस.सी.बी. डिग्री कॉलेज, मयूरभंज, ओडिशा में ६-७ नवम्बर २०१६ को एक विशेष संदर्भ ।
- दिनांक १६-२१ दिसम्बर २०१६ को ए तथा ए अर्थशास्त्र विभाग, उत्कल विश्वविद्यालय में सामाजिक विज्ञान में इकोनोमेट्रिक अनुप्रयोग पर एक दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया ।
- भुवन महिला महाविद्यालय , ढेंकानाल, ओडिशा में दिनांक २६-२७ फरवरी २०१७ को समसामयिक भारत में जनजातियों पर राष्ट्रीय सम्मेलन में आयोजित "जनजाति क्षेत्रों में स्वयं सहायता समूह के माध्यम से वित्तीय समावेशन : ओडिशा के कोरापुट जिले में एक अध्ययन " पर एक पेपर प्रस्तुत किया गया था ।
- दिनांक २७-२८ फरवरी २०१७ को गोविंदपुर महाविद्यालय, कटक, ओडिशा में मेकइन इंडिया : चुनौतियां और आशाएं पर राष्ट्रीय सम्मेलन में आयोजित भारतीय अर्थशास्त्र में एमएसएमई सेक्टर : विकास, निष्पादन और चुनौतियों पर एक पेपर प्रस्तुत किया ।

- दिनांक २८ जनवरी २०१७ को गीतम विश्वविद्यालय, विशाखापटनम, आंध्र प्रदेश में अनुप्रयुक्त अर्थशास्त्र और वित्त पर तीसरें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में ओडिशा के कोरापुट जिले में एमजीएनआरजीए के आर्थिक प्रभाव निर्धारण शीर्षक पर एक पेपर प्रस्तुत किया ।
- दिनांक ११-१२ फरवरी २०१७ को रमा देवी महिला विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर, ओड़िशा में आयोजित ओडिशा इकोनोमिक्स एसोसीएसन के ४९वें वार्षिक सम्मेलन में भाग लिया ।

प्रकाशन

- कोरापुट जिला, ओडिशा में एमजीएनआरइजीए के प्रभाव निर्धारण पर एक पुस्तक का संपादन किया, भारतीय अर्थनीति में नये परिप्रेक्ष्य (संपादक एस.आर. महंत) नवयुग बुक्स इंटरनेशनॉल, नई दिल्ली, २०१६. पीपी. १६४-१८४. डआईएसबीएन : ९७८-९३-८२९७४-५५-०.
- भारत में कृषि विकास में क्षेत्रीय विविधता का एक विश्लेषणह्न, ओड़िशा इकोनोमिक्स जर्नल (आईएसएसएन : ०९७६-५४०९, खंड ४८ (अंक १ ं २), २०१६.पीपी. १८६-१९४. (सह-लेखक , आर.के.नायक).

डॉ. मिनती साहु

- दिनांक २७-२९ दिसम्बर २०१६ को श्री वेंकटश्वर विश्वविद्यालय, तिरूपति, तमिलनाडु में इंडियन इकोनोमिक एसोसीएशन में ९९वें वार्षिक सम्मेलन में ओडिशा में एक माइक्रो लेबल विश्लेषण - खनन क्षेत्र में कृषि की चुनौतियां पर एक पेपर प्रस्तुत किया ।
- गीतम स्कूल ऑफ इंटरनेशनॉल बिजिनेश, विशाखापटनम, आंध्रप्रदेश में अनुप्रयुक्त अर्थनीति तथा वित्त (आईसीएइएफ) (जनवरी २८, २०१७) पर तीसरे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में स्थानीय समुदाय पर आइरन ओर खनन के स्वास्थ्य प्रभाव –ओडिशा, भारत में एक सूक्ष्म विश्लेषण पर एक पेपर प्रस्तुत किया ।

प्रकाशन

- 9खनन क्षेत्र में कृषि की चुनौतियां - ओडिशा में एक माइक्रो लेवल विश्लेषण पर एक पेपर प्रस्तुत किया दॉ इंडियन इकोनोमिक जर्नल, विशेष अंक, (२०१६).*पीपी* ४०७-४१४ डआईएसएसएन:००१९-४६६२.।
- खाद्य तथा पोषण सुरक्षा को सुनिश्चित करने में पीडीएस की भूमिका और प्रभावहीनता पर एक पपेर प्रस्तुत किया । ओड़िशा इकोनोमिक जर्नल डआईएसएसएन:०९७६-५४०९, खंड.४८, संख्या.१ ं २, २०१६. पीपी २९९-३०७, (सह लेखक जे. साहु) ।
- खनन और आजीविका : ओड़िशा, भारत में एक सूक्ष्म विश्लेषण पर एक अनुसंधान पेपर प्रस्तुत किया, इंटरनेशनॉल जर्नल ऑफ सोसल इकोनोमिक्स डआईएसएसएन:०३०६-८२९३, *खंड.*४४, संख्या. १, २०१७. पी पी ९३-११३ (सह लेखक डी. महापात्र और डी. साहु) ।
- खेती और कृषि उत्पादकता की किरायेदारी प्रणाली की दक्षता पर एक पुस्तक अध्याय : ओडिशा में एक सूक्ष्म विश्लेषण (संपादक) कृषि और खाद्य सुरक्षा उभरती मुदे और परिप्रेक्ष्य, कुमुद पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली, २०१७, पीपी -१०६-११६ डआईएसबीएन ९७८-९३-८२८८५-३९-९. (सह लेखक तथा सह संपादक ए के साहु)

विश्वजित भोई

- दिनांक १७-१९ फरवरी २०१७ को विकेंद्रीकरण गवर्नेंस और युवा विकास पर अभिमुखिकरण कार्यक्रम का आयोजन किया और आरजीएनआईवाईडी, श्रीपेरुबुंदर, तमिलनाडु के साथ मिलकर संयोजक का काम किया और उसी कार्यक्रम में एक व्याख्यान प्रस्तुत किया ।

शिक्षा एवं शैक्षिक तकनीकी विद्यापीठ

पत्रकारिता एवं जन संचार विभाग

पत्रकारिता तथा जन संचार केंद्र की शुरुआत वर्ष २००९ में हुई। तीन सालों से कम समय में एक प्रमुख पत्रकारिता विभाग के रूप में ओड़िशा राज्य में स्वयं को चिह्नित किया है। केंद्र में मल्टि मिडिया प्रयोगशाला सहित इंटेरनेट कनेक्शन और अंतिम सॉफ्टवेयार सुविधा उपलब्ध है। केंद्र के पास अंतिम स्टिल तथा विडियो कैमरा उपलब्ध हैं। छात्रों को समग्र देश के अग्रणी मिडिया हाऊसों में एक महीने का कठोर प्रशिक्षण के लिए भेजा जाता है और उनमें से कई छात्रों को अग्रणी समाचार पत्र, टेलीविजन चैनलों, जन संपर्क संगठनों,एनजीओ आदि में नियुक्ति मिली है । केंद्र ने शैक्षणिक सत्र २०१३-१४ से पत्रकारिता तथा जन संचार में एम.फिल तथा पीएच.डी. कार्यक्रम को शुरू किया है। भविष्य में अल्पावधि पाठ्यक्रम चालू करने की योजना है ।

पत्रकारिता तथा जन संचार केंद्र का लक्ष्य

- मिडिया शिक्षा तथा पेशेवर प्रशिक्षण दिलाना।
- कोरापुट के साथ साथ ओड़िशा राज्य के अविभाज्य विकास के लिए संपर्क साधन और पारम्परिक साधनों का अध्ययन करना तथा उपयोग करना।
- क्षेत्रीय तथा राष्ट्रीय संचरण के लिए कोरापुट सहित ओड़िशा के परिपूर्ण संस्कृति तथा विरासत पर दृश्य तथा श्रव्य कार्यक्रमों और सामुदायिक समाचार पत्रों का प्रकाशन के उत्पादन के लिए एक नोडल केंद्र के रूप में काम करना ।
- क्षेत्रीय, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय नेटवर्किंग के माध्यम से मिडिया संसाधन एवं अनुसंधान केंद्र के रूप में काम करना ।
- विभिन्न स्तरों में काम करने के लिए एक उत्कृष्ट पेशेवर बनाने के लिए पिछड़े क्षेत्र के युवाओं को शिक्षा तथा प्रशिक्षण देना ।
- कार्यरत संवाददाताओं को शिक्षा प्रदान करना और प्रशिक्षण दिलाना और पारम्परिक, जन के साथ साथ नयी मिडिया के लिए पेशेवर तौर पर योग्य मानवशक्ति प्रदान करना।
- अग्रणी राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में उत्कृष्ट अनुसंधान लेखों का प्रकाशन करना ।

विभाग

१	मुख्य का नाम	**डॉ. प्रदोश कुमार रथ, सहायक प्रोफेसर तथा मुख्य प्रभारी**
२	संपर्क विवरण	पत्रकारिता तथा जन संचार केंद्र, केंद्रीय विश्वविद्यालय ओड़िशा, लांडीगुड़ा, कोरापुट-७६४०२१, ओड़िशाई-मेल : pradoshrath@gmail.com
३	शिक्षकगण तथा उनकी योग्यताएँ	१. डॉ. प्रदोष कुमार रथ,एम. ए. (अर्थ.), जे.एम. सी में एम.ए., पीएच.डी., (यूजीसी एनइटी-जेआरएफ) सहायक प्रोफेसर २. श्री सौरभ गुप्ता, जे एम सी में एम.ए., यूजीसी-एनइटी, सहायक प्रोफेसर ३. सुश्री सोनी पारही, जे एम सी में एम.ए., यूजीसा–एनइटी, व्याख्याता ठेके पर,

४. श्री सुजित कुमार मोहांति, संचार में एम.ए.,यूजीसी-एनइटी, व्याख्याता ठेके पर
५. सुश्री तलत जहान बेगम, जे एम सी में एम.ए., व्याख्याता ठेके पर

४ विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रम पत्रकारिता तथा जन संचार में दो वर्षीय एम.ए, एक वर्षीय एम.फील. तथा पीएच.डी.

विभाग की अकादममि गतिविधियाँ

- जनसंचार तथा पत्राकरिता पाठ्यक्रम में सात छात्रों ने उत्तीर्ण हुए जिसमें हैं सुश्री आराधना सिंह और सुश्री पदमजा प्रियदर्शिनी जिन्होंने स्वर्ण पदक जीता ।
- इस अवधि के दौरान जे एंड एमसी में एम.फील डिग्री उपाधि दी गयी । वे छात्र हैं सुश्री नाजनीन सुल्ताना और श्री मानस कुमार कांजीलाल । वे अपना अनुसंधान डॉ. पी.के. रथ के तत्वावधान में किया ।
- इस विभाग के चार छात्रों ने यूजीसी-सीबीएसई नेट परीक्षा में उत्तीर्ण होकर जनसंचार तथा पत्रकारित में सहायक प्रोफेसर के लिए पात्र बने_ वे हैं सुश्री आराधना सिंह, श्री अलेख सचिदानंद नायक, श्री मानस कांजीलाल और सुश्री नाजनीन सुल्ताना ।
- इस अवधि के दौरान पहली बार विश्वविद्यालय में कंपस भर्ती की प्रक्रिया आरंभ हुआ है। इस प्रक्रिया के दौरान , प्रसिद्ध मिडिया संगठन जैसे कि ई-टीवी ने २ मार्च २०१७ को विभाग में एक लिखित परीक्षा का आयोजन किया था।
- विभाग में राष्ट्रीय प्रेस दिवस आयोजित किया गया था । इस अवसर पर, सोसल मिडिया में इथिक्स के लिए आवश्यक शीर्षक पर एक क्षेत्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया था ।
- एम्बासेडर मलय मिश्रा (सेवानिवृत्त आईएफएस) भूतपूर्व एम्बासडर, हंगेरी ने विश्वविद्यालय का परिदर्शन किया और दिनांक २५ से २८ जुलाई तक जे एंड एमसी विभाग में पढाया और २९ जुलाई को सीयूओ प्रख्यात व्याख्यान प्रदान किया ।
- प्रो. पी बॉबी वर्धमान, प्रोफेसर, जे एंड एमसी, आंध्र प्रदेश, विशाखापटनम ने दिनांक ५ अगस्त २०१६ को छात्रों से अंतक्रिया किया ।
- डॉ. शहीद अली, एसोसीएट प्रोफेसर तथा विभागाध्यक्ष, जनसंचार तथा पत्रकारिता विभाग, केटीयूजेएम, रायपुर ने दिनांक २१ अक्तूबर २०१६ को विश्वविद्यालय का परिदर्शन किया और " विकास के लिए संचार ‖ शीर्षक पर एक व्याख्यान प्रदान किया ।
- श्री अभिजित मंडल, डिजिटॉल प्रमुख, संगवाद प्रतिदिन ने २४ और २५ नवम्बर २०१६ को मिडिया के लिए साफ्टवेयार एडिटिंग पर कार्यशाला का आयोजन किया ।
- २३ मार्च २०१७ को एक परिसंवाद का आयोजन किया । परिसंवाद वार्ता डॉ. जितेंद्र नाथ मिश्रा, आईएफएस (सेवानिवृत्त), भूतपूर्व एम्बासडर, पर्तुमाल और लाओस ने प्रदान किया । प्रो. सचिदानंद मोहांति, कुलपति, ओकेंवि ने इस बैठक की अध्यक्षता की थी और इसका उद्घाटन किया।
- राकेश कुमार दुबे, पीएच.डी. छात्र ने भारत में आम जनता की सुरक्षा आंदोलन पर सोशल मिडिया के प्रभाव : ओडिशा की अंर्तदृष्टियाँ पर शीर्षक पर एक पेपर प्रस्तुत किया । यह राष्ट्रीय संगोष्ठी दिनांक २५-२६ मार्च २०१७ को लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित किया गया था ।
- राकेश कुमार दुबे, पीएच.डी. छात्र ने सामाजिक आंदोलन के बारे में मिडिया और गणतंत्र के संबंध में समाज पर एक अनुसंधान पत्र प्रकाशित किया, समयसुद्धा (अंतरराष्ट्रीय रिसर्च जर्नल) खंडँ्ट, संख्या १६, अप्रैल-जुलाई २०१६, आईएसएसएन - २४७३-८२४६ ।
- नीलेश पांड, पीएचडी छात्र ने भारत में फिल्म उद्योग में अवसर तथा क्षमता विकास और मिडिया उद्योग पर एक पेपर प्रस्तुत किया, जर्नल ऑफ इकोनोमिक्स और कर्मस, एक पियर रिव्यू जर्नल, खंड.:७, संख्या.:०१, जनवरी-जून २०१६, आईएसएसएन-०९७६-९५२८ ।
- मुहम्मद अमीर पाशा, पीएच.डी. छात्र ने अल्पसंख्यक मुद्दों पर सामाजिक समरास्ता के निर्माण में मिडिया की भूमिका : एक अंर्तवस्तु विश्लेषण शीर्षक पर एक पेपर प्रस्तुत किया : एक । यह पेपर दिनांक १२-१४ नवम्बर २०१६ को पंडित सुंदरलाला शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय, छत्तीसगढ द्वारा आयोजित सामाजिक सद्भाव की समरसता और सांस्कृतिक, सामाजिक और तकनीकी परिप्रेक्ष्य पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में ।
- मुहम्म्द अमिर पाशा, पीएचडी छात्र ने छत्तीसगढ़ के बिलाशपुर जिला में शहरी मुस्लिम महिलाओं के बीचे में महिला मानव अधिकार पर जागरुकता पैदा करनेमें नेताओं के विचारों की भूमिका पर एक पेपर प्रस्तुत किया । यह दिनांक १५-१६ जनवरी २०१७ को आयोजित कस्तुरबा ग्रामीण संस्थान, देवी अहल्या विश्वविद्यालय, इंदौर द्वारा आयोजित गणतंत्र देशों में चुनाव अभियान में बदलती प्रवृत्तियों पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में ।
- मुहम्मद अमिर पाशा, पीएच.डी. छात्र ने दिनांक ११-१२ फरवरी २०१७ को पंडित सुंदरलाला शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय, छत्तीसगढ, बिलासपुर द्वारा आयोजित राष्ट्र, संस्कृति और परिचय : " इक्कीसवीं शताब्दी में सिद्धांत और विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में लोकप्रिय संस्कृति में स्टेरियोटाइप अल्पसंख्यकों " पर एक पेपर प्रस्तुत किया ।
- मुहम्मद अमिर पाशा, पीएच.डी. छात्र ने दिनांक २५-२६ मार्च २०१७ को समाज विज्ञान विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित समाज परिवर्तन में सोसिएल मिडिया की भूमिका पर आईसीएसएसआर प्रायोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में एजेंडा तय करने में सोसल मिडिया की भूमिका : एक विश्लेषणात्मक अध्ययन पर एक पेपर प्रस्तुत किया ।
- मुहम्मद अमिर पाशा, पीएच.डी. छात्र ने दिनांक २३-२५ फरवरी २०१७ को शिक्षा विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, छत्तीसगढ द्वारा आयोजित समाज विज्ञान अनुसंधान में मात्रात्मक आंकडे विश्लेषण में तीन दिवसीय अल्पावधि पाठ्यक्रम – ॥ में भाग लिया ।
- मुहम्मद अमिर पाशा, पीएच.डी. छात्र का छत्तीसगंढ राज्य के आदिवासियों में विकास एंव विस्थापना की स्थिति : एक विश्लेषणात्मक अध्ययन पर एक अनुसंधान निबंध प्रकाशित हुआ है । एशियन जर्नल ऑफ मल्टिडिसिप्लिनॉरी स्टडीज, खंड:४, अंक ९, प्रभाव कारक: १.४९८, सितम्बर २०१६, आईएसएसएन-२३२१-८८१९.
- नाजिन सुलताना, एमफील छात्र ने दिनांक ५-७ फरवरी २०१७ को अलिगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित संचार, संस्कृति और सतत विकास: मुख्य मुद्दे और चुनौतियों पर एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में एक पेपर प्रस्तुत किया।
- अनिरूद्ध जेना, एम.फील छात्र ने दिनांक २५-२६ नवम्बर २०१७ को एक्सयूवी, भुवनेश्वर में जेवियर स्कूल ऑफ कम्युनिकेशन द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में मिडिया, विकास और गणतंत्र : एक सैद्धांतिक डिसकोर्स पर एक पेपर प्रस्तुत किया ।
- अनिरूद्ध जेना, एम.फील छात्र ने दिनांक ३०-३१ जनवरी २०१७ को तेतपुर विश्वविद्यालय, केंद्रीय विश्वविद्यालय, तेजपुर, असम के जन संचार विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में एक एकाडेमिक डिसिप्लिन के रूप में मिडिया अध्ययन कैसे और क्यों पर एक अध्ययन पर एक पेपर प्रस्तुत किया ।
- अनिरूद्ध जेना, एम.फील छात्र ने दिनांक ५-७ फरवरी २०१७ को जनसंचार विभाग,अलिगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में संचार और संस्कृति की गतिशीलता : सतत विकास के लिए आगे बढ़ने हेतु एक मार्ग विषय पर एक पेपर प्रस्तुत किया ।

संकाय सदस्यों द्वारा की अकादममि गतिविधियाँ

डॉ. प्रदोश कुमार रथ

- जनसंचार तथा पत्रकारिता विभाग, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय , कोरापुट द्वारा आयोजित भारत की विदेशी नीति में सॉफ्ट पावर की भूमिका पर एक राष्ट्रीय परिसंवाद किया और परिसंवाद की अध्यक्षता तथा संयोजन किया ।
- दिनांक १२-१४ नवम्बर २०१६ को पंडित सुंदरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय, छत्तीसगढ, बिलासपुर द्वारा आयोजित सामाजिक सद्भाव के लिए सांस्कृतिक, सामाजिक एवं प्रौद्योगिकीय संभावनाओं पर राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया । शांति तथा सामाजिक सद्भाव को बढ़ाने में सामाजिक मिडिया की भूमिका पर एक पेपर प्रस्तुत किया ।
- जनसंचार तथा पत्रकारिता विभाग, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय , कोरापुट द्वारा आयोजित भारत की विदेशी नीति में सॉफ्ट पावर की भूमिका पर एक राष्ट्रीय परिसंवाद किया ।

प्रकाशन

- फीडबैक इन नॉन-वर्वाल कम्युनिकेशन एंड लेबल ऑफ अंडरस्टेडिंग : एक विश्लेषणात्मक अध्ययन, ग्लोबॉल जर्नल फॉर रिसर्च एनालिसिस (आईएसएसएन संख्या २२७७-८१६०, आईएफ: ३.६२, आईसी मूल्य ७०.३६), खंड ५, अंक ९, सितम्बर , २०१६. पी पी ११८-१२०. (सह-लेखक : ए. एस. नायक).
- महिला तथा सहकारिता विकास : भारतीय मिडिया की संभावनाएं , शोध संचय में (आईएसएसएन २४७३-८२४६), खंड ३१, अंक १२, जुलाई-नवम्बर , २०१६. पी पी १-२५ (सह-लेखक : राकेश दुबे) ।
- सामाजिक आंदोलन के संबंध में भारत में मिडिया और गणतंत्र का सामाजिक संबंध; समय शोध में (आईएसएसएन २३४५-८४८९), खंड २१, अंक १६, अप्रैल-जुलाई , २०१६. पी पी १-७ (सह-लेखक : राकेश दुबे) ।
- विकास में प्रहलाद नाटक का अनुप्रयोग : थिएटर स्ट्रीट जर्नल में एक अध्ययन, खंड १, अंक १, मार्च , २०१७. पी पी ३१-३९ ।

सौरभ गुप्ता

- दिनांक २२-२४ अगस्त २०१६ को भारतीय जनसंचार संस्थान, ढेंकानाल, ओडिशा में संचार की भाषा और दृश्यमान संचार पर आंमत्रित व्याख्यान प्रदान किया ।
- दिनांक २२-२३ सितम्बर २०१६ को गुरुदास कॉलेज, कोलकाता द्वारा आयोजित वैश्विकरण भारत के बाद मिडिया, राजनीति और अर्थनीति पर यूजीसी प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में दो सत्र की अध्यक्षता की और दो आमंत्रित वार्ता प्रदान की ।
- संगीत नाटक अकादमी, नई दिल्ली द्वारा कोरापुट में दिनांक २७-३१ जनवरी २०१७ को आयोजित लोक यात्रा- लाकनृत्य अभिव्यक्ति का एक उत्सव में माडरेड संगोष्ठी सत्र में आमत्रित हुआ था।
- दिनांक ७ फरवरी २०१७ को पत्रकारिता तथा जनसंचार विभाग, डेरोजिओ स्मारक महाविद्यालय, कोलकाता द्वारा आयोजित संचार : प्राचीन काल से डिजिटॉल युग तक विषय पर यूजीसी प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में संचार में नाटक तथा आवाज मॉडुलेशन के महत्व पर आमंत्रित व्याख्यान प्रदान किया।

प्रकाशन

- " ट्रायल बाई मिडिया : भारतीय परिप्रेक्ष्य (इन क्वेस्ट, खंड II अंक I मई-अक्तूबर २०१६; पी पी ३१-३६; आईएसएसएन २३४८-६८१३)
- विकास के लिए लोक नृत्य (TfD): ओडिशा के केबीके क्षेत्र में एक अध्ययन (भावना थिएटर : विशेष द्विभाषी अंक, खंड ६, संख्या .३-४; अक्तूबर-नवम्बर २०१६; पी पी १०५-११८; आईएसएसएन २३२१-५९०९)
- पुस्तक अध्याय प्रकाशित , शीर्षक बंगली फिल्मों में महिलाओं के निर्देशक का गेज डेपिक्टसन : कैमरा की भाषा का चयनात्मक अध्ययन (भारतीय राजनीति, परम्परा, ट्रांजिशन तथा ट्रांसफरमेशन, के चयनात्मक अध्ययन) पब्लिशर : मितल पब्लिकेशनस, नई दिल्ली, संपादक : नवनीज रथ और गौतम मजुमदार; २०१६; pp २९१-३१०; आईएसबीएन ८१-८३२४-८०७-१)
- थिएटर स्ट्री जर्नल के मैडन अंक संपादित (आईएसएसएन २४५६-७५४X) खंड.१, संख्या.१ www.theatrestreetjournal.in पर ऑनलाइन प्रकाशित, २७.०३.२०१७ को

सोनी पारही

- दिनांक २५-२६ मार्च २०१७ को लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ समाज विज्ञान द्वारा आयोजित समाज स्थानांतरण में समाज मिडिया : मुद्दे तथा चुनौतियों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया। महिला सशक्तिकरण के लिए आईसीटी : ओडिशा की चुनौतियां पर एक पेपर प्रस्तुत किया ।
- दिनांक २३-२४ फरवरी २०१७ को श्री वेंकेटश्वर विश्वविद्यालय, तिरुपति के मानवविज्ञान विभाग द्वारा आयोजित भारतीय जनता के जीनोमिक्स एवं सांस्कृतिक विभिन्नता : स्वास्थ्य तथा बीमारी संदेह की प्रशंसा पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया। जापानी एन्सेफलाइटिस पर मिडिया रिपोर्ट के विश्लेषण से स्वास्थ्य संचार अनिवार्यताएं शीर्षक पर एक पेपर प्रस्तुत किया ।

प्रकाशन

- मुगल तमाशा : ओडिशा के वाइब्रेंट लोक नृत्य शीर्षक से एक अनुसंधान पत्र प्रकाशित, थिएटर स्ट्रिट जर्नल द्वारा प्रकाशित (आईएसएसएन २४५६-७५४X), खंड.१, संख्या.१. मार्च , २०१७. पीपी. ८०-८८ ।

शिक्षा विभाग

अध्यापक शिक्षा केंद्र वर्ष २०१३में शुरू हुआ है। इस केंद्र का लक्ष्य है आवश्यक कौशल तथा योग्यतायें प्रदान करके और अध्यापक शिक्षा कार्यक्रम के अद्यतन तत्वों को देकर हमारे देश के लिए दूरदर्शी अध्यापक तैयार करना। जैसा कि यह केंद्र दूरदर्शी अध्यापकों को तैयार करता है, इसलिए केंद्र मनोविज्ञान संसाधन केंद्र, समाज विज्ञान केंद्र, विज्ञान तथा गणित विज्ञान संसाधन केंद्र से सुसज्जित है।

विजन

अनुसंधान उच्च शिक्षा के महत्वपूर्ण आयामों में से एक है । इस विभाग का लक्ष्य है भविष्य में शिक्षा में मास्टर डिग्री, एमफील और पीएच.डी. कार्यक्रम को प्रारंभ करना है । अनुसंधान कार्यक्रम शिक्षण एवं प्रशिक्षण गतिविधियों के गुणवत्ता बढ़ाने के लिए एक उत्प्रेरक के रूप में काम करेगा ।

- सूचना तथा संचार तकनीकी संसाधन केंद्र, पाठ्यक्रम संसाधन केंद्र, विज्ञान ससांधन केंद्र, कला तथा शिल्प संसाधन केंद्र, शारीरिक शिक्षा संसाधन केंद्र, मनोविज्ञान संसाधन केंद्र, कंप्यूटर प्रयोगशाला, विभागीय पुस्तकालय और विभागीय प्लेसमेंट कक्ष की स्थापना करना है ।

- शिक्षक शिक्षा के क्षेत्र में वार्षिक सम्मेलन/कार्यशाला/सम्मेलनों का आयोजन किया ।
- व्यक्तिगत रूप से या संयुक्त रूप से अनुसंधान करने के लिए देश अथवा विदेश में अन्य विभागों के संस्थानों के समझौता करना ।
- पूरे शैक्षणिक सत्र में शिक्षक शिक्षा में प्रतिष्ठित प्रोफेसरों को आमंत्रित करना ।
- प्रत्येक शैक्षणिक सत्र के छात्रों को दोनों शिक्षण अभ्यास और प्लेसमेंट के लिए आस पास के विद्यालयों से समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित करना ।

विभाग

१	अधिष्ठाता तथा मुख्य का नाम	श्री रमेंद्र कुमार पाढ़ी, सहायक प्रोफेसर तथा मुख्य प्रभारी
२	संपर्क के लिए विवरण	शिक्षा विभाग, केंद्रीय विश्वविद्यालय ओड़िशा, शुनाबेढा, कोरापुट-७६४०२३, ओड़िशाई-मेल : ramendraparhi@gmail.com
३.	शिक्षण सदस्यों और उनकी योग्यता	१. डॉ.रमेंद्र कुमार पाढ़ी, एम.ए., एम.एड, एम.फील.,पीजीडीजीसी (एनसीआरटी), यूजीसी-नेट, सहायक प्रोफेसर २. श्री संतोष जेना, ठेके पर, एम.ए. एम.एड़, यूजीसी-नेट, व्याख्याता ठेके पर ३. डॉ. आर.एस.एस. नेहरू, ठेके पर, एम.एससी., एम.एड़, पीएच.डी., व्याख्याता ठेके पर (२२.०९.२०१७ को कार्यमुक्त किया) ४. श्री के. वी. नरसिंह राव, एम.ए. (अंग्रेजी), एम.इडी, व्याख्याता ठेके पर ५. श्री अक्षय कुमार भोई, एमए. एम.फील., यूजीसी-नेट, व्याख्याता ठेके पर ६. डॉ. शिशिर कुमार बेज, एम.ए., एम. इडी, पीएच.डी., व्याख्याता ठेके पर ७. श्री पी. विलियम बनर्जी, एम एससी., एमइडी, एमफील, व्यख्याता ठेकेपर ८. सुश्री बी सोरेन , एम ए, स्थापत्य (दृश्य कला), व्याख्याता ठेके पर
४.	विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रम	शिक्षा में स्नातक (बी.एड़)(२ वर्ष)

विभाग की अकादममि गतिविधियाँ

- इस विभाग द्वारा आयोजि सत्र के लिए बी.एड. के प्रथम सत्र २०१६-१७ के प्रशिक्षणार्थी शिक्षकों की स्कूल इंटरर्नशिप गतिविधियॉ दिनांक १२.०८.२०१६ से ०३.११.२०१६ तक तीसरे सेमिस्टर की अवधि और दिनांक २१.१०.२०१६ से ०३.११.२०१६ तक की प्रथम सेमीस्टर की अवधि, इंटर्नशिप कार्यक्रम कोरापुट जिले के विभिन्न स्कूलों में आयोजित किया गया ।
- बेलडा गांव (सीयूओ द्वारा अपनाया गया गांव) में दिनांक ३०.०९.२०१६ को उन्नत भारत अभियान के तहत पर्यावरणीय जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया गया था।
- जनवरी २०१७ में इस विभाग की वाल पत्रिका स्पंदन का तीसरा अंक प्रकाशित हुआ था।
- उन्नत भारत अभियान के अंश के रूप में, स्वच्छता, द्वार पर द्वार जागरुकता और पेम्पलेट वितरण, के साथ साथ स्वास्थ्य और स्वच्छता और शिक्षा, शिक्षा पर स्लोगान लेखन, रैली, नुक्कड नाटक और अन्य गतिविधियाँ दिनांक ३१.०१.२०१७ से ०१.०२.२०१७ तक के बीच में हमारे विश्वविद्यालय द्वारा अपनाया हुआ गांव राजपालम, चिकपड़ा में आयोजित किया गया ।
- दिनांक ८ अप्रैल २०१६ को डिजिटॉल इंडिया : प्रौद्योगिकी और पेडागोमी शीर्षक पर एक संगोष्ठी व्याख्यान प्रदान किया । इस कार्यक्रम क उदघाटन प्रो.सचिदानंद मोहांति, कुलपति ने किया था । प्रो. धनेश्वर हरिचंदन, आईडीओएल, शिक्षा विभाग, बंबे विश्व विद्यालय ने संगोष्ठी व्याख्यान प्रदान किया।
- दिनांक १६.०२.२०१७ और १७.०२.२०१७ को योग अभ्यास और जीवन के लक्ष्यों पर परिसंवाद आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम क उद्घाटन प्रो. सचिदानंद मोहांति, कुलपति ने किया। इस पर व्याख्यान प्रो. प्रकाश चंद्र स्वांई, प्रोफेसर, वीएसएसयूटी, बुर्ला, संबलपुर ने दिया ।
- दिनांक २९.०३.२०१७ को सुनाबेढा परिसर में क्राफट का एक प्रदर्शन आयोजित किया गथा था, जिसका लक्ष्य है बी.एड. पाठ्यक्रम के प्रशिक्षु शिक्षकों को एक अवसर प्रदान करना है ।
- एक फिल्ड ट्रिप (राष्ट्रीय महत्व के संस्थानों का परिदर्शन) का आयोजन आईएएसइ, शिक्षा विभाग, आंध्र विश्वविद्यालय और आईआईएम विशाखापटनम द्वारा किया गया था।

संकाय सदस्यों की अकादममि गतिविधियाँ

डॉ. रमंद्र कुमार पारही

- दिनांक २६ तथा २७ फरवरी २०१७ को कोरापुट में विश्व सॉलिडारिटी, ओडिशा संसाधन केंद्र द्वारा आयोजित मोमेमेरटिव कार्यशाला में भाग लिया ।
- दिनांक १ तथा २ सितम्बर २०१६ को भुवनेश्वर में इग्नू क्षेत्रीय केंद्र द्वारा आयोजित एकाडेमिक काउंसिलर के लिए अभिमुखिकरण कार्यक्रम में भाग लिया था ।

प्रकाशन

- ओडिशा के कोरापुट जिले के माध्यमिक विद्यालय छात्रों के पेरेंटिंग, मानसिक स्वास्थ्य और शैक्षणिक उपलब्धियों शीर्षक पर एक पेपर प्रस्तुत किया, खंड ८, संख्या १. (आईएसएसएन : २२२९-५७५५, २०१७).

श्री संतोष जेना

- एसीसटिव प्रौद्योगिकी : समावेशी शिक्षा में चुनौतियाँ और भविष्य शीर्षक पर एक अध्याय, संपादित पुस्तक का नाम है डिजिटॉल इंडिया : शिक्षा के माध्यम से परिवर्तन भारत (आईएसबीएन-९७८९३८४९३५८७०) २०१६.

श्री अक्षय कुमार स्वांई

ज्ञान समाज में शिक्षक की जिम्मेदारी शीर्षक पर एक लेख प्रकाशित ; एस.के. पंडा (संपादित) शिक्षक शिक्षा को मजबूत बनाना और सुधार लाना, नोएडा, आर्मी शिक्षण संस्थान, गायत्री इनफरमेशन मिडिया , २०१६ (आईएसबीएन-९७८-९३-५२५४-६४५-९).

मौलिक विज्ञान एवं सूचना विज्ञान विद्यापीठ

गणित विज्ञान विभाग

केन्द्रीय विश्वविद्यालय ओड़िशा के मौलिक एवं सूचना विज्ञान विद्यापीठ के अन्तर्गत गणित विभाग ने शैक्षिक वर्ष २०११-१२ से पांच वर्षीय एकीकृत स्नातकोत्तर विज्ञान पाठ्यक्रम का शुभारंभ किया है।

विजन

- गणित में निमन्त्रित विशिष्ट प्राध्यापकों का प्रवेश।
- विभागीय नियोजन प्रकोष्ठ, कम्प्यूटर प्रयोगशाला, अनुरूप संगणन प्रयोगशाला, विभागीय पुस्तकालय आदि की स्थापना।
- गणित एवं सांख्यिकी में एमफिल/पीएचडी/स्नातकोत्तर(विज्ञान) जैसे नए पाठ्यक्रमों को लागू करना।
- वार्षिक संगोष्ठी/कार्यशाला/सम्मेलनों का आयोजन करना।
- निम्न सूचित को शुरू करना: चूँकि २१वीं सदी गणितीय विज्ञान का युग बनने जा रहा है ऐसे में शोध कार्य के संदर्भ में जीनोमिक्स, जीव विज्ञान एवं पारिस्थितिकी जैसे विविध क्षेत्रों में गणित/ सांख्यिकी का प्रयोग।

विभाग

१	प्रमुख का नाम	**श्री ज्योतिष्का दत्ता, सहायक प्रोफेसर**
२	संपर्क विवरण	गणित विभाग, केन्द्रीय विश्वविद्यालय ओड़िशा, सुनाबेड़ा, कोरापुट-७६४०२३, ओड़िशाई-मेल:jyotiska.datta@gmail.com
३.	शिक्षण सदस्य तथा उनकी योग्यता	१. श्री ज्योतिका दत्ता, एम.एससी., एम.फील., यूजीसी-एनइटी, जेआरएपु, जीएटीइ, सहायक प्रेाफेसर २. श्री रमेश चंद्र माति, एम.सी.ए., यूजीसी-एनइटी, व्याख्याता ठेके पर ३. बासुआ देवानंद, एम.एससी (गणित विज्ञान), व्याख्याता ठेके पर ४. डॉ. सुभेंदुमोहन श्रीचंदन मिश्रा, एम.एससी, पीएचडी, अतिथि संकाय ५. सुश्री कृष्ण मलिक, इंट एम.एससी. (गणित) , व्याख्याता ठेके पर ६. सुश्री सुभष्मिता दास, एम.एससी., एम.फील., व्याख्याता ठेके पर ७. श्री सत्यब्रत साहु, एम.एससी. (गणित विज्ञान), व्याख्याता ठेके पर
४.	विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रम :	गणित विज्ञान में एम.एससी (एकीकृत पाँचवर्षीय)

विभाग की अकादमिक गतिविधियाँ

- डॉ. बिनोद कुमार साहु, रीडर-एफ नाइजर, भुवनेश्वर ने दिनांक १९ से २७ सितम्बर २०१६ के दौरान रिंग थियोरी और मॉडुल्स में विभिन्न विषयों पर कक्षाएँ लीं ।
- प्रो. पीयूष चंद्र, पूर्व प्रोफेसर, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर ने दिनांक ७ से १० नवम्बर २०१६ को अर्डिनॉरी विभेदीय समीकरण में विभिन्न विषयों पर कक्षाएं ली।
- विभाग के छात्रों और संकाय सदस्यों के लिए एक कंप्यूटर प्रयोगशाला सहित वाईफाई को जोड़ा गया है । कंप्यूटर प्रयोगशाला सीसीटीव निगारनी में हैं।
- निम्नलिखित छात्रों ने विभिन्न इंटर्नशिप और प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया :

नाम	पाठ्यक्रम	अवधि	स्थान
कोशालेश मेहेर	MTTS-२०१६ (स्तर -०)	मई ३०, २०१६ - जून २५, २०१६	शिव नादार विश्वविद्यालय, जी. नोएडा
विवेक सूर्यनारायण मिश्र	TPM-२०१६ (स्तर छ्ब)	मई २३, २०१६ - जून १८, २०१६	नाइजर, भुवनेश्वर
मनिषा पंडा	TPM-२०१६ (स्तर -१)	मई २३, २०१६ - जून १८, २०१६	नाइजर, भुवनेश्वर
काजल जेना	TPM- २०१६ (स्तर -II)	मई२३,२०१६- जून १८, २०१६	नाइजर, भुवनेश्वर
सुकन्या पाढी	TPM- (स्तर -II)	मई २३, २०१६ - जून १८, २०१६	नाइजर, भुवनेश्वर
सुश्री चिन्मय साहु	SPIM-२०१६	जून १३, २०१६ - जुलाई २, २०१६	एचआरआई, इलाहाबाद
किसान भोई	MTTS-२०१६ (स्तर -I)	मइ २३, २०१६- जून १८, २०१६	आईआईटी, मद्रास
भंदना नायक	MTTS-२०१६ (स्तर -II)	मइ २३, २०१६- जून १८, २०१६	आईआईटी, मद्रास
सिमाद्रि समीर कुमार	TPM-२०१६ (स्तर-III)	मइ २३, २०१६- जून १८, २०१६	नाइजर, भुवनेश्वर

कंप्यूटर विज्ञान विभाग

कंप्यूटर एप्लिकेशन में स्नातक (बीसीए) पाठ्यक्रम की शुरूआत गणित विभाग के तहत किया गया था। प्रो. सचिदानंद मोहांति, कुलपति की नियुक्ति होने के बाद बीसीए पाठ्यक्रम नवगठित कंप्यूटर विज्ञान विभाग के तहत जारी रहा है। वर्तमान में विभाग अपने छात्रों के दूसरे बैच चल रहा है ।

विजन

विभाग का निम्न उद्देश्य है

- पूरे शैक्षणिक सत्र में कंप्यूटर विज्ञान में प्रख्यात प्रोफेसर को आमंत्रित करना ;
- विभागीय नियोजन प्रकोष्ठ, कंप्यूटर प्रयोगशाला, पैरालाल कंप्यूटिंग प्रयोगशाला, विभागीय पुस्तकालय की स्थापना करना;

- कंप्यूटर विज्ञान में एमसीए/एम.टेक /पीएच.डी नये पाठ्यक्रमों का आरंभ करना और
- वार्षिक संगोष्ठी, कार्यशाला और सम्मेलनों का आयोजन करना।

विभाग

१	विभागीय प्रमुख का नाम	**श्री सुशांत कुमार, व्याख्याता ठेके पर तथा विभाग प्रमुख**
२	संपर्क विवरण	कंप्यूटर विज्ञान विभाग, केन्द्रीय विश्वविद्यालय ओड़िशा, सुनाबेड़ा, कोरापुट-७६४०२३, ओड़िशा, ई-मेल : kumar333sushant@gmail.com
३.	शिक्षण सदस्यों और उनकी योग्यतायें	१. श्री सुशांत कुमार, एम.एससी (सीएस), एम.टेक.(सीएसइ), जीएटीइ, यूजीसी-नेट, व्याख्याता ठेके पर २. श्री पतितपाबन रथ, एम.सी.ए., एम.टेक , (सीएसइ) व्याख्याता ठेके पर
४.	विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रम :	बीसीए (३ वर्ष)

विभाग की गतिविधियाँ

- विभाग के परिसर में दिनाक २० मार्च २०१७ को क्लाउड कंप्यूटिं तथा आईओटी पर एक परिसंवाद आयोजित किया गया था । प्रोफेसर मानस रंजन पात्र, प्रमुख, कंप्यूटर विज्ञान विभाग, ब्रह्मपुर विश्वविद्यालय को इस अवसर पर व्याख्यान प्रदान करने के लिए आमंत्रित किया गया था।
- वर्ष २०१६ के ग्रीष्मकाल के दौरान बीसीए के छात्रों (सभी सेमीस्टर) को प्रशिक्षण दिलाया गया ।

संकायों की गतिविधियाँ

श्री पतित पाबन रथ

- एन एक्सपेडियस डेसिसन बेसड आलगोरिदम फॉर हाई एम्पिलिट्यूड नएज एलिमिनेशन फ्रम थ्री डी मेसेस पर एक पेपर DeeF&FFF टेनकॉन २०१६ द्वारा आयोजित सिंगापुर में प्रस्तुत किया ।
- आईइइइ टेनकॉन के लिए कार्यालयीन समीक्षक के रूप में नियुक्त हुआ ।
- फरवरी २०१७ को संचालित कंप्यूटर ग्राफिक्स, विजन और इमेज प्रोसेसिंग पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के आयोजक सचिव के रूप में चयन किया गया' ।
- आईजेआरआईइआर २०१६ की पत्रिका में रेटिनॉल वेसल्स के स्वचालित विश्लेषण के लिए प्रतिबिंब प्रक्रियाकरण और मशीन शिक्षण के योगदान शीर्षक पर एक पेपर प्रकाशित हुआ है ।

जैव विविधता एवं प्राकृतिक संसाधन संरक्षण विद्यापीठ

जैव विविधता एवं प्राकृतिक संसाधन संरक्षण विभाग

कोरापुट स्थित ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय के जैवविविधता एवं प्राकृतिक संसाधन संरक्षण विभाग अध्ययन एवं समझने के लिए देश के भीतर तथा बाहर लाखों छात्रों के लिए प्रवेश द्वार खोल दिया है और जैव विविधता के गूढ़ रहस्य को समझने के लिए एवं समाज की आवश्यकता को पूरा करने के लिए आउटपुट प्रदान करती है। ओड़िशा एक समृद्ध एवं यहाँ जैवविविधता के साथ विभिन्न अनुसंधान के लिए अपार क्षमता है। इस पृष्ठभूमि के साथ विभाग निम्नलिखित लक्ष्य रखता है :

- कोरापुट एवं राज्य के निकटस्थ जिलों के जैव विविधता का अध्ययन करना,
- जैव विविधता क्षेत्र का मैपिंग करना एवं खतरे एवं स्थानिक प्रजातियों के संरक्षण के लिए उपाय सुझाना ,
- कोरापुट के आस-पास इलाके वनों की कार्बन जब्ती क्षमता की निगरानी करना,
- इस क्षेत्र की मौजूदा वनस्पतियों और जीव से कैरोटीन जैसे जैवसक्रिय पदार्थ निकालना और आजीविका उन्नयन कार्यक्रमों के साथ जोड़ना
- इस क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार करने के लिए तटीय समुदायों के लिए मछली खाद्य को विकसित करना,
- जलवायु परिवर्तन की समस्याओं का मुकाबला करने के लिए विशिष्ट प्रजातियों के वृक्षारोपर्ण कार्यक्रम आरंभ करना।

यह विभाग जैव विविधता एवं प्राकृतिक संसाधन संरक्षण में मास्टर डिग्री पाठ्यक्रम प्रदान करता है। पाठ्यक्रम विकास सलाहाकार समिति ने मास्टर कार्यक्रम के लिए एक अभिनव और रचनात्मक आवश्यकता आधारित पाठ्यक्रम संरचना निकला है। शैक्षणिक सत्र २०१४-१५ से विभाग में अनुसंधान कार्यक्रम (एम.फील तथा पीएच.डी.) का कार्यक्रम प्रारंभ हुआ ।

विभाग

१	विभागीय मुख्य तथा अधिष्ठाता का नाम	**डॉ. शरत कुमार पालिता**, एसोसीएट प्रोफेसर तथा मुख्य, डीबीसीएनआर एंव अधिष्ठाता, बीसीएनआर विद्यापीठ
२	संपर्क विवरण	जैव विविधता एवं प्राकृतिक संसाधन संरक्षण विभाग, केन्द्रीय विश्वविद्यालय ओड़िशा, लांडिगुड़ा, कोरापुट-७६४०२१, ओड़िशा, ई-मेल: skpalita@gmail.com
३.	शिक्षण सदस्य एवं उनकी योग्यता	१. डॉ. शरत कुमार पलिता, एम.एससी., पीएच.डी. २. डॉ. काकोली बनर्जी, एम.एससी.,पीएच. डी., सहायक प्रोफेसर ३. डॉ. देवब्रत पंडा, एम.एससी., एम.फील, पीएच.डी., सहायक प्रोफेसर
४.	विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रम:	जैव विविधता एवं प्राकृतिक संसाधन संरक्षण में एम.एससी. (२ वर्ष), जैव विविधता एवं प्राकृतिक संसाधन संरक्षण में एम.फील. (१ वर्ष) बीसीएनआर जैव विविधता एवं प्राकृतिक संसाधन संरक्षण में पीएच.डी.

विभाग की एकादेमिक गतिविधियाँ

- इस अवधि दौरान दस छात्रों को एम.फील की डिग्री मिली है ।
- श्री गोपाल राज खेमुंडु , पीएच.डी. छात्र (आरजीएनएफ के तहत) दिसम्बर २०१६ में पर्यावरणीय विज्ञान में आईसीएआर एआरएस पूरा किया है , जुलाई २०१६ में यूजीसी एनइटी पर्यावरणीय विज्ञान में पूरा किया है। सुश्री विश्वजित महापात्र, एम.फाल उत्तीर्ण (२०१४-१५ प्रवेश बैच) जून २०१६ में यूजीसी-सीएसआईआर जीवन विज्ञान में पूरा किया है।
- वर्ष २०१५-१६ सत्र के दौरान बीस छात्रों ने अपना मास्टर डिग्री पूरा किया है । सुश्री सुप्रिया सुरचिता को स्वर्ण पदक सहित अब्बल पुरस्कार मिला है।
- प्रो. सी एस के मिश्रा, प्राणी विज्ञान विभाग, मौलिक विज्ञान तथा मानविकी महाविद्यालय, ओयूएटी, भुवनेश्वर ने दिनांक २६.०७.१६ को बायोरिमेडिएशन ऑफ माइन स्पएल : अंतिम प्रवृत्तियाँ और अनुसंधान पर एक वार्ता प्रदान किया है।
- प्रो. ए.सी. नारायण, पृथ्वी तथा महाकाश विज्ञान केंद्र विश्वविद्यालय, हैदराबाद विश्वविद्यालय ने दिनांक २७.०३.१७ को जलवायु परिवर्तन : अतीत एंव वर्तमान पर एक वक्तव्य प्रदान किया है ।
- इस विभाग ने जैवविविधता संरक्षण : बहुमुखी एप्रोच पर दिनांक २२.०३.२०१७ को राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया था , जिसमें प्रो. सुशिल कुमार दत्ता , प्रतिष्ठित वैज्ञानिक , इंडियन एकाडेमी ऑफ साइसेंस, बेंगालूर और प्रो. प्रोफेसर प्रदीप कुमार चांद, प्रोफेसर, वनस्पति विज्ञान विभाग, उत्कल विश्वविद्यालय, ने विशेष व्याख्यान प्रदान किया।
- एम.एससी छात्रों का एक फिल्ड ट्रिप जैवविविधता सर्वे के लिए डुमडुमा जल प्रपात तथा इसके आसपास इलाके में सितम्बर २०१६ को आयोजित किया गया।
- श्री सुब्रत देवता, पीएचडी छात्र ने दिनांक २७-३१ जनवरी २०१६ को प्राणीविज्ञान, ओसमानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद में आयोजित दस्तावेजकरण, अध्ययन और संरक्षण काइरोपेट्रा की फिल्ड तथा तकनीकी पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया ।
- श्री सुब्रत देवता, पीएचडी छात्र ने अप्रैल के दौरान उत्कल विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित पूर्वी घाट के संरक्षण पर राष्ट्रीय सम्मेलन में ओडिशा में पूर्वी घाट के चमगीदड पर आधारित एक पोस्टर प्रस्तुत किया । श्री देवता को युवा वैज्ञानिक पुरस्कार भी प्राप्त हुआ था।
- सुश्री श्वेताश्री पुरोहित, पीएच.डी.छात्रा ने २-४ दिसम्बर २०१६ के दौरान उत्तर प्रदेश पक्षी उत्सव में भाग लिया ।
- सुश्री श्वेता पुरोहित ने दिनांक १०-१२ मार्च २०१७ को पंडिचेरी केंद्रीय विश्वविद्यालय में चौथें भारतीय जैवविविधता कांग्रेस में पूर्वी घाट में विशेष रेलिसिट के संदर्भ में ओड़िशा,कोरापुट की पक्षी विविधता पर एक पोस्टर प्रस्तुत किया।
- श्री गोपाल राज खेमुंडं, पीएचडी छात्र ने दिनांक ०३-०४, दिसम्बर २०१६ को ओयूएटी, भुवनेश्वर में अठारहवें ओडिशा विज्ञान ओ परिवेश कांग्रेस में वन और कृषि के सतत भविष्य पर राष्ट्रीय सम्मेलन में सहित गैर-पारम्परिक खाद्य की खेती के लिए एक पाइलट स्केल परीक्षण पर एक पोस्टर प्रस्तुत किया।
- श्री गोपाल राज खेमुंडु ने दिनांक १०-१२ मार्च २०१७ को पंडिचेरी विश्वविद्यालय, पंडिचेरी में भारतीय जैवविविधता कांग्रेस पर राष्ट्रीय सम्मेलन में ओड़िशा के कोरापुट जिले के पाँच चयनित घास प्रजातियों में घास विविधता एवं पोषकत्व यौगिकों का मूल्यांकन प एक पेपर प्रस्तुत किया है।
- श्री राकेश पाउल, पीएचडी छात्र ने नेशनॉल रिमोट सेनसिंग केंद्र,हैदराबाद में दिनांक १५-१६, सितम्बर २०१६ को आईजीबीपी-एनसीपी-सीवीपी चरण -II से संबंधित प्रशिक्षण और कार्यशाला कार्यक्रम में भाग लिया ।
- श्री राकेश पाउल, पीएचडी छात्र ने दिनांक १०-१२ मार्च २०१७ को पंडिचेरी विश्वविद्यालय, पंडिचेरी में भारतीय जैवविविधता कांग्रेस पर राष्ट्रीय सम्मेलन में पूर्वी घाट की जैव विविधता पर एक पाइलट अध्ययन : ओडिशा के कोरापुट जिले से एक मामला का अध्ययन पर एक पोस्टर प्रस्तुत किया।
- सुश्री स्वति सकम्बरी मिश्रा, पीएचडी छात्र ने दिनांक १५-१७ सितम्बर २०१६ को केआईआईटी विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर में खाद्य तथा खाद्य सुरक्षा पर तीसरे एशीयन खाद्य तथा सुरक्षा संघ में सूखा सहिष्णु से संबंधित ओडिशा में कोरापुट जिले के चयनित देशत धान लैंडरेसस का प्रोफाइलिंग : जलवायु परिवर्तन में आगे खाद्य सुरक्षा को बताने पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में एक पेपर प्रस्तुत किया।
- सुश्री स्वाति सकम्बरी मिश्रा ने दिनांक ३-४ दिसम्बर २०१६ को ओडिशा कृषि तथा प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (OUAT), भुवनेश्वर में ओडिशा परिवेश सोसाइटी द्वारा आयोजित अठारहवें ओडिशा विज्ञान ओ परिवेश कांग्रेस में खाद्य तथा खाद्य सुरक्षा पर तीसरे एशीयन खाद्य तथा सुरक्षा संघ में सूखा सहिष्णु से संबंधित ओडिशा में कोरापुट जिले के चयनित देशत धान लैंडरेसस का प्रोफाइलिंग : जलवायु परिवर्तन में आगे खाद्य सुरक्षा को बताने पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में एक पेपर प्रस्तुत किया।
- सुश्री स्वाति सकम्बरी मिश्रा ने दिनांक १०-१२ मार्च २०१७ को पंडिचेरी विश्वविद्यालय, पंडिचेरी में भारतीय जैवविविधता कांग्रेस पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में सूखा सहिष्णु से संबंधित कोरापुट के स्वेदश धान लैंडरेसस के चरित्रचित्रण : बदलती जलवायु में भविष्य की खाद्य सुरक्षा की क्षमता को बताना।
- बंदना पधान, पीएचड़ी, छात्र ने दिनांक ९-१० फरवरी २०१६ को फकीर मोहन विश्वविद्यालय, बालेश्वर में ओडिशा बोटानिकॉल सोसाइटी के ४०वें सम्मेलन में कोरापुट के जनजाति लोगों द्वारा प्रयुक्त खाने योग्य वन्य *अन्देर्म्दी* प्रजातियों के एथनोमेडिकॉल महत्व पर राष्ट्रीय सम्मेलन में एक पेपर प्रस्तुत किया ।
- सुश्री बंदना पधान ने दिनांक सितम्बर को केआईआईटी विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर में खाद्य तथा खाद्य सुरक्षा पर तीसरे एशियन खाद्य एवं सुरक्षा एसोसीएशन २०१६ में हिंस्र *अन्देर्म्दी* प्रजाति : दक्षिण ओडिशा कोरापुट जनजाति की वैकल्पिक खाद्य और पोषण सुरक्षा पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में एक पोस्टर प्रस्तुत किया।
- सुश्री बंदना पधान ने दिनांक ३-४ दिसम्बर २०१६ को ओडिशा कृषि तथा प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (ध्र्ळैऊ), भुवनेश्वर में ओडिशा परिवेश सोसाइटी द्वारा आयोजित अठारहवें ओडिशा विज्ञान ओ परिवेश कांग्रेस में कोरापुट के स्वदेशी जनजाति लोगों के खाद्य तथा पोषण सुरक्षा के लिए हिंस्र *अन्देर्म्दी* प्रजातियों का चरित्र चित्रण पर राष्ट्रीय सम्मेलन में एक पेपर प्रस्तुत किया ।
- सुश्री बंदना पधान ने दिनांक १०-१२ मार्च २०१७ को पंडिचेरी विश्वविद्यालय, पंडिचेरी में भारतीय जैवविविधता कांग्रेस पर राष्ट्रीय सम्मेलन में भारत के कोरापुट के कुछ हिंस्र खाने योग्य *अन्देर्म्दी* प्रजातियों की प्रोफाइल पर एक पेपर प्रस्तुत किया ।

- सुश्री जिज्ञासा बारिक,पीएचडी छात्रा ने दिनांक ९-१० फरवरी २०१६ को फकीर मोहन विश्वविद्यालय, बालेश्वर में ओडिशा बोटानिकॉल सोसाइटी के ४०वें सम्मेलन में एनारोबिक तनाव के संबंध में परम्परागत चावल (ओरीजा सैटिवा एल) के अंकुरण की क्षमता और अंकुरित जीवित रहने वाले कोरापुट, ओडिशा पर एक पेपर प्रस्तुत किया ।
- सुश्री जिज्ञासा बारिक,पीएचडी छात्रा ने ने दिनांक ३-४ दिसम्बर २०१६ को ओडिशा कृषि तथा प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (OUAT), भुवनेश्वर में ओडिशा परिवेश सोसाइटी द्वारा आयोजित अठारहवें ओडिशा विज्ञान ओ परिवेश कांग्रेस में परम्परागत चावल (ओरीजा सैटिवा) का फोनोटाइप तनाव सहनशीलता को बाढ़ के संबंध में कोरापुट की जमीन पर एक पेपर प्रस्तुत किया ।
- सुश्री जिज्ञासा बारिक,पीएचडी छात्रा ने दिनांक १०-१२ मार्च २०१७ को पंडिचेरी विश्वविद्यालय, पंडिचेरी में भारतीय जैवविविधता कांग्रेस पर राष्ट्रीय सम्मेलन में परिवर्तनशील जलवायु क्षेत्र में खाद्य तथा खाद्य सुरक्षा को बताने के लिए डुनेबल सहिष्णुता के लिए भारत के कोरापुट के लोकप्रिय चावल जमीन के लक्षणों वर्णन पर एक पोस्टर प्रस्तुत किया ।
- सुश्री पॉलि तिकदर, पीएचडी छात्रा ने दिनांक ३-४ दिसम्बर २०१६ को ओडिशा कृषि तथा प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (OUAT), भुवनेश्वर में ओडिशा परिवेश सोसाइटी द्वारा आयोजित अठारहवें ओडिशा विज्ञान ओ परिवेश कांग्रेस में भारत, ओडिशा, कोरापुट के पेराजा जनजाति द्वारा उपयोग किए गए नृवंशविज्ञान पौधों के फाइटोकेमिकॉल विश्लेषण पर एक पेपर प्रस्तुत किया ।
- सुश्री पॉलि तिकदर, पीएचडी छात्रा ने दिनांक १०-१२ मार्च २०१७ को पंडिचेरी विश्वविद्यालय, पंडिचेरी में भारतीय जैवविविधता कांग्रेस पर राष्ट्रीय सम्मेलन में भारत, ओडिशा, कोरापुट के पेराजा जनजाति द्वारा उपयोग किए गए नृवंशविज्ञान पौधों के फाइटोकेमिकॉल विश्लेषण पर एक पेपर प्रस्तुत किया ।
- श्री गोबिंद बल ने दिनांक ३-४ दिसम्बर २०१६ को ओडिशा कृषि तथा प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (OUAT), भुवनेश्वर में ओडिशा परिवेश सोसाइटी द्वारा आयोजित अठारहवें ओडिशा विज्ञान ओ परिवेश कांग्रेस के अवसर पर सतत भविष्य के लिए वन और कृषि पर राष्ट्रीय सम्मेलन में भारत के पूर्वी तट में मिट्टी कार्बनिक कार्बन और तटीय रेत टिब्बा पारिस्थितिकी तंत्र का पोषक तत्व का मूल्यांकन पर एक पेपर प्रस्तुत किया।
- श्री गोबिंद बल ने दिनांक १०-१२ मार्च २०१७ को पंडिचेरी विश्वविद्यालय, पंडिचेरी में चौथे भारतीय जैवविविधता कांग्रेस पर राष्ट्रीय सम्मेलन में भितरकनिका मैंग्रोव इकोसिस्टम की मिट्टी के संभावित कार्बन स्टोरेज पर एक पेपर प्रस्तुत किया ।
- श्री गोबिंद बल ने दिनांक १८-१९ मार्च २०१७ को भारत के पूर्वी तट के मंगल और नॉन-मैंग्राव क्षेत्रों के मृदा गुणवत्ता का आकलन पर शीर्षक पर गंगाधर मेहर विश्वविद्यालय और राज्य मुक्त विश्वविद्यालय, संबलपुर द्वारा आयोजित जलवायु परिवर्तन और सतत विकास पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में एक पेपर प्रस्तुत किया ।
- सुश्री अर्चना स्नेहासिनी तुरूक, एमफील छात्रा ने ३-४ दिसम्बर २०१६ को ओडिशा कृषि तथा प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (OUAT), भुवनेश्वर में ओडिशा परिवेश सोसाइटी द्वारा आयोजित अठारहवें ओडिशा विज्ञान ओ परिवेश कांग्रेस के अवसर पर सतत भविष्य के लिए वन और कृषि पर राष्ट्रीय सम्मेलन में जलवायु परिवर्तन के वर्तमान युग में संभावित पौष्टिक जैव संसाधन के रूप में समुद्री शैवाल पर एक पेपर प्रस्तुत किया।
- सुश्री अर्चना स्नेहासिनी तुरूक, एमफील छात्रा ने दिनांक १०-१२ मार्च २०१७ को पंडिचेरी विश्वविद्यालय, पंडिचेरी में चौथे भारतीय जैवविविधता कांग्रेस पर राष्ट्रीय सम्मेलन में महत्वपूर्ण जैव संसाधनों के रूप में सीवेडस और वैकल्पिक जीविका उत्पादन की जड़ पर एक पेपर प्रस्तुत किया ।

संकाय सदस्यों की अकादमिक गतिविधियाँ

डॉ. शरत कुमार पलिता

- दिनांक ४ फरवरी २०१७ को जीव विज्ञान विद्यापीठ, संबलपुर विश्वविद्यालय, ज्योति विहार, बुर्ला में जीव विज्ञान में तीन एम.फील ग्रंथ के लिए मूल्यांकक के रूप में नियुक्त हुआ और साक्षात्कार परीक्षा में उपस्थित रहा ।
- दिनांक १६ और १७ अप्रैल २०१६ को पूर्वी घाट के संरक्षण के लिए प्राणी विज्ञान विभाग, उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर और ग्रीन एलियांस फॉर कनजरवेशन ऑफ इस्टर्न घाट द्वारा आयोजित पूर्वी घाट के संरक्षण पर राष्ट्रीय सम्मेलन में भारत, ओडिशा के पूर्वी घाटों में देउमाल पहाडी क्षेत्रों की जैवविविधता का संरक्षण पर एक पेपर प्रस्तुत किया ।
- भारतीय मृदा और जल संरक्षण अनुसंधान केंद्र संस्थान, सुनाबेढा,कोरापुट द्वारा दिनांक १९ नवम्बर २०१६ को आयोजित ओडिशा में स्थानांतरण खेती स्थिति और मुदों पर कार्यशाला में तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की।
- दिनांक १३ तथा १४ अगस्त २०१६ को राजनीति विज्ञान विभाग, केंद्रापडा महाविद्यालय स्वायतशासी महाविद्यालय, केंद्रापडा, ओडिशा द्वारा आयोजित उच्च शिक्षा की गुणवत्ता पर यूजीसी प्रायोजित भारतीय राजनीति विज्ञान एसोसीएशन में उच्च शिक्षा की गुणवत्ता पर एक पेपर प्रस्तुत किया (एक संसाधन व्यक्ति के रूप में) ।
- अंतरराष्ट्रीय अनुसंधान पत्रिका का समीक्षक, अर्थात् जर्नल ऑफ थ्रेटेंड टाक्सा (जेओटीटी), भारत, जर्नल ऑफ मेराइन बायोलोजिकॉल एसोसीएशन (जेएमबीए), यूके, जर्नल ऑफ फरेस्टी रिसर्च, स्प्रिंगर (चीन), नई दिल्ली से प्रकाशित, सीएसआईआर-निस्केयार, जर्नल ऑफ एसिया पेसिफिक जैवविविधता (कोरिया) ।
- जनवरी २०१७ के दौरान सिलविकल्चर डिविजन, रायगडा (पर्यावरण तथा वन विभाग, ओडिशा सरकार) द्वारा वित्त पोषित कोरापुट रिसर्च रेंज के बिडाघाटी संरक्षण क्षेत्र में जैवविविधता का अध्ययन पर एक छोटा सा परियोजना का पर्यवेक्षण किया ।
- बीसीएनआर में एमफील डिग्री प्रदान करने के लिए चार छात्रों को मार्गदर्शन किया ।

प्रकाशन

पुस्तक : ओडिशा के चमगादड और एक पिक्टोरिएल हैंड बुक, ओडिशा जैव विविधता बोर्ड , भुवनेश्वर द्वारा प्रकाशित (आईएसबीएन : ९७८-८१ ९२७७९१-५-७) (सह-लेखक : एस. देवता और एस.बेहेरा)

पत्रिकायें

- ओड़िशा, भारत से लेसर फल्स वामपाइर के अतिरिक्त रिकार्ड - लेसेर फल्स वाम्पायर पर एक अनुसंधान पेपर । जूस प्रिंट जर्नल (२०१७) XXXII (१): २१-२५. आईएसएसएन ०९७१-६३७८ (प्रिंट); ०९७३-२५४३ (ऑनलाइन) (सह-लेखक : एस. देबता और ए.के. नायक)

- भारत, ओडिशा, कोरापुट के परजा जनजाति द्वारा पेचिस और दस्त के उपचार के लिए इस्तेमाल किये जा रहे औषधीय पौधों के फाइटोकेमिकॉल विश्लेषण। इंटरनेशनॉल जर्नल ऑफ हर्बल मेडिसीन (२०१७), ५(२): ०१-०४. (पी. टिकडर और डी.पंडा)।
- ओडिशा के कोरापुट जिले के आदिवासी लोग द्वारा साँप के लिए इस्तेमाल किये गए पौधें पर एक अनुसंधान पत्र । जर्नल ऑफ मेडिसिनॉल प्लांटस स्टडीज (२०१६), ४(६): ३८-४२. (सह-लेखक : एस एस कुमार, बी प्रधान और डी पंडा) ।
- भारत, ओडिशा, कोरापुट के परजा जनजाति लोगों के पारम्परिक औषधों में इस्तेमाल किए गए पौधों पर एक अनुसंधान पेपर प्रस्तुत किया । आदिवासी (अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति अनुसंधान तथा प्रशिक्षण संस्थान, भुवनेश्वर, ओड़िशा की पत्रिका). (२०१६), ५६ (१): १७-२५. आईएसएसएन: २२७७-७२४५. (सह लेखक : के. पात्र और डी. पंडा) ।

डॉ. काकोली बनर्जी

- दिनांक १५ से १६ सितम्बर २०१६ को एनआरएससी, हैदराबाद, महाकाश विभाग, भारत सरकार द्वारा आयोजित आईजीबीपी-वीसीपी चरण- ष्ठ द्वारा आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम /कार्यशाला आयोजित किया ।
- पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, भारत सरकार से तीन वर्षों (२०१६-२०१९) के लिए ओडिशा भितरकनिका के मैग्रोव इकोसिस्टम में कार्बन चक्रण पर अध्ययन के २७.४० लाख रुपये मंजूर हुआ है।
- वेजेटशन कार्बन पुल निर्धारण के तहत वेजेटेशन एंव बायोमैस मापदंड पर एनआरएससी निधि परियोजना के तहत अनुसंधान गतिविधियों करने के लिए और इसरो जीओस्पेयार बायोस्पेयार कार्यक्रम (आईजीबीपी) नेशनॉल कार्बन परियोजना (एनसीपी) के तहत रु. २,७९,१६९/- दूसरे वर्ष प्राप्त हुआ और ।
- सुश्री समिका साहु यूफ्रेटस परियोजना में दस महीने की अवधि के लिए परियोजना सहायक के रूप में तैनात हुई है ।
- २०१६ में जैवविविधता विज्ञान, इकोसिस्टम सेवा और प्रबंधन के अंतरराष्ट्रीय पत्रिका में अतिथि संपादकों में से एक के रूप में काम कर रहे हैं।
- जयपुर, ओडिशा, भारत में इनपुट डिलर्स (डीएइएसआई) के लिए कृषि विस्तारण सेवा में डिप्लोमा में प्रशिक्षण कार्यक्रम में २०१६ में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया था।
- कोरापुट जिला कृषि कार्यालय द्वारा आयोजित दिसम्बर २०१६ को विश्व मृतिका दिवस में संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया था ।
- डी पी एस, दामनजोडी, कोरापुट द्वारा विज्ञान प्रदर्शन में २०१६ में निर्णायक के रूप में आमंत्रित हुए थे ।
- वन विविधिता पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव पर एक वक्तव्य प्रदान किया और रायलसीमा विश्वविद्यालय, कुरनुल, आंध्र प्रदेश में २०१६ में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया था ।
- बीसीएनआर में एम.फिल डिग्री के लिए तीन छात्रों का मार्गदर्शन किया ।

प्रकाशन

पुस्तक : एनवारोनमेंटाल कोस्टगार्डस शीर्षक पर एक पुस्तक का प्रकाशन, सीएसआईआर-निस्केयार द्वारा प्रकाशित (आईएसबीएन : ९७८-८१-७२३६-३५२-९) (सह-लेखकगण : अभिजित मित्रा, जे. सुंदरसन और एस.के. अगरवाला) ।

पत्रिकायें

- एक्सोएसारिया आगलोछा : उच्च सालाइन क्षेत्र में कार्बन का भंडारण करने के संदर्भ में एक संभावित मंगल ग्रज प्रजाति शीर्षक पर एक अनुसंधान पेपर : जर्नल ऑफ इनवारोनमेंटाल साइंस, कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलोजी (२०१६), (२): ११५-१२०. इ-आइएसएसएन : २२७८-१७९X. आई एफ. ५.८५७ (सह-लेखकगण : जी. अमिन, पी. फाजिल, पी. परमाणिक, एस. जमन और ए. मित्रा) ।
- भारतीय सुंदरबन में आम समुद्री शैलियों की आस-पास की संरचना का मौसमी रूपांतर पर अनुसंधान पेपर । इंटरनेशनॉल जर्नल ऑफ लाइफ साइंसेस एंड साइंटिफिक रिसर्च । (२०१६), २(५): ५७०-५७८. आई एफ. २.४ (सह-लेखकगण : पी. परमाणिक, डी.बेरा, एस. जमन, और ए.मित्रा) ।
- गंगा के डेल्टा क्षेत्र में और आसपास दो खाद्य फिनफिश प्रजातियों की मांशपेशी में ँह, ण्ल और इं का संकेंद्रण । इंटरनेशनॉल जर्नल ऑफ लाइफ साइंस एंड फार्मा रिसर्च । (२०१६), ६(३): ११४-१२२. आईएसएसएन : २२५०-०४८० (सह लेखकगण : एस.चक्रवर्ती, एस.बिस्वास और ए.मित्रा) ।
- नीचले गंगा के डेल्टा में रहने वाले आम समुद्री शैवाल का जैव रासायनिक संरचना पर अनुसंधान प्रपत्र । समुद्र शैवाल संसाधन उपयोगिता : जलवायु बदलाव में इसका आडपसन । सीएसआईआर- राष्ट्रीय विज्ञान संचार और सूचना संसाधन संस्थान, नई दिल्ली (२०१६), पी पी ७६-९४. आईएसबीएन : ९७८-८१-७२३६-३४९-९. (सह-लेखकगण : आर. घोष और ए. मित्रा) ।
- समुद्री शैवाल आधारित मछली फीड: संस्कृति बाघ झींगा के लिए एक अभिनव दृष्टिकोण पर अनुसंधान पेपर । सीवीड रिसोर्स यूटिलाइजेशन : एन एडपटेशन टू क्लाइमेट चेंज। सीएसआईआर- राष्ट्रीय विज्ञान संचार और सूचना संसाधन संस्थान, नई दिल्ली (२०१६), पी पी.९५-१०५. आईएसबीएन : ९७८-८१-७२३६-३४९-९. (सह-लेखकगण : एस.बी. भट्टाचारजी, आर. घोष, ए.मलिक और मित्रा ए.) ।
- जैविक विविधता का संरक्षण : ए मल्टिस्केल एप्रोच। भारत, ओडिशा, कोरापुट जिले में वेजेटेशनॉल विविधता का विश्लेषण। रिसर्च इंडिया पब्लिकेशनस, नई दिल्ली, भारत (२०१६), पी पी..९३-११२. आईएसबीएन : ९७८-९३-८६१३८-००-२. (सह-लेखकगण : आर. राउल और जी. आर. खेमुंडु)
- कोरापुट के पेडों द्वारा कार्बन भंडारण : स्थानीय स्तर कार्बन डाइअक्साइड स्तर को ऑफसेट करने केलिए एक पहल । सुरक्षा कबच ए- संरक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण पर जर्नल'नाल्को (२०१६), खंड. २१, पी पी ४५-४७. (सह लेखकगण : आर. पाउल, ए. मानसिंह)
- भारतीय सुंदरबन में एक स्टेन्सिअस मैन्ग्राव प्रजातियों पर जलवायु परिवर्तन से प्रेरित लवणता भिन्नता पर शोध पत्र । आम्बिओ (२०१७), ४६:४९२-४९९. आई.एफ. २.९७३ (सह-लेखकगण : आर.सी. गति और ए.मित्रा) ।
- भारतीय सुंदरबन में प्रमुख मैंग्राव फूलों की प्रजातियों के एस्टेक्सनटिन स्तर पर शोध पत्र । एमओजे बायोअर्गानिक एंड अर्गानिक केमेस्ट्रि। (२०१७), १(२):०००००५-०००००८. मेडकार्ब पब्लिकेशन्स (सह लेखकगण : जी.आर. चौधूरी और ए.मित्रा) ।
- निचले गंगा डेल्टा क्षेत्र में भारी धातु के स्तर पर अम्लीकरण का प्रभाव पर शोध पत्र। बेसिक्स ऑफ एनवारोनमेंटाल साइंस, न्यू सेंटाल बुक एजेंसी द्वारा प्रकाशित । (२०१७), पी पी १७०-१७५. आईएसबीएन : ९७८-९७८-९३-५२५५-०६२-३. (सहलेखगण : अभिजित मित्र, तनमय राय चौधूरी और गघुल अमिन) ।

- लागत प्रभावी और पर्यावरण के अनुकूल चिंराट लाल समुद्री शैवाल कैटेनिएन रेपेन्स पर शोधपत्र, मौलिक पर्यावरण विज्ञान, न्यू सेंट्राल बुक एजेंसी द्वारा प्रकाशित (२०१७), पी पी. १८२-१९६. आईएसबीएन : ९७८-९३-५२५५-०६२-३ (सहलेखकगण : सुब्रो विकास भट्टाचार्या, और अभिजित मित्रा) ।
- भारतीय सुंदरवन की प्रमुख समुद्री शैवाल प्रजातियों में संगृहित कार्बन में बदलावह्न. बेसिक ऑफ एनवारनमेंटाल साइसं, न्यू सेंट्राल बुक एजेंसी द्वारा प्रकाशित (२०१७), पी पी. २०२ - २११, आईएसबीएन : ९७८-९३-५२५५-०६२-३. (सहलेखक : जे. सुंदरसेन, सजय विश्वास, प्रसननजीत परमाणिक और अभिजित मित्रा) ।

डॉ. देबब्रत पंडा
शैक्षणिक गतिविधियाँ

- दिनांक ८ मार्च २०१७ को राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली में नवाचार उत्सव-२०१७ में ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय की ओर से प्रतिनिधिवि किया है और सीयूओ की नवाचार गतिविधियों में भाग लिया ।
- दिनांक २७ अक्तूवर २०१६ को आईसीएआर-आईआईएसडब्ल्यू में ओडिशा राज्य में परिवर्तनशिल खेती की स्थिति और मुद्दे पर संसाधन व्यक्ति थे।
- दिनांक १-२ सितम्बर २०१६ को क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (एनसीइआरटी) में ग्रीन शिक्षा पर परियोजना के परामर्श बैठक में विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।
- दिनांक २१ अक्तूवर २०१६ को इनोवेशन क्लब, सीयूओ द्वारा आयोजित सृजनात्मकता और नवाचार पर एक दिवसीय संगोष्ठी में सृजनात्मकता और नवाचार पर एक व्याख्यान दिया ।
- दिनांक १९ नवम्बर २०१६ को ओडिशा राज्य में स्थानांतरण कृषि और मुद्दे पर भारतीय मृदा और जल संरक्षण अनुसंधान केंद्र, सुनाबेढा, कोरापुट द्वारा आयोजित कार्यशाला में भाग लिया । अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में पॉच समीक्षामूलक पत्रिकाओं में फिजिओलोजिका प्लाटारियम के रूप में काम किया, पीएलओएस वान, धान विज्ञान, पौधे विज्ञान और क्षेत्र फसल अनुसंधान में अग्रणी ।
- सीयूओ को एनएएसी पीयर टीम के परिदर्शन की प्रस्तुति सहायता करने के लिए कुलपति द्वारा एनएएसी मुख्य समिति सदस्य के रूप में नामित ।
- बीसीएनआर में एम.फील डिग्री के तीन छात्रों का मार्गदर्शन किया ।

प्रकाशन

- लिफ ट्रेटस एंड एंटीअक्सिडेंट डिफेंस फॉर ड्राउट टलेरेंस डयूरिंग अर्ली ग्रोत स्टेज इन सम पापुलर ट्रेडिशन राइस लैंडरेसस फ्रम कोरापुट, भारत पर एक शोध पत्र. धान विज्ञान, २०१७, २४(४): २०७-२१७ (सह-लेखक : एस. एस. मिश्रा) ।
- फ्लाइ ऐश और खनन मिट्टी के विकास और भारतीय जंगली चावल के रोगप्रतिरोध संरक्षण पर विभिन्न उपचार का प्रभाव पर एक शोधपत्र, इंटरनेशनॉल जर्नल फाइटोमेडिएशन, २०१७, १९(५): ४४६-४५२. (सह लेखक : एस. एस. बिषोई, एस. एस. मिश्रा और जे. बारिक) ।
- क्या डुबकी सहिष्णु मात्रात्मक विशेष गुण (एसयूबी-१) के साथ चावल कटाई प्रजनन चरण के दौरान बेहतरा जलमग्न तनाव का प्रबंधन कर सकते हैं ? पर एक शोधपत्र, आर्काइबस ऑफ एग्रोनोमी एंड सएल साइंस २०१७, ६३(७): ९९८-१००८. (सह लेखक : ए राय और आर के सरकार) ।
- कोरापुट, ओडिशा, भारत के परजा जनजाति द्वारा पेचिश और दस्त के लिए औषोधिय पौधों के फाइटोकैमिकल विश्लेषण पर शोधपत्र प्रकाशित हुआ । इंटरनेशनॉल जर्नल ऑफ हरबॉल मेडिसीन, २०१७, ५(२): ०१-०४. (सहलेखक : पी. टिकादार और एस.के. पालित)
- भारत , ओडिशा, कोरापुट जिले के परजा जनजाति द्वारा पेचिस और दस्त के इलाज के लिए औषधीय पौधों के फाइटोकैमिकॉल विश्लेषण पर शोधपत्र, जर्नल ऑफ मेडिसिनॉल प्लांटस स्टडीज ४(६): ३८-४२. (सह लेखकगण : एस एस कुमार, बी. प्रधान और एस के पालित) ।
- मेघालय में हेवे ब्रास्लीएंसि की मातृ क्लोन की तैयारी को पहचानने के लिए आधा सिबा संतानों के मूल्यांकन पर अध्ययन पर शोधपत्र ; इंटरनेशनॉल जर्नल ऑफ बायो रिसोर्स एंड स्ट्रेस मैजेजमेंट, २०१६, ७(५):१०६३-१०६७. (सहलेखकगण : यू. चंद्र, एम. जे.रेजू, आर.पी. सिंह और जी. दास)

वाणिज्य तथा प्रबंधन अध्ययन विद्यापीठ

व्यवसाय प्रबंधन विभाग

व्यवसाय प्रबंधन विभाग का आरंभ शैक्षणिक सत्र २०१४-१५ से हुआ है जिसका लक्ष्य है अविभाजित कोरापुट जिले की रोजगार की जरूरतों को पूरा करना है ।

विजन

- रोजगार एवं उद्यमिता के विकास करते हुए गुणात्मक शिक्षा प्रदान करने के लिए एक उत्कृष्ट विभाग होना ।
- युवा उद्यमियों और प्रबंधकों सृजन करना और प्रशिक्षण देना है जो सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक क्षेत्रों में राष्ट्र तथा राज्य के विकास में योगदान देगा और सेवा करेगा ।

विभाग

१.	मुख्य का नाम	**डॉ. ए. मोहन मुरलीधर,** व्याख्याता ठेके पर **तथा विभागीय मुख्य प्रभारी**
२.	संपर्क विवरण	व्यापार प्रबंधन विभाग, केन्द्रीय विश्वविद्यालय ओड़िशा, सुनाबेड़ा, कोरापुट-७६४०२३, ओड़िशा, ई-मेल: bbsrmohan@yahoo.co.in
३.	शिक्षण सदस्य एवं उनकी योग्यता	१. डॉ. ए. मोहन मुरलीधर, एम.ए. व्यवसाय प्रबंधन (एमबीए), पीएच.डी. (प्रबंधन), यूजीसी-नेट (प्रबंधन), व्याख्याता ठेके पर २. श्री प्रीतिश बेहेरा, एमबीए, एमएफएम, यूजीसी-नेट (प्रबंधन), व्याख्याता ठेके पर ३. डॉ. ललाटेंदु केशरी जेना, पीएच.डी. (आईआइी, खडगपुर) एम. ए. (आईआर एंड पीएम), एम.फील. (आईआरपीएम), एम.ए. (डीइ), यूजीसी-जेआरएफ (एचआरएम) पीजीडीएचआरएम, डिप्लोमा (टी एंड डी) फेलो (एशियान एचआर बोर्ड),व्याख्याता ठेके पर ४. सुश्री सुमन मिश्रा, एमबीए (वित्त), यूजीसी नेट (प्रबंधन), व्याख्याता ठेके पर
४	विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रम:	दो वर्षीय एम.बी.ए. विशेष रूप से वित्त, मानव संसाधन और विपणन में

विभाग की अकादमिक गतिविधियाँ

- दिनांक २५ मार्च २०१७ को पाठ्यक्रम की करिक्यूलम को नालको, दामनजोड़ी का दोनों सेमीस्टर के छात्रों ने परिदर्शन किया ।
- दिनांक ११ फरवरी २०१७ को " प्रबंधन परिवर्तन में एचआर प्रबंधक की भूमिकाह्न पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया। श्री टी. विद्यासागर, महाप्रबंधक (एचआरडी), जे.के. पेपर मिल्स, रायगडा ने इस संगोष्ठी वार्ता प्रदान किया ।

अनुप्रयुक्त विज्ञान विद्यापीठ

सांख्यिकी विभाग

सांख्यिकी विभाग की स्थापना वर्ष २०१५-१६ को ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय के अनुप्रयुक्त विज्ञान विद्यापीठ के तत्वावधान में हुआ है। इस विभाग का लक्ष्य है छात्रों को सांख्यिकी के उन क्षेत्रों के सैद्धांतिक तथा व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करना है जो न केवल उनमें बोलना प्रारंभ करेंगे बल्कि उनको उद्योगों, अनुसंधान संगठनों और शैक्षणिक आदि जैसे क्षेत्रों में उनके रोजगार के लिए कौशल बढाएगा।

यह विभाग नवीनतम डेटा विज्ञान टूल जैसे कि आर, पायथन, ओक्टैव, साइलैब आदि में छात्रों के लिए कठोर प्रशिक्षण और जोखिम प्रदान करता है ताकि उन्हें सांख्यिकीय डेटा विश्लेषण करने में सक्षम बनाया जा सकें।

इसका मूल विचार यह है कि छात्रों को सांख्यिकीविद के रूप में स्थानांतरिक करना जो कि सरकार में काम कर सकते हैं और कॉरपोरेट कार्यालयों के साथ साथ समाज के नवीनतम चुनौतियों में शोध कार्यों को भी कर सकते हैं जैसे कि आनुवंशिकी जैसे विभिन्न विषयों पर आवेदन, छात्रों को लागू क्षेत्रों में सामाजिक विकास का एक साधन माना जाता है।

विजन

- राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उभरती तकनीकी की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए मजबूत सांख्यकीय /गाणितिक पृष्ठभूमि प्रदान करना है।
- छात्रों को अन्तिम विश्लेषणात्मक उपकरणों से प्रशिक्षित कराना है जैसे कि एसएएस, आर एवं मतलब आदि । जो दोनों विश्लेषणात्मक के साथ साथ फार्मासियूटिकॉल क्षेत्रों में एनएनसी रोजगार के लिए अतिआवश्यक है ।
- राष्ट्रीय स्तर के परीक्षाएं जैसे कि आईएसआई, आईएसएस, डीआरडीओ आदि में उत्तीर्ण होने के लिए छात्रों को उचित मार्गदर्शन तथा प्रशिक्षण प्रदान करना है ।
- उन छात्रों को अंतर विषयक पाठ्यक्रमों के प्रति उत्साहित करना है जो राष्ट्र के लिए आवश्यक है ।
- डीएसटी-एफआइएसटी, यूजीसी-एसएपी कार्यक्रम के लिए आवेदन करना ।
- अग्रणी राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में गुणवत्ता अनुसंधान लेखों को उत्पन्न करना ।

विभाग

१.	मुख्य का नाम	**डॉ. महेश कुमार पंडा, सहायक प्रोफेसर तथा विभाग मुख्य**
२.	संपर्क विवरण	सांख्यिकी विभाग, केन्द्रीय विश्वविद्यालय ओड़िशा, सुनाबेड़ा, कोरापुट-७६४०२३ ओड़िशा, ई-मेल: mahesh2123ster@gmail.com
३.	शिक्षण सदस्य एवं उनकी योग्यता	१. डॉ. महेश कुमार पंडा, एम.एसएसी, एम.फील., पीएचडी, सहायक प्रोफेसर २. सुश्री स्वागतिका प्रधान, व्याख्याता ठेके पर
४.	विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रम:	अनुप्रयुक्त सांख्यिकी तथा सूचना विज्ञान में एमएस.सी (२ वर्ष)

विभाग की शैक्षणिक गतिविधियाँ

- दिनांक १ मार्च २०१७ को बाघ की संख्या का आकलन कुल : प्रश्न, उत्तर और आगे सवाल पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया । इस संगोष्ठी में वक्ता के रूप में प्रो. देवाशिष सेनगुप्ता, अनुप्रयुक्त सांख्यिकी यूनिट, भारतीय सांख्यिकीय संस्थान थे ।
- आईएसआई (कोलकाता), गणित विज्ञान संस्थान (भुवनेश्वर) आदि जैसे प्रमुख संस्थानों से एक महीने के लिए चार एमएससी छात्रों ने प्रथम बैच के अपना इंटर्नशिप पूरा किया ।
- प्रो. जितेंद्र संरगी, सेवानिवृत्त पोफेसर सांख्यिकी विभाग, उत्कल विश्वविद्यालय ने दिनांक ०३.०४.२०१६ से ०६.०४.२०१६ तक बेसीएन इंटरफेस और सांख्यिकी निर्णय पर व्याख्यान माला प्रदान किया ।

संकाय सदस्यों की अकादममिक गतिविधियाँ

डॉ. महेश कुमार पंडा

- एक महीने की अवधि के लिए गणित विज्ञान विभाग, विलिनियस विश्वविद्यालय, लिथुआनिया में अनुसंधान तथा शिक्षण के लिए शिक्षण वर्ग के वर्ग में यूफ्रेटस छात्रवृत्ति (२५००) प्राप्त किया ।
- दिनांक २०-२१ जून २०१६ को विलनियस जेडीमिनास तकनीकी विश्वविद्यालय में आयोजित लिथुएनिएन गणितविज्ञान सोसाइटी के ५७वें सम्मेलन में प्रगतिशील टाइप - ष्ठ सेंसरिंग के तहत वीबुल वितरण के लिए भविष्य में विफलता का अनुमान पर एक पेपर प्रस्तुत किया ।

प्रकाशन

- चार पैरामीटर सामान्यीकृत गामा विरतण के क्रम आंकड़ों के क्षणों के लिए एक स्पष्ट अभिव्यक्ति पर एक शोध पत्र प्रकाशित हुआ है , प्रोबोस्टेट फोरम में प्रकाशित हुआ है, पी पी २७-३३।

केंद्रीय पुस्तकालय

केंद्रीय पुस्तकालय विश्वविद्यालय की शैक्षणिक तथा अनुसंधान गतिविधियों के लिए सूचना सहायता प्रदान करने केंद्रीय सुविधाओं में से एक है। पुस्तकालय की स्थापना वर्ष २००९ में हुई थी और वर्तमान दो परिसरों में काम कर रहा है (एक लांडीगुडा परिसर में और दूसरा मुख्य परिसर, सुनाबेढा में है) । पुस्तकालय का स्वचालन ओपन सोर्स एकीकृत पुस्तकालय प्रबंधन सॉफटवेयार कोहा की सहायता किया जा रहा है। पुस्तकालय का प्रबंधन एक सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष से किया जा रहा है उन्हें एक जेपीए और छ: सहायक कार्मिक दिया गया है। पुस्तकालय सभी कार्य दिवसों में सुबह ९.०० बजे से शाम ६.०० बजे तक खुला रहता है।

पुस्तकालय संग्रहण

यद्यपि पुस्तकालय आठ सालों की पुरानी है तथापि विश्वविद्यालय के विद्यार्थी तथा संकायों के अनुरूप है। पुस्तकालय ने २९२६१ पुस्तकें, ९००० ई-पत्रिका ई-सिंधु (उच्च शिक्षा इलेक्ट्रोनिक संसाधन का एक कन्सोरटियम) के माध्यम से पठनीय, संदर्भ पुस्तकें, सीरियल्स, शोधग्रंथ और शोधनिबंध और पत्रिकाओं के पुराने अंक आदि खरीदा है । वित्तीय वर्ष २०१६-१७ के दौरान पुस्तकालय ने ४५७५ नयी पुस्तकें खरीदा है। पुस्तकालय ने कैलेंडर वर्ष २०१७ के लिए ९१ प्रिंट पत्रिकाओं खरीदने के लिए नवीकरण किया है।

नयी सेवाएं

वर्ष २०१६-२०१७ के दौरान केंद्रीय पुस्तकालय के उपयोगकर्ताओं निम्नलिखित नयी सेवाएं प्रदान की गयी हैं :

क. *रिमोट आसेस फेसिलीटी ऑफ इ-रिसोर्स* : केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा दी गयी रिमोटेक्स सुविधा के माध्यम से किसी भी समय और कहीं भी हमारे सभी ई-रिसोर्स तक पहुंचा जा सकता ।

ख. *संस्थागत डिजिटाल रिपोजिटॉरी* : डेसपेस सॉफ्टवेयार का इस्तेमाल करते हुए हमारे विश्वविद्यालय के बौद्धिक उत्पादन का एक भंडार बनाया गया है ।

ग. *पुस्तकालय का नया वेबसाइट* : उपयोगकर्ताओं को अंतिम सूचना प्रदान करने के लिए पुस्तकालय ने अपना नया वेबसाइट विकसित किया है।

घ. *ऑनलाइन पब्लिक ऑसेस कैटलॉग* : केंद्रीय पुस्तकालय अपना वेब-ओपीएसी विकसित किया है जो इंटरनेट पर उपलब्ध हैं

ङ. *स्वचालित वितरण* : बार कोडिंग सुविधा के माध्यम से सभी लेने देन (लेना और देना) किया जा रहा है ।

च. *दस्तावेज प्रदान सेवा* : जो संसाधन हमारे पुस्तकालय में उपलब्ध नहीं है उपयोगकर्ताओं की मांग के अनुसार उनके ई-मेल के माध्यम से प्रदान की जाती है।

छ. *सीसीटीवी कैमरा* : पुस्तकालय में अपने संसाधनों की उचित निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरा की स्थापना की गयी है।

ज. *उपयोगकर्ता अभिमुखिकरण कार्यक्रम* : पुस्तकालय अपने संसाधनों का उचित उपयोग के लिए अपने उपयोगकर्ताओं को पुस्तकालय अभिमुखिकरण कार्यक्रम निरंतर प्रदान करता है।

सदस्यता शक्ति

विश्वविद्यालय का पुस्तकालय अपने दो परिसरों में काम कर रहा है इसके पास छात्र, शोधार्थी, संकाय सदस्य और गैर-शिक्षण कर्मचारियों को मिलाकर कुल ८५० उपयोगकर्ता को सेवा प्रदान करता है हैं । अपने सदस्यों के अलावा, पुस्तकालय भी अन्य शैक्षणिक और अनुसंधान संस्थानों के विद्वानों और दर्शकों की जरूरतों को पूरा करता है।

कार्य समय

विविध जरूरतों और अपने उपयोगकर्ताओं की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए, विश्वविद्यालय का पुस्तकाल सभी कार्यो दिवस पर सुबह ०९:३० से अप. ०६.०० बजे तक खुला रहता है।

यूजीसी इनफोने डीएल कंर्सोटियम के माध्यम से प्राप्त ई-संसाधन की सूची (आईपी आधारित)

केंद्रीय पुस्तकालय निम्नलिखित ई-संसाधनों को प्राप्त कर सकता है और जिसे सीयूओ के लांडिगुड़ा परिसर में प्राप्त किया जा सकता है

पूर्ण पाठ डाटाबेस

(सीयूओ के लांडिगुडा तथा सुनाबेड़ा पारिसर में प्रोक्सी के माध्यम से पहुंच)

(किसी अन्य अंक की प्रति के लिए कृपया संपर्क करें ncsipradhan@gmail.com]

क्रमांक	उत्पाद	यूआरएल	फर्माट
१.	केम्ब्रीज यूनिवर्सिटी प्रेस	http://journals.cambridge.org/	ऑनलाइन
२.	इकोनोमिक एंड पलिटिकॉल विकली	http://epw.in/	ऑनलाइन
३.	एमरार्लाड	http://www.emeraldinsight.com/	ऑनलाइन
४.	इंस्टीच्यूट ऑफ फिजिक्स	http://iopscience.iop.org/journals	ऑनलाइन
५.	आईएसआईडी	http://isid.org.in/	ऑनलाइन
६.	जेसीसीसी	http://jgateplus.com/search	ऑनलाइन
७.	जेएसटीओआर	http://www.jstor.org/	ऑनलाइन
८.	मैथसाइंसनेट	http://www.ams.org/mathscinet/	ऑनलाइन
९.	ऑक्सफर्ड विश्वविद्यालय प्रेस	http://www.oxfordjournals.org/	ऑनलाइन
१०.	प्रोजेक्ट म्युयज	http://muse.jhu.edu/journals	ऑनलाइन
११.	साइंस डाइरेक्ट (दस विषयों पर संगृहित)	http://www.sciencedirect.com/	ऑनलाइन
१२.	स्प्रिंगर लिंक	http://www.springerlink.com/	ऑनलाइन
१३.	टेलर एंड फ्रांसिस	http://www.tandfonline.com/	ऑनलाइन
१४.	विले-ब्लॉकवेल	http://onlinelibrary.wiley.com/	ऑनलाइन

भविष्य की योजनायें

आने वाले दिनों में, विश्वविद्यालय का पुस्तकालय सुनाबेढा स्थित परिसर में अलग भवन जाएगा और उसमें सभी प्रकार की आधुनिक सुविधायें रहेंगी । केंद्रीय पुस्तकालय में चौबिस घंटे पढ़ने की सुविधा रहेगी, उपयोगकर्ताओं के लिए सभी आधुनिक सुविधायें रहेंगी, दिव्यांग व्यक्तियों के लिए एक टर्किंग प्रयोगशाला स्थापित होगी और यूजीसी-इनफ्लोनेट डिजिटॉल लाइब्रेरी कॉन्सोरटियम के माध्यम से इ-संसाधन पहुंचने के लिए विशेष इंटरनेट प्रयोगशाला की स्थापना होगी । केंद्रीय पुस्तकालय सभी एम.फील ग्रंथ और पीएच.डी. शोधग्रंथ को इलेक्ट्रोनिक रूप में रखने के लिए अपना इटीडी (इलेक्ट्रोनिक थेसिस एंड डिजरटेशन) सेटअप करेंगा । इलेक्ट्रोनिक रूप से सीयूओ की सभी घटनाओं को रखने के लिए सीयूओ के एक अभिलेख तैयार करने की योजना भी है।

लोक संपर्क कार्यालय

लोक संपर्क अधिकारी के रूप में डॉ. फगुनाथ भोई की नियुक्ति के बाद ही विश्वविद्यालय में पूर्ण लोक संपर्क विभाग का आरंभ वर्ष २०१२ में हुआ था । उनके नेतृत्व में लोक संपर्क विभाग विश्वविद्यालय के प्रवक्ता के रूप में विश्वविद्यालय के बहुत ही महत्वपूर्ण कार्य संपादित करता है। यह विभाग सतत मीडिया संपर्क और विश्व मीडिया के साथ सुसंपर्क रखा है। यह विभाग विश्वविद्यालय के विभिन्न समरोहों पर प्रेस विज्ञप्ति जारी करता है और प्रकाशन के लिए विभिन्न मीडिया और समाचार पत्र को भेजता है। यह विभाग मीडिया परिदर्शन के लिए सुविधा प्रदान करता है।

लोक संपर्क विभाग विश्वविद्यालय का न्यूजलेटर, वार्षिक प्रतिवेदन, डाएरी और कैलेंडर तैयार करता है । विश्वविद्यालय के कार्यक्रमों का दस्तावेजीकरण इस विभाग द्वारा बनाया जा रहा है । यह विभाग विश्वविद्यालय के विभिन्न हितधारकों से संपर्क करता है जैसे कि क्षेत्रीय तथा राष्ट्रीय स्तर पर संपर्क, निर्वाचित प्रतिनिधि, स्थानीय नेताओं, विशिष्ट शिक्षाविदों और देश के विद्वानों, उद्योगों, मीडिया और अन्य शैक्षणिक संस्थानों आदि। यह विभाग छात्र कार्य व्यापार का देखभाल करता है।

यह कार्यालय कुलपति के कार्यालय से जुड़ा हुआ है और कुलपति के विभिन्न कार्यक्रमों से समन्वय बनाता रहता है। लोक संपर्क कार्यालय को अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है जैसे कि एमएचआरडी की पोर्टल एमएचआरडी के विश्वविद्यालय पोर्टल और लोक शिकायत के लिए नोडल अधिकारी । विश्वविद्यालय का वेबसाइट लोक संपर्क विभाग के तत्वावधान में चलता है । यह विभाग अग्रणी उद्योगों से समझौता हस्ताक्षर करने के लिए पहल करता है।

शैक्षणिक वर्ष २०१६-१७ के दौरान लोक संपर्क विभाग ने अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया था और अनेक क्षेत्रीय भाषा के समाचार पत्रों के साथ साथ अंग्रेजी, हिंदी और तेलुगू समाचार पत्रों और राज्य के विभिन्न वेबसाइटों पर प्रकाशित हुआ था। उन कार्यक्रमों में शामिल है अंतरराष्ट्रीय योग दिवस-२०१६, विश्वविद्यालय में पुस्तक प्रदर्शन, स्वतंत्रता दिवस समारोह-२०१६, ८वें स्थापना दिवस समारोह, आखों की बीमारी : यात्रा के अलावा बिस्तर विज्ञान पर सीयूओ प्रतिष्ठित व्याख्यान, योग फेस्ट-२०१६, सीयूओ-एचएल प्रतिष्ठित व्याख्यान बदलती विश्व में सांस्कृतिक कूटनीति पर, वीडियो कनफरेंसिंग के माध्यम से नवाचार : जीवन का एक मार्ग पर महामहिम राष्ट्रपति जी का अभिभाषण, स्वराज और विभाजित गणतंत्र : श्री अरबिंद के नये भारत का सपने पर चौथे सीयूओ-एचएएल प्रतिष्ठित व्याख्यान, विस्वास सहित जीवन की चुनौतियों का सामना करना विषय पर एक संगोष्ठी, स्वच्छता पखवाड़ा, हिंदी डिवस के अवसर पर राष्ट्र भाषा हिंदी की चुनौतियां और संभावनायें पर एक विशेष व्याख्यान, संस्कृत पर विशेष व्याख्यान, नवाचार और सृजनात्मकता -दैनिक जीवन में नवाचार कैसे करें शीर्षक पर एक संगोष्ठी, कविता क्लब और नाटक क्लब का उद्घाटन, संविधान दिवस, विडियो कनफरेंसिंग के माध्यम से स्वस्थ मानव और स्वस्थ समाज गठन, ६८वें गणतंत्र दिवस, मातृभाषा दिवस, राष्ट्रीय विज्ञान दिवस, अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस, सांस्कृतिक दिवस और केंपस नियोजन आदि ।

इस शैक्षणिक सत्र में, विश्वविद्यालय की विभिन्न गतिविधियों को अनेक प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रोनिक मीडिया, और वेबसाइट पर स्थान दिया है। ३४,२१५.४२ वर्ग मीटर स्थापित सबसे अधिक वितरित समाचार पत्रों में स्थान मिला है । यदि उसी को विज्ञापन के रूप में प्रकाशित किया जाता तो उसकी लागम लगभग एक करोड़ रुपया होगा। इस साल लगभग ४३ कार्यक्रमों को समाचार पत्रों में स्थान मिला है। विश्वविद्यालय ने लोक संपर्क अधिकारी के माध्यम से २० विज्ञापनों को प्रकाशित किया है।

परीक्षा अनुभाग

विषय वार परिणाम का विश्लेषण २०१५-१६

क्रमांक	चौथे सेमेस्टर का विषय	कुल उपस्थिति	कुल उत्तीर्ण	उत्तीर्ण की प्रतिशतता
१	ओड़िआ में एम.ए.	२७	२७	१००
२	अंग्रेजी में एम.ए.	२३	२३	१००
३	मानव विज्ञान में एम.ए./एम.एससी.	५	५	१००
४	समाज विज्ञान में एम.ए.	३३	३३	१००
५	पत्रकारिता तथा जनसंचार में एम.ए.	१७	१७	१००
६	एकीकृत गणित विज्ञान में एम.एससी.१० वां सेमेस्टर	९	९	१००
७	अर्थशास्त्र में एम.ए.	२४	२४	१००
८	जैव विविधता तथा प्राकृतिक संसाधन संरक्षण में एम.एससी.	२०	२०	१००

शैक्षणिक सत्र २०१५-१६ (अंतिम सेमेस्टर-२०१६) के लिए विभाग वार अब्बलों की सूची

१. मधुस्मिता जेना और मधुस्मिता रथ, ओडिया में एम.ए.
२. बिंध्यरानी भोई, अंग्रेजी में एम.ए.
३. चंदन कुमार दास, मानव विज्ञान में एम.एससी
४. मिली स्वांई , समाज विज्ञान में एम.ए.
५. आरधना कुकारी सिंह और पदमजा प्रियदर्शीनी, जे.एम. सी. में एम.ए.
६. अजित कुमार साहु, गणित विज्ञान में एम.एससी.
७. रंजुलता कंहर, अर्थशास्त्र में एम.ए.

राष्ट्रीय फेलोशिप के विजेता

क्रमांक	नाम	शैक्षणिक सत्र	पठ्यक्रम	विभाग	श्रत्रवृत्ति का नाम
१	इरशाद खान	२०१३-१४	पीएच.डी.	मानव विज्ञान	यूजीसी- मौलाना आजाद राष्ट्रीय छात्रवृत्ति
२	राजेश्वर महारणा	२०१३-१४	पीएच.डी.	मानव विज्ञान	आईसीएसएसआर-डॉक्टरॉल छात्रवृत्ति
३	नीलिश पांडे	२०१३-१४	पीएच.डी.	जेएंडएमसी	आईसीएसएसआर-डॉक्टरॉल छात्रवृत्ति

क्रमांक	नाम	शैक्षणिक सत्र	पठ्यक्रम	विभाग	श्त्रवृत्ति का नाम
४	रश्मि पूजा निकुंज	२०१३-१४	पीएच.डी.	जेएंडएमसी	राजीव गांधी राष्ट्रीय छात्रवृत्ति
५	लक्ष्मीप्रिया पात्र	२०१३-१४	पीएच.डी.	डीइएलएल	यूजीसी नेट जेआरएफ
६	रजनी पादल	२०१४-१५	पीएच.डी.	मानवविज्ञान	राजीव गांधी राष्ट्रीय छात्रवृत्ति
७	सिलि राउत	२०१४-१५	पीएच.डी.	मानवविज्ञान	यूजीसी राष्ट्रीय छात्रवृत्ति-ओबीसी के लिए
८	गोपाल राज खेमुंडु	२०१४-१५	पीएच.डी.	बीसीएनआर	राजीव गांधी राष्ट्रीय छात्रवृत्ति
९	पॉली टिकदार	२०१४-१५	पीएच.डी.	बीसीएनआर	राजीव गांधी राष्ट्रीय छात्रवृत्ति
१०	राकेश पाउल	२०१४-१५	पीएच.डी.	बीसीएनआर	डीएसटी-इनस्पायर छात्रवृत्ति
११	मुहम्मद अमीर पासा	२०१४-१५	पीएच.डी.	जेएंडएमसी	यूजीसी- मौलाना आजाद राष्ट्रीय छात्रवृत्ति
१२	घोबिंद बल	२०१५-१६	पीएच.डी.	बीसीएनआर	राजीव गांधी राष्ट्रीय छात्रवृत्ति
१३	रमेश कुमार मलिक	२०१६-१७	एम.फील.	डीइएलएल	यूजीसी नेट जेआरएफ
१४	युगोल प्रकाश कोरकारा	२०१६-१७	एम.फील.	मानव विज्ञान	यूजीसी राष्ट्रीय छात्रवृत्ति-ओबीसी के लिए
१५	दीपिका टाकरी	२०१६-१७	पीएच.डी.	मानव विज्ञान	राजीव गांधी राष्ट्रीय छात्रवृत्ति
१६	जे. रंजिता	२०१६-१७	पीएच.डी.	मानव विज्ञान	राजीव गांधी राष्ट्रीय छात्रवृत्ति
१७	आइन लातिफ	२०१६-१७	एम.फील.	बीसीएनआर	यूजीसी- मौलाना आजाद राष्ट्रीय छात्रवृत्ति
१८	सुप्रिया सुचरिता	२०१७-१८	पीएच.डी.	बीसीएनआर	डीएसटी-इनस्पायर छात्रवृत्ति
१९	अर्चना सिहासिन तुरुक	२०१७-१८	पीएच.डी.	बीसीएनआर	डीएसटी-इनस्पायर छात्रवृत्ति
२०	दमयंती बेहेरा	२०१७-१८	पीएच.डी.	डीइएलएल	यूजीसी नेट जेआरएफ

जेएंडएमसी- पत्रकारिता तथा जन संचार, बीसीएनआर- जैवविविधता तथा प्राकृतिक संसाधन संरक्षण, डीइएलएल- अंग्रेजी भाषा तथा साहित्य विभाग

वर्ष २०१५-१६ के दौरान विश्वविद्यालय द्वारा एम.फील एवं पीएच.डी डिग्री पुरस्कृत संकाय वार संख्या

संकाय कोड	यूजीसी संकाय समूह	अनुसंधान का स्तर			
		पीएचडी		एमफील	
		पुरुष	महिला	पुरुष	महिला
(१)	(२)	(३)	(४)	(५)	(६)
१.	मानव विज्ञान विभाग	०	०	६	०
२.	ओड़िआ विभाग	०	०	२	२
३.	जे एंड एम सी विभाग	०	०	२	१
४.	समाज विज्ञान विभाग	०	०	२	२
५.	बीसीएनआर विभाग	०	०	०	०
६	अंग्रेजी विभाग	०	०	१	२

छात्रावास

विश्वविद्यालय अपने मुख्य परिसर में दो छात्रावास लडकों के लिए छात्रावास और लड़कियों के लिए छात्रावास प्रदान करता है । प्रत्येक छात्रावास की क्षमता २४० है। अपने मुख्य परिसर में लड़कों के लिए छात्रावास १० जुलाई २०१६ से शुरू हो गया है और अपने परिसर में लड़कियों के लिए छात्रावास ३ सितम्बर २०१६ से शुरु हो चुका है। विश्वविद्यालय के चाहने वाले छात्रों और विद्वानों आदि सभी को छात्रावास सुविधा दी जाती है ।

वर्ष २०१६-१७ के दौरान हॉस्टेल आवास का ब्यौरा

वर्ग	लड़कों का हॉस्टेल	लड़कियों का हॉस्टेल
सामान्य	७९	११०
ओबीसी	८४	६७
एससी	४३	३०
एसटी	२३	०९
पीएच	०५	०३
कुल	२३४	२१९

वार्डनों का परिषद :
अध्यक्ष : प्रो. भवानी प्रसाद रथ
मुख्य वार्डन : डॉ. कपिल खेमुंडु
लड़कों का हॉस्टेल :
वार्डन : डॉ. आदित्य केशरी मिश्रा
सहायक वार्डन : श्री अमरेश आचार्य
लड़कियों का हॉस्टेल :
वार्डन : डॉ. सागरिका मिश्रा
सहायक वार्उन : डॉ. शताब्दी बेहेरा

शैक्षणिक केलेण्डर (२०१६-२०१६)

घटनाएँ	मानसून सत्रांत	शीतकालीन सत्रांत
छुट्टी के बाद पुन:खोल	**शिक्षकों के लिए** : 10th July, 2017 (Mon) **छात्रों के लिए** : 17th July, 2017 (Mon)	**शिक्षकों के लिए** : 4th Jan, 2018 (Thu) **छात्रों के लिए** : 4th Jan, 2018 (Thu)
पंजीकरण	17th -21st July , 2017 (Mon- Fri) (3rd ,5th, 7th & 9th Semester)	4th – 10th Jan, 2018 (Thu -Wed) (All Semesters)
विलम्ब शुल्क सहित पंजीकरण	24th July– 1st Aug, 2017 (Mon – Tue)	11th – 19th Jan, 2018 (Thu - Fri)
कक्षा शुरु	17th July, 2017 (Mon) (3rd ,5th, 7th & 9th Semester)	4th Jan, 2018 (Thu) (All Semesters)
पाठ्यक्रम जोउ/परिवर्तन के लिए अंतिम तिथि	24th July, 2017 (Mon)	11th Jan, 2018 (Thu)
पाठ्यक्रम ड्राप के लिए अंतिम तिथि	20th Nov, 2017 (Mon)	23rd April, 2018 (Tue)
पूरक/सुधार/विशेष पूरक परीक्षा के लिए आवदेन सहित निर्धारित शुल्क चालान के लिए अंतिम तिथि	18th July, 2017 (Tue)	5th Jan, 2018 (Fri)
पूरक/सुधार /विशेष पूरक परीक्षा	19th – 25th July, 2017 (Wed – Tue) (For 2nd/4th/6th/8th/10thsemesters)	8th-12th Jan, 2018 (Mon – Fri) (For 1st/3rd/5th/7th/9thsemesters)
पूरक/सुधार /विशेष पूरक परीक्षा परिणाम घोषणा	28th July, 2017 (Fri)	17th Jan, 2018 (Wed)
रिपिट परीक्षा के लिए निर्धारित शुल्क चैलन सहित आवेदन की अंतिम तिथि	4th Aug, 2017 (Friday)	24th Jaunary, 2018 (Wed)
१ मिड टर्म परीक्षा*	17th – 23rd Aug, 2017 (Thu-Wed)	5th – 10th Feb, 2018 (Mon-Sat)
२ मिड टर्म परीक्षा *	18th – 23rd Sept, 2017 (Mon-Sat)	5th - 10th Mar, 2018 (Mon-Sat)
मिड टर्म रिसेस	25th Sept. –6th Oct, 2017 (Mon-Fri)	————
३ मिड टर्म परीक्षा *	6th Nov-11th Nov, 2017 (Mon-Sat)	6th -12th April, 2018 (Fri-Thu)
कक्षाओं की अंतिम तिथि	5th Dec, 2017 (Tue)	16th May, 2018 (Wed)
उपस्थिति शीट प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	5th Dec, 2017 (Tue)	16th May, 2018 (Wed)
अंतिम सेमेस्टर परीक्षा	7th -15th Dec, 2017 (Thu-Fri)	18th – 28th May, 2018 (Fri-Mon)
परीक्षा नियंत्रक के कार्यालय को अंक तथा ग्रेड प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	20th Dec, 2017 (Wed)	31st May, 2018 (Thu)
परिणाम घोषणा	29th Dec, 2017 (Fri)	8th Jun, 2018 (Fri)
अवकाश	**छात्रों के लिए** : 18th Dec, 2017 – 3rd Jan, 2018 (Mon– Wed) **शिक्षकों के लिए** : 21st - Dec, 2017 – 3rd Jan, 2018 (Thu – Wed)	**छात्रों के लिए** : 29th May – 13th July, 2018 (Tue – Fri) **शिक्षकों के लिए** : 1st Jun,– 13th July, 2018 (Fri – Fri)

* मिड टर्म परीक्षा पूरा होने के बाद, शेष समय इन दिनों की कक्षाएं समय सारणी के अनुसार ली जाएगी

नोट : बीएड छात्रों के लिए, शनिवार को शिक्षण दिवस माना जाएगा क्योंकि विद्यापीठ आधारित इंटर्नशिप की गतिविधियों के दौरान शिक्षण दिवस होना है

छात्रों का नामांकन

शैक्षणिक सत्र २०१६ - १७ के लिए दाखिल छात्र- छात्राओं का वर्ग वार विवरण

	एससी		एसटी		ओबीसी		सामान्य		कुल		कुल छात्र-छात्राओं	प्रवेश की संख्या
पाठ्यक्रम	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म		
अंग्रेजी में एम. ए.	२	२	४	१	२	२	६	४	१४	९	२३	३०
ओड़िया में एम. ए.	१	५	२	२	३	४	४	९	१०	२०	३०	३०
समाज विज्ञान में एम. ए.	०	४	३	५	२	०	४	९	९	१८	२७	३०
जे. एम.सी में एम.ए.	०	४	१	५	१	२	५	७	७	१८	२५	३०
नृविज्ञान में एम. ए. /एम. एससी.	२	१	२	१	१	१	०	६	५	९	१४	३०
अर्थशास्त्र में एम.ए.	१	६	१	१	४	५	३	९	९	२१	३०	३०
जैव विविधता में एम.एससी	०	१	३	१	३	७	२	९	८	१८	२६	३०
गणित विज्ञान में एम.एससी	१	१	१	०	५	२	४	४	११	७	१८	२०
बी. एड़ (शिक्षक शिक्षा)	९	२	१	३	१५	४	११	७	३६	१६	५२	५०
हिंदी में एम. ए	१	२	०	०	२	१	२	३	५	६	११	१६
संस्कृत में एम. ए	०	३	०	०	१	३	१	६	२	१२	१४	१६
अनुप्रयुक्त सांख्यिकी तथा सूचना विज्ञान में एमएससी	१	१	०	२	०	१	२	२	३	६	९	१६
एमबीए	२	२	२	०	९	१	९	३	२२	६	२८	३०
एमएससी	२	१	१	०	१	१	५	५	९	७	१६	३०
ओड़िया में एम. फील	१	१	०	०	२	०	०	२	३	३	६	६
ओड़िया में पीएच.डी.	०	०	०	०	१	१	१	०	२	१	३	३
नृविज्ञान में एम.फील.	०	१	१	०	१	०	२	०	४	१	५	५
नृविज्ञान में पीएच. डी.	०	२	०	०	०	०	०	०	०	२	२	२
समाज विज्ञान में एम. फील.	१	०	०	०	१	१	०	१	२	२	४	५
समाज विज्ञान में पीएच. डी.	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१
जेएमसी में एम. फील	१	०	०	०	०	१	०	२	१	३	४	४
जेएमसी में पी.एचडी.	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
जैव विविधता में एम.फील	०	२	०	०	२	१	१	४	३	७	१०	१०
जैव विविधता में पीएचडी												३
उप-कुल	२५	४१	२२	२१	५६	३८	६२	९२	१६५	१९२	३५७	४२७
कुल	६६		४३		९४		१५४		३५७		३५७	४२७

शैक्षणिक सत्र २०१५ - १६ के लिए दाखिल छात्र- छात्राओं का वर्ग वार विवरण

क्र.	विभाग	सामान्य			एससी			एसटा			ओबीसी			पी.एच.			कुल छात्र	प्रवेश की	अभ्युक्ति
		पु	म	तृ	पु	म	तृ	पु	म	तृ	पु	म	तृ	पु	म	तृ	छात्राएं	संख्या	
१	अंग्रेजी में एम. ए.	३	४	०	५	१	०	३	१	०	४	३	०	०	०	०	२४	३०	
२	ओड़िया में एम. ए.	१	७	०	४	४	०	२	२	०	१	९	०	०	०	०	३०	३०	
३	समाज विज्ञान में एम. ए.	४	६	०	८	१	०	१	१	०	१	८	०	०	०	०	३०	३०	
४	जे. एम.सी में एम.ए.	८	८	०	४	३	०	०	२	०	०	३	०	०	०	०	२८	३०	
५	नृविज्ञान में एम. ए. /एम. एससी.	३	११	०	३	२	०	१	२	०	२	३	०	०	०	०	२७	३०	
६	अर्थशास्त्र में एम.ए.	१०	६	०	१	४	०	०	२	०	३	४	०	०	०	०	३०	३०	
७	जैव विविधता में एम.एससी	४	१४	०	२	३	०	०	१	०	२	३	०	०	०	०	२९	३०	
८	गणित विज्ञान में एम.एससी	७	७	०	४	१	०	२	०	०	५	४	०	०	०	०	३०	३०	
९	बी. एड़ (शिक्षक शिक्षा)	१४	२६	०	१३	६	०	३	४	०	२०	१२	०	०	२	०	१००	१००	सामान्य (पीएच) -०२
१०	हिंदी में एम. ए	१	०	०	१	०	०	३	१	०	१	०	०	०	०	०	७	३०	
११	संस्कृत में एम. ए	०	३	०	०	०	०	१	०	०	०	०	०	०	०	०	४	३०	
१२	अनुप्रयुक्त सांख्यिकी तथा सूचना विज्ञान में एमएससी	९	४	०	०	१	०	०	२	०	६	३	०	०	०	०	२५	३०	
१३	एमबीए	९	४	०	४	१	०	१	१	०	४	५	०	०	०	०	२९	३०	
१४	एमएससी	३	२	०	२	०	०	०	०	०	१	०	०	०	०	०	८	३०	
१५	ओड़िया में एम. फील	०	०	०	१	०	०	०	०	०	१	०	०	१	०	०	३	५	सामान्य (पीएच) ०१
१६	ओड़िया में पीएच.डी.	१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	५	
१७	नृविज्ञान में एम.फील.	१	२	०	१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	४	५	
१८	नृविज्ञान में पीएच. डी.	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	०	०	०	०	०	१	५	
१९	समाज विज्ञान में एम. फील.	१	३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	४	५	
२०	समाज विज्ञान में पीएच. डी.	१	१	०	०	०	०	०	०	०	१	१	०	०	०	०	४	५	
२१	जेएमसी में एम. फील	१	०	०	०	१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	२	५	
२२	जेएमसी में पी.एचडी.	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	५	
२३	जैव विविधता में एम.फील	१	४	०	०	१	०	०	०	०	२	०	०	०	०	०	८	१०	
२४	जैव विविधता में पीएचडी	१	१	०	१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	३	५	
२५	अंग्रेजी में एम.फील	१	२	०	०	०	०	१	०	०	०	०	०	०	०	०	४	५	
	उप-कुल	८४	११५	०	५४	२९	०	१८	१९	०	५५	५८	०	१	२	०	४३५	५५०	
	कुल	१९९			८३			३७			११३			३			४३५		

वित्त

केंद्रीय विश्वविद्यालय ओड़िशा, कोरापुट केंद्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, के तहत संसद के अधिनियम २००९ द्वारा स्थापित है। यह एक केंद्रीय विश्वविद्यालय होने के नाते, यूजीसी के माध्यम से मानव संसाधन विभाग द्वारा वित्त पोषित है। ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट से कार्य करना शुरु किया है । विश्वविद्यालय सामान्य विकास सहायता (जीडीए) के रूप में योजना ब्लॉक अनुदान के रूप में केंद्र सरकार से प्राप्त करता रहा है, सामुदायिक महाविद्यालय योजना और बी. वोकशनॉल कार्यक्रम के लिए प्रावधान रखा गया है । तीन शीर्षकों तहत मुख्य रूप से निधि को उपयोग किया जाता है : अनुदान राशि (आवर्त्ती व्यय), अनुदान राशि (वेतन) और अनुदान राशि (पूंजीगत अस्तियों की सृजन)

सामान्य विकास सहायता (जीडीए) में भवन का निर्माण और नवीकरण (जिसमें शामिल है विरासत इमारतों का मरम्मत सहित), परिसर विकास, कर्मचारी, पुस्तकें और पत्रिकायें, प्रयोगशाला, उपकरण तथा संरचना, वार्षिक अनुरक्षण ठेका, नवाचार अनुसंधान गतिविधियाँ, विश्वविद्यालय उद्योग संबंध, विस्तारण गतिविधियाँ, सांस्कृतिक गतिविधियाँ, आईसीटी के विकास, स्वास्थ्य सेवा, छात्रों के लिए सुविधायें जिसमें शामिल हैं हॉस्टेलों, छात्रों को नॉन-एनइटी छात्रवृत्ति, यात्रा अनुदान, सम्मेलन/संगोष्ठी/परिसंवाद/ कार्यशाला, प्रकाशन अनुदान, परिदर्शन प्रोफेसर/विजिटिंग फेलों की नियुक्ति और कैरिय की स्थापना और काउंसेलिंग कक्ष, डे केयार सेंटर, महिलाओं के लिए मौलिक सुविधायें, और संकाय विकास कार्यक्रम आदि ।

योजना अनुदान के अलावा, विभिन्न अनुसंधान परियोजनाओं को चलाने के लिए विश्वविद्यालय केंद्र तथा राज्य सरकार के निकायों से प्राप्त करता है जैसे कि ओड़िशा जैव विविधता बोर्ड, नाल्को फांउडेशन, नेशनॉल रिमोट सेंसिंग सेंटर, हैदराबाद और विदेशी संस्थानों (अर्थात सेंटिएगो डे कंपोस्टा विश्वविद्यालय, स्पेन)।

विश्वविद्यालय के लेखे का लेखा परीक्षण भारत के महा लेखा परीक्षण एवं नियंत्रक की ओर से शाखा कार्यालय, भुवनेश्वर, ओड़िशा के जरिये प्रधान लेखा परीक्षा निदेशक (केंद्रीय) हैदराबाद द्वारा होती है। जैसे कि अधिनियम में बताया गया है, वर्ष २०१६-१७ के लिए लेखा परीक्षित लेखा विवरण के साथ अलग से लेखा परीक्षक (एसएआर) और विश्वविद्यालय का उतर मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के जरिये को भारतीय संसद के दोनों सदनों के पटल पर रखा गया था ।

वित्तीय वर्ष २०१६-१७ के लिए विश्वविद्यालय की वार्षिक लेखा लेखांकन मानकों में निर्धारित के अनुसार मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा जारी संशोधित प्रारुप के अनुसार उपचय आधार पर निर्धारित समय अनुसूची के अनुसार बनायी गयी है । वार्षिक लेखा (२०१६-१७) क्रमानुसार ११.११.२०१७ को हुई बैठक में विश्वविद्यालय की वित्त समिति द्वारा अनुमोदित हो चकी है। अनुमोदिन वार्षिक लेखे (२०१६-१७) की लेखा परीक्षा प्रमाणन के लिए उप-निदेशक लेखा परीक्षक (केंद्रीय) भुवनेश्वर, ओडिशा द्वारा लेखा परीक्षा की गयी है । सांविधिक लेखा परीक्षक ने दिनांक को २२.०९.२०१७ वार्षिक लेखे पर मसौदा अलग लेखा परीक्षा रिपोर्ट जारी कर चुका है । मौसादा अलग लेखा परीक्षा रिपोर्ट २६.०९.२०१७ को विश्वविद्यालय ने जारी कर दिया है ।

अंतिम अलग लेखा परीक्षा रिपोर्ट (एसएआर) प्राप्त करने पर, लेखा परीक्षित वार्षिक लेखे के साथ अंतिम एसएआर और उसके साथ विश्वविद्यालय का उत्तर को वितरण द्वारा अगली बैठक में उनके अनुमोदन तथा विचार के लिए विश्वविद्यालय की वित्त समिति तथा कार्यकारी समिति के सामने रखा जाएगा। यह अनुमोदन हो जाने पर, उसी को संसद के दोनों पटलों पर पेश करने के लिए एमएचआरडी को भेजा जाएगा।

३१ मार्च , २०१७ तक की तुलन पत्र

(राशि रु. में)

निधियों का स्रोत	अनुसूची	चालू वर्ष (2016-17)	पिछला वर्ष (2015-16)
कर्पस/पूंजीगत निधि	1	1,623,279,857.73	853,807,355.44
नामित/निर्धारित/अक्षय निधि	2	3,090,630.00	2,500,000.00
चालू देयतायें और प्रावधान	3	636,958,407.80	1,999,400,404.00
कुल		**2,263,328,895.53**	**2,855,707,759.44**
निधियों का प्रयोग	**अनुसूची**		
स्थिर अस्तियाँ	4		
मूर्त अस्तियाँ		734,968,685.57	130,319,980.02
अमूर्त अस्तियाँ		1,517,884.80	3,419.20
पूंजीगत कार्य प्रगति पर		93,029,636.00	601,072,347.00
निर्धारित /बंदोबस्ती निधियों से निवेश		-	-
दीर्घावधि			
अल्पावधि	5	3,090,630.00	-
निवेश-दूसरों से	6	-	-
चालू अस्तियाँ	7	1,312,627,679.82	1,487,813,928.32
ऋण, अग्रिम तथा जमा	8	118,094,379.34	636,498,085.54
कुल		**2,263,328,895.53**	**2,855,707,759.44**
महत्वपूर्ण लेखा नीतियाँ	23		
आकस्मिक देयताएं और लेखा पर टिप्पणियाँ	24		

३१ मार्च २०१७ को समाप्त वर्ष के लिए आय तथा व्यय लेखा

(राशि रु. में)

आय	अनुसूची	चालू वर्ष २०१६-१७	पिछला वर्ष २०१५-१६
आय			
शैक्षणिक प्राप्तियाँ	९	९६,५०,४४८.००	६३,३२,५३२.००
आनुदान/सब्सिडि	१०	९,७७,०६,९८०.२०	१०,३५,०७,४०५.००
निवेशों से आय	११	-	
प्राप्त ब्याज	१२	९,९१,३४,२९६.३४	७,६८,४५,३१२.००
अन्य आय	१३	२०,१९,६४९.००	१५,५७,५७७.००
समय से पहले आय	१४	४३,४५१.००	-
कुल (क)		**२०,८५,५४,८२४.५४**	**१८,८२,४२,८२६.००**
व्यय			
कर्मचारियों को भुगतान एवं लाभ (स्थापना व्यय)	१५	५,६३,३०,०६२.००	४,८५,५३,२६७.००
शैक्षणिक व्यय	१६	७५,२३,४९६.००	७१,९६,०७१.००
प्रशासनिक एवं सामान्य व्यय	१७	४,१६,७४,७५९.००	२,४५,७९,६३४.००
परिवहन व्यय	१८	१,१६,५७,११७.००	१,३१,४५,५२४.००
मरम्मत तथं अनुरक्षण	१९	५६,१९,३५८.००	४५,३८,९६५.००
वित्तीय लागत	२०	१८,७५९.५०	२४,०९१.००
मूल्यह्रास	४	२,९५,६०,६०७.७५	१,११,५६,०८६.७७
अन्य व्यय	२१	-	-
समय से पहले व्यय	२२	३२,१२,०९४.००	५४,६९,५२४.००
कुल (ख)		**१५,५५,९६,२५३.२५**	**११,४६,६३,१६२.७७**
व्यय से अधिक आय शेष (क-ख) चिहिनत निधि को एवं से स्थानांतरित		५,२९,५८,५७१.२९	७,३५,७९,६६३.२३
भवन निधि			
अन्य (बतायें)			
शेष अधिक है /कमी पंजीगत निधि को लाया गया		५,२९,५८,५७१.२९	७,३५,७९,६६३.२३
महत्वपूर्ण लेखा नीतियाँ	२३		
आकस्मिक देयताएं और लेखा पर टिप्पणियाँ	२४		

३१ मार्च २०१७ की स्थिति के अनुसार तुलन पत्र के अंग के रूप में अनुसूचियाँ

३१ मार्च २०१७ को समाप्त वर्ष के लिए प्राप्तियाँ और भुगतान लेखा

राशि रु. में

प्राप्तियाँ	चालू वर्ष 2016-17	पूर्व वर्ष 2015- 16	भुगतान	चालू वर्ष 2016-17	पूर्व वर्ष 2015- 16
I. आदि शेष			I. व्यय		
क) शेष रोकड़	-	-	क) स्थापना व्यय	4,65,34,895.00	4,39,17,933.00
ख) बैंक में शेष			ख) शैक्षणिक व्यय	54,62,095.00	63,88,685.00
i. बचत खाता संख्या .33106758052	1,77,46,944.00	97,98,647.00	ग) प्रशासनिक व्यय	1,26,64,061.00	1,60,48,481.00
ii. बचत खाता संख्या.33156750382	6,98,136.00	2,74,418.00	घ) परिवीन व्यय	1,05,32,701.00	1,17,44,710.00
iii.बचत खाता संख्या.30877205145	25,25,07,512.87	23,27,40,934.87	ङ) मरम्मत तथा अनुरक्षण	48,49,481.00	41,10,421.00
iv.बचत खाता संख्या 450502050000228	3,63,85,843.45	3,41,11,372.45	च) अवधि से पहले व्यय	25,81,563.00	53,59,071.00
v.बचत खाता संख्या 31694717652	76,59,89,563.00	68,91,37,326.00	छ) वितीय लागत	18,759.50	24,091.00
vi. चालू खाता संख्या 33105489656	732.00	-	II.विभिन्न अनुसंधान परियोजनाओं की निधि के लिए भुगतान		
II. प्राप्त अनुदान					
क) भारत सरकार से	41,36,94,000.00	19,89,49,000.00	ओकेंविवि की अनुसंधान परियोजना	-	-
ख) राज्य सरकार से	-	-	यूथेराटेस परियोजना	77,969.00	85,059.00
ग) अन्य स्रोतों से (विस्तृत रेप से)	-	-	ओडिशा जैव विविधता बोर्ड	1,18,000.00	32,000.00
(पूंजीगत एवं राजस्व व्यय के लिए अनुदान को अलग से दिखाया जाना है यदि उपलब्ध हो तो)			नाल्को फाउंडेशन	-	85,000.00
III. शैक्षणिक प्राप्तियाँ	-	-	नेशनॉल कार्बन परियोजना	2,34,973.00	1,45,290.00
IV. उदिदष्ट एवं अक्षय निधि से प्राप्तियाँ	19,69,519.00	11,13,700.00	III. प्रायाजित परियोजनाओं /योजनाओं के लिए भुगतान		
V. प्रायोजित परियोजनायें एवं योजनाओं के लिए प्राप्तियाँ	2,99,000.00	2,44,000.00	IV. प्रायोजित छात्रवृत्ति एवं फेलोशिक के लिए भुगतान	3,83,100.00	4,29,105.00
VI. निवेश से आय	-		V.निवेश एवं किया गया जमाएँ		
क) उदिदष्ट / अक्षय निधि से	1,88,630.00	-	क) उदिदष्ट/अक्षय निधि में से	-	-
ख) अन्य निवेशों से	-	-	ख) निधियों से (निवेश तथा दूसरों से)	-	-
VIII. प्राप्त ब्याज			VI. अनुसूचित बैंकों में सावधि जमा से	1,00,00,00,000.00	-
क) बैंक जमाओं से	-	-	VII. स्थिर अस्तियों तथा पूंजीगत कार्य प्रगति पर व्यय		
ख) टीडीआर लेखा से	16,95,535.00	7,54,141.00	क) स्थिर अस्तियों की खरीद	3,90,39,154.00	89,64,120.00
ग) एफएफडी लेखा से	3,59,87,146.00	7,60,91,171.00	ख) पंजूीगत कार्य जारी है	-	6,99,82,311.00
VIII. निवेश नकदकीकरण किया गया	-	-	VIII. अन्य भुमतान (बतायें)		
IX. एसबीआई, मुख्य शाखा, भुवनेश्वर में आवधिक जमा से	-	-	i. व्यय के लिए कर्मचारियों की गयी अग्रिम	23,01,455.00	17,74,675.00
X. .इंडियन बैंक, भुवनश्वेर में मियादी जमा	-	-	ii. व्यय के लिए अग्रिम (अन्य)	6,39,74,198.00	9,26,472.00
XI. झमा तथा अग्रिम (वसूली)	5,15,060.00	-	iii. फुटकर उधारकर्ता	2,57,65,812.00	-
XII.छात्रों से जमा 7,83,697.00	5,80,670.00	-	iv.विविध उधारकर्ता (अधिक भुगतान तथा टीडीएस)		10,199.00
XIII. झमा तथा अन्य	34,21,470.00	-	IX. अनुदान की वापसी	-	-
XIV. वैधानिक प्राप्तियां सपि विविध प्राप्तियां	2,71,488.00	12,80,618.00	X. जमा तथा अग्रिम	2,42,958.00	-
XV. श्क्राप की बिक्री -	-	15,304.00	XI. वैधानिक देय को भुगतान (टीडीएस, एनपीएस तथा अन्य)		95,30,916.00

प्राप्तियाँ	चालू वर्ष 2016-17	पूर्व वर्ष 2015- 16	भुगतान	चालू वर्ष 2016-17	पूर्व वर्ष 2015- 16
XVI. शैक्षणिक प्राप्तियां	-		XII. अन्य भुगतान (जमा तथा अन्य की वापसी)	40,41,399.00	68,44,267.00
क) प्रवेश शुल्क (छात्र)	5,15,265.00	1,69,205.00	XII. अंत शेष		
ख) आवेदन शुल्क (भर्त्ती)	-	1,10,550.00	क) हाथ में रोकड़	-	-
ग) वार्षिक परीक्षा शुल्क	60,20,160.00	34,99,910.00	ख) बैंक में शेष		
घ) हॉस्टेल शुल्क	13,82,200.00	9,61,430.00	i. बचत खाता संख्या .33106758052	2,99,61,779.00	1,77,46,944.00
ङ) दीक्षांत समारोह शुल्क	87,900.00	-	ii. बचत खाता संख्या.33156750382	17,96,651.00	6,98,136.00
ङ) पंजीकरण शुल्क	70,700.00	87,000.00	iii.बचत खाता संख्या.30877205145	12,21,60,580.87	25,25,07,512.87
च) परिवहन शुल्क	2,51,600.00	3,07,600.00	iv.बचत खाता संख्या 450502050000228	3,87,14,792.45	3,63,85,843.45
छ) खेलकूद शुल्क	31,700.00	40,200.00	v.बचत खाता संख्या 31694717652	12,12,01,493.00	76,59,89,563.00
ज) निविदा प्रपत्र की बिक्री	60,000.00	20,000.00	vi. चालू खाता संख्या 33105489656	-	732.00
झ) आवेदन पत्र शुल्क (भर्त्ती)	14,55,750.00	-	vii. बचत खाता संख्या.36342031829	10,89,117.50	-
ट) माइग्रेशन शुल्क तथा प्रमाणपत्र शुल्कों	1,63,080.00	-			
ठ) आरटीआई आवेदन पत्र	204.00	950.00			
ड) अन्य प्राप्तियाँ (बतायें)	-	7,10,142.00			
i) चिकित्सा शुल्क	67,600.00	59,600.00			
ii) परिचस पत्र शुल्क	15,850.00	20,100.00			
iii) विलंब तथा दंड शुल्क	23,483.00	-			
iv) टियूशन शुल्क	5,40,800.00	4,76,800.00			
v) समय से पहले आय	43,451.00	-			
vi) प्रयोगशाला शुल्क	3,67,010.00	-			
	2,40,100.00	-			
कुल	**1,54,32,88,102.32**	**1,25,09,74,119.32**	**कुल**	**1,54,32,88,102.32**	**1,25,09,74,119.32**

३१ मार्च २०१७ तक की स्थिति के अनुसार तुलन पत्र के अंग के रूप में अनुसूचियाँ

अनुसूची- ३ (क)- प्रायोजित परियोजनायें

राशि रु.में

क्र.	परियोजना का नाम	आदिशेष		वर्ष के दौरान प्राप्त/वसूली	कुल	वर्ष के दौरान व्यय	अंत शेष	
		क्रेडिट	डेबिट				क्रेडिट	डेबिट
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	एतुराटेस परियोजना	82,931.00	-	-	82,931.00	77,969.00	4,962.00	-
2	ओड़िशा जैव विविधता	138,458.00	-	-	138,458.00	118,000.00	20,458.00	-
3	नाल्को फाउंडेशन	15,000.00	-	-	15,000.00	-	15,000.00	-
4	नेशनॉल कार्बन परियोजना अनुसंधान सहायता (बीडाघाटी संरक्षण)	439,210.00 -	- -	279,169.00 40,000.00	718,379.00 40,000.00	234,973.00 -	483,406.00 40,000.00	- -
5	पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, भारत सरकार	-	-	1,308,600.00	1,308,600.00	-	1,308,600.00	
	कुल	675,599.00	-	1,627,769.00	2,303,368.00	430,942.00	1,872,426.00	-

कंप्यूटर केंद्र

आईटी सेवा प्रबंधन : कंप्यूटर केंद्र एक महत्वपूर्ण अनुभाग है जो सूचना प्रौद्योगिकी और इंटरनेट सेवा विश्वविद्यालय को प्रदान करता है । वर्तमान उपयोगकर्ता को इंटरनेट कनेक्टीविटी प्रदान करने के लिए दो प्रॉक्सी सर्वर का उपयोग किया जा रहा है। इंटरनेट उपयोग के लिए लॉग इन /पास वर्ड तैयारी करने के लिए तथा अप्राधिकृत पहुंच तथा वायरससे नेटवर्क को सुरक्षित रखने के लिए एक फायरवाल का प्रस्ताव रखा गया है। प्रत्येक उपयोगकर्ता को लॉग इन आईडी और पासवर्ड प्रदान करने के लिए एक विंडाज सर्वर का प्रस्ताव रखा गया है और प्रयोगशालाओं का कंप्यूटर सिस्टम को चलाने और सर्वर में उनकी आंकडों को सर्वर सुरक्षित रखने के लिए इस सर्वर काम में आएगा।

एमएचआरडी ने परिसर को वाई-फाई परियोजना का काम एनआईसीएस तथा रेलटेल के माध्यम से पूरा किया है । इकतालीस आसेस पएंट स्थापित किया गया है जिससे परिसर वाई-फाई समर्थ हो सके । बहुत जल्दी उपयोगकर्ताओं को यूजर्स आईडी तथा पासवार्ड आपूर्ति कर दी जाएगी जिससे वे इंटरनेट जोडे जायेंगे ।

सूचना सुरक्षा : दो फायरवाल खरीदने की प्रक्रिया में है । इसके बाद कंप्यूटर सिस्टम वायरस और अप्राधिकृत पहुंच से सुरक्षित रहेगा और इस के साथ साथ अधिक सुरक्षित एवं रोबस्ट रहेगा ।

सॉफटवेयार वस्तु प्रबंधन : वर्तमान संपत्ति का प्रबंधन हाथ से किया जाता है। हम वर्तमान आईआईटी, कानपुर द्वारा विकसित वृहस्पति ३ सॉफटवेयार खरीदने जा रहे हैं जिसमें लेखा प्रबंधन, हास्टेल प्रबंधन और सामान प्रबंधन के लिए अलग अलग मॉडूलस रहे हैं ।

ओपन सोर्स संसाधन : ओपन ऑफिस, उबूंटू, ऑपरिटिंग सिस्टम, फेडोरा ऑपरिटिंग सिस्टम, जावा, सी आदि जैसे कंप्यूटर प्रयोगशाला में विभिन्न ओपन संसाधन सॉफ्टवेयारों का उपयोग किया जाता है ।

ग्रीन कंप्यूटिंग : अधिकांश कंप्यूटर सिस्टम और प्रिंटर एनर्जी स्टार के हैं। एक शैक्षणिक संस्थान होने के नाते पेपरहीन कंप्यूटिंग में शामिल होना और वातावरण के महत्व के बारे में सब को सचेतन होना चाहिए। एक नया विश्वविद्यालय होने के नाते, हमारे पास इलेक्ट्रोनिक कचरे को विनाश करने के लिए कोई सामान नहीं है.

मालिकाना सॉफटवेयार

केंद्रीय विश्वविद्यालय ओड़िशा में इस्तेमाल किये जा रहे प्रोपाइटरी सॉफ्अवेयार की सूची इस प्रकार हैं :

क्रमांक	साफटवेयार का नाम	विभाग
१.	टॉली साफटवेयार	वित्त विभाग
२.	आर्कजीआईएस	जैव विविधता विभाग
३.	इराडस एएमजीएस	जैव विविधता विभाग
४.	आईबीएम एसपीएसस	जैव विविधता विभाग
५.	विडो ऑपरटिंग सिस्टम्स	सभी विभाग
६.	वेरिफिकर ओएमआर सॉफवेयार	परीक्षा अनुभाग

इंटरनेट सेवा सहित नोड और कंप्यूटरों की संख्या : इंटरनेट सेवा से २६५ (दो सौ पेंसठ) कंप्यूटर जुडे हैं । सभी कंप्यूटरों को इंटरनेट सेवा से जोड़ने के लिए काम चल रहा है ।

आईटी संरचना के तैनाती और उन्नयन के लिए संस्थागत योजनायें और रणनीतियाँ : वर्तमान पॉचं कंप्यूटर प्रयोगशाला कार्यरत हैं। बेहतर नेटवर्क प्रबंधन और सूचना सुरक्षा के लिए, हम फायरवाल खरीदने की योजना बना रहे हैं। पूरे परिसर को वाईफाई सेवा से जोड़ने के लिए राष्ट्रीय सूचना केंद्र सेवा इंक (NICSI) काम कर रहा है ।

- माइक्रो एक्सेल जैसे मौलिक सॉफटवेयार का उपयोग करते हुए कंप्यूटरों और सहायक उपकरणों को काम चलाया जा रहा है। आईआईटी कानपुर द्वारा निर्मित बृहस्पति ३ सॉफटवेयार खरीदने की प्रक्रिया में हम चला रहे हैं। जो मालसूची बनाये रखने के लिए कई माडूल रखा है ।
- दो कंप्यूटर प्रयोगशालाओं को एनकेएन से जोड़ा गया है। परिसर को वाईफाई से जोड़ने के लिए एनआईसीएसआई के माध्यम से प्रक्रिया जारी है और इस संबंध में एनआईसीएसआई और कुलपति, सीयूओ के बीच एक समझौता हस्ताक्षरित हो चुका है ।

मुख्य परिसर का संरचनात्मक और विकास

केंद्रीय विश्वविद्यालय ओड़िशा की स्थापना संसद् की अधिनियम , २००९ के तहत स्थापना हुई है। परिसर को संचालित करने के लिए परिसर में कई संरचनात्मक विकास किये गये हैं जिसका सारांश इस प्रकार हैं ;

भवन :

- राज्य सरकार द्वारा आबंटित ४३०.३७ एकड जमीन की चारों ओर ९.३ की.मी. लंबाई की दीवार बनाई गई ।
- २,९५७ वर्ग मीटर पर तीन मंजिल वाला एक अतिथि भवन का निर्माण हुआ है जिसमें ३२ कमरे हैं और ८ सूट है जिसमें लिफ्ट का प्रावधान है ।
- ७,७३५ वर्ग मीटर पर छात्रों के लिए तीन मंजिल वाला छात्रावास का निर्माण हुआ है जिसमें २३६ कमरें हैं प्रत्येक का आकार १०५ वर्गफुट है।
- १,७०० वर्ग मीटर पर शैक्षणिक ब्लॉक का निर्माण हुआ है जिसमें १६ कमरें हैं ।
- मौजूदा शैक्षणिक ब्लॉक के समान एक अतिरिक्त शैक्षणिक ब्लॉक का निर्माण हुआ है ।
- पुस्तकालय ब्लॉक ७७५ वर्ग मीटर (प्लींथ एरिया) पर निर्माण हुआ है ।
- परिसर में एक कैंटीन का निर्माण हुआ है । एक विस्तारित छत बड़ा स्थान के लिए प्रदान किया गया है ।
- सडकों और इमारतों के लिए वास्तुशिल्प डिजाइन के साथ परिसर का मास्टर प्लान प्रगति पर है ।
- कुछ जल निकासी पूरे परिसर में निर्माण किया गया है ।

जल आपूर्ति :

- स्रोत से परिसर तक जल आपूर्ति सुनाबेढा जलाशय तक सभी दृष्टि से पूरा हो चुका है यह कार्य ओडिशा सरकार के (पीएचडी विभाग) के माध्यम से हुआ है ।

- हिलटॉप जलाशय से सम्प तक जल पंपिंग के लिए आंतरिक जल आपूर्ति का काम प्रत्येक भवन में पूरा हो चुका है । छात्रों के लिए छात्रावास और छात्राओं के लिए छात्रावास में एक एक संप का निर्माण हो चुका है जिसमें एक लाख लीटर तक जल रहता है । २ एचपी का सेंट्रीफूगॉल पंप के अलावा सबमेर्सिबल पंप दिया गया है । उपर्युक्त कार्य पी एच के माध्यम से अथवा विश्वविद्यालय की निधियों से लिया गया है ।
- भवनों में निर्मित टेपों तक जल आपूर्ति स्रोत आपूर्ति से जल आपूर्ति परियोजना का ऑपरेशन तथा अनुरक्षण का काम केवल छ: महीने के लिए राज्य पी एच. डिविजन को सौंपा गया है ।
- जल आपूर्ति चौबिस घंटे निश्चित किया जाता है और परिसर में वाटर कुलर सहित तीस जलविशोधक स्थापित किया गया है ।

बिजली

- राज्य सरकार द्वारा सब-स्टेशन से परिसर तक बाह्य ११ केवी बिजली की आपूर्ति का काम पूरा हो चुका है । विश्वविद्यालय साउथको से ७५० केवीए बिजली प्राप्त करता है।
- विश्वविद्यालय का आंतरिक बिजली आपूर्ति के लिए, विश्वविद्यालय ने फीडर लाइन, सप्लाई लाइन, फोर पोल्स पैनल, ट्रासफरमर, इंटरनॉल विंग और फिटिंग्स आदि का निर्माण किया है ।
- विश्वविद्यालय द्वारा परिसर में २५० केवीए उच्च क्षमता वाला चार ट्रांसफरमर प्रदान किया गया है और पीएच डिविजन द्वारा प्रदत्त जल को ऊपर उठाने के लिए १०० केवीए का एक ट्रांसफरमर लगाया गया है ।
- परिसर में स्ट्रिट लाइट की उचित व्यवस्था के लिए प्रवेश द्वारा से अंतिम प्रवेश द्वारा और सभी सडकों के साथ हिल टॉप जलाशय तक प्रावधान रखा गया है ।
- पाँच हाई मास्ट लाइट दी गयी हैं ।
- केलोनिवि के माध्यम से अतिथि भवन में लिफ्ट प्रावधान रखा गया है ।
- हॉस्टेल की चारो तरफ हाई मॉस लाइट,लॉन लाइट का प्रावधान बनाया गया है और इसका निर्माण कार्य प्रगति पर है ।
- वैद्युतिकी अनुरक्षण के लिए केंलोनिवि ने जिम्मेदारी ली है ।

पहुंच मार्ग

- एन. एच. से मुख्य परिसर को एक पहुंच मार्ग राज्य सरकार (निर्माण विभाग) द्वारा बनाया गया है । रोड निर्माण कार्य में २.२ की.मी. एक पैच पर निर्माण किया गया है ।
- सडक पार्श्व की लाइट परिसर तक एप्रोच सडक तक भी स्ट्रीट लाइट स्थानीय नगरपालिका परिषद द्वारा प्रदान किया गया है ।
- आंतरिक सडकें विश्वविद्यालय द्वारा बनायी जा रही हैं। प्रवेश द्वारा से छात्रावास के बाद गांव के पास प्रवेश द्वारा तक सड़क निर्माण का कार्य प्रगति पर है ।
- सड़क पार्श्व का ड्रेन का काम के साथ सड़का आर आर काम का प्रस्ताव रखा गया है।
- छात्रों के लिए छात्रावास की दीवारों की ऊंचाई तीन मीटर तक बढ़ाई गयी है और ग्रिल गेट और सुरक्षा कर्मियों का कमरा प्रगति पर है।
- छात्रों के लिए छात्रावास की दीवार का काम हो चुका है जिसके साथ सीमा की दीवारों पर चेन लिंकेज विनिर्दिष्ट के अनुसार बनाया गया है।
- अलग अलग जगहों पर रोड साइड लाइटिंग, हाई मास्ट लाइटिंग की सुविधा, का निर्माण कार्य प्रगति पर है।
- परिसर की चारो ओर मृत्तिका संरक्षण,झाडी सफाई का काम स्थानीय मजदूरों और मशीनॉरी की सहायता से पूरा हो चुका है ।
- वार्डनों के लिए आवासीय क्वार्टरों का प्रावधन किया गया है । आवासों का निर्माण हॉस्टेलों के पास होगा ।

वृक्षरोपण

- वन विभाग, ओडिशा सरकार द्वारा बारह हेक्टर जमीन पर लगभग १२००० पौधें लगाये गये हैं । ०
- वन विभाग ने परिसर के सौंदर्यकरण के लिए जिम्मेदारी ली है परिसर में औषधीय वृक्ष और फूलों की खेती कर रहा है ।

बागबानी

- विश्वविद्यालय ने केलोनिवि के माध्यम से हॉस्टेल , शैक्षणिक ब्लॉक और अतिथि भवन के परिसर के अंदर बागबानी का काम हाथ को लिया है ।

इंटरनेट सुविधा

- इंटरनेट सुविधा प्रदान के लिए विश्वविद्यालय ने १जीबी का कनेक्सन बीएसएनएल लिया है। एक रूटर की खरीद एनआईसी के जरिये किया गया है और एक सर्वर कमरा काम करने लगा है । पुस्तकालय भवन में अवस्थित दो कंप्यूटर प्रयोगशाला को इंटरनेट सुविधा पहुँचाया गया है ।
- पूरे परिसर को इंटरनेट सल्युशन और वाई-फाई प्रदान के लिए सर्वेक्षण का काम प्रगति पर है।

जमीन

- ओडिशा सरकार ने विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए मुफ्त में ४३०.३७ एकड़ जमीन विश्वविद्यालय के नाम में आंबटित किया है।
- लीज डीड जिलापाल, कोरापुट और कुलपति, सीयूओ के बीच में हुआ है। जमीन की मालाकाना का बदलाव का काम प्रगति पर है ।

परियोजनाओं की समीक्षा

- लडके और लडकियों के हॉस्टेल को कार्यात्मक बनाया गया है ।
- उसी तरह, शैक्षणिक ब्लॉक के संशोधित अनुमान अनुमोदन भेजा गया है । शैक्षणिक ब्लॉक, प्रशासनिक भवन, मार्केट कंपलेक्स, स्टाफ क्वार्टर के निर्माण के लिए आधारीय संरचना कार्यक्रम बनाया गया है । यूजीसी अनुमोदन के माध्यम से सरकार को भेज दिया गया है । लगभग ५८५ करोड रूपये का काम चरणबद्ध ढंग से निष्पादित किया जाएगा
- सीयूओ परिसर के पास पाँच गांवों ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने अपनाया है गांव के विकासत्मक कार्य जल्दी पूरा किया जाएगा ।
- परिसर में विशेष रूप से अतिथि भवन, और हॉस्टेल में परिसर की सफाई, मिट्टी संरक्षण गतिविधियों, बागबानी गतिविधियाँ शुरु की गई है ।

अस्थायी परिसर

- लांडिगुडा में विश्वविद्यालय का प्रशासनिक ब्लॉक और तीन विभाग काम कर रहे हैं । परिसर का विकास आगे और किया जाएगा। वस्त्र मंत्रालय ने सरकार के माध्यम से दीर्घावधि लीज के आधार या भवन के स्थानांतरण के लिए सरकार से अनुरोध किया है।

मुख्य परिसर

अधिकांश विभाग मुख्य परिसर में काम कर रहे हैं। दोनों प्रशासनिक ब्लॉकों में विभिन्न विभागों के लिए एलुमिनियम चैनल पार्टिशंन किया गया है ।

THE PRESIDENT OF INDIA Shri Pranab Mukherjee

महामहिम भारत के राष्ट्रपति कि संबोधन

भारत के महामहिम राष्ट्रपति श्री प्रणव मुखर्जी ने केंद्रीय विश्वविद्यालयों, भाप्रौसं, एनआईटी, और अन्य उच्चतर शिक्षण संस्थानों के साथ ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय को दिनांक १०.०८.२०१६ को " नवाचार : जीवन का एक मार्ग " और दिनांक १०.०१.२०१७ को " स्वस्थ मानव और स्वस्थ समाज गठनह्न शीर्षक पर विडियो कांनफरेंसिंग के माध्यम से संबोधन किया है । दोनों कार्यक्रमों का आयोजन विश्वविद्यालय ने किया है ।

.इस अवसर पर प्रो. सचिदानंद मोहांति ने विश्वविद्यालय के सुनाबेढा स्थित परिसर में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित थे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के छात्रगण, संकाय सदस्यगण और कर्मचारीगण भी उपस्थित थे।

दोनों संबोधन नेशनॉल नलेज नेटवर्क (एनकेएन), भारत सरकार द्वारा आयोजित विडियो कनफरेसिंग के माध्यम से आयोजित हुआ था ।

विश्वविद्यालय में घटनाक्रम

'भागीदारी गर्वनेंस – मुद्दे तथा चुनौतियों पर विशेष व्याख्यान'

विश्वविद्यालय ने अपने सुनाबेढा स्थित स्थायी परिसर में दिनांक २७.०४.२०१६ को भागीदारी गर्वनेंस-मुद्दे तथा चुनौतियों पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया । प्रो. सचिदानंद मोहांति, कुलपति इन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में योगदान देकर उद्घाटन किया और स्वर्गीय इतिश्री प्रधान की मौजूदा सामाजिक नीति के खिलाफ उनकी लड़ाई की स्मृति में अपना व्याख्यान को समर्पित किया । सेंटर फॉर यूथ एंड सोशल डेवलपमेंट (सीवाईएसडी) के संरक्षक और सह-संस्थापक डॉ. जगदानंद ने विशेष व्याख्यान प्रदान किया।

विज्ञान पर सर्वश्रेष्ठ व्याख्यान'आंखों की बीमारी : यात्रा के बदल बिस्तर'

केंद्रीय विश्वविद्यालय ओड़िशा,कोरापुट ने दिनांक २५.०४.२०१६ को अपने सुनाबेढा परिसर में विज्ञान पर विशिष्ट व्याख्यान आंखों की बीमारी तथा यात्रा के अलावा बिस्तर पर एक व्याख्यान का आयोजन किया । प्रो.गीता के वेमुगंती, मिडिया विद्यापीठ के अधिष्ठाता, हैदराबाद विश्वविद्यालय, ने प्रतिष्ठित व्याख्यान प्रदान किया । प्रो. सचिदानंद मोहांति, कुलपति ने इस कार्यक्रम की अध्यक्षता की थी और उद्घाटनीय व्याख्यान प्रस्तुत किया था। इस समारोह में काफी संख्या में विश्वविद्यालय के कर्मचारीगण, संकायसदस्यगण और छात्रगण उपस्थित थे।

योग उत्सव-२०१७

केंद्रीय विश्वविद्यालय ओड़िशा, कोरापुट ने दिनांक २५ मई २०१६ को अपने लांडिगुडा, कोरापुट परिसर में योग उत्सव आयोजित किया । इसका लक्ष्य था विश्वविद्यालय के कर्मचारियों और छात्रों में योग की जागरुकता को पैदा करना । प्रो. सचिदानंद मोहांति, मान्यवर कुलपति ने इस कार्यक्रम का उद्घाटन किया और डॉ. अमूल्य रत्न महापात्र, रामकृष्ण आश्रम, कोरापुट के प्रतिष्ठाता ने एक विशेषज्ञ के रूप में योगा पर एक व्याख्यान प्रदान किया।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस-२०१६

केंद्रीय विश्वविद्यालय ओड़िशा ने अपने लांडिगुडा परिसर में दिनांक २१.०६.२०१६ को दूसरे बार बड़ी धूमधाम से दूसरे अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया । प्रो. सचिदनानंद मोहांति, कुलपति ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवार पर अपना संदेश प्रदान किया और कहा मैं बहुत खुश हूं कि केंद्रीय विश्वविद्यालय ओड़िशा एमएचआरडी तथा यूजीसी के तत्वावधान में ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय आज अर्थात् २१ जून २०१६ को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मना रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय की गतिविधियों में योग बहुत महत्वपूर्ण है । यह भारत की प्राचीन परम्परा और ज्ञान प्रणाली का सबसे अच्छा गठन करता है श्री गाकुली चंद्रा प्रधान, योग विशेषज्ञ ने इस क्षेत्र के योग विशेषज्ञ ने विभिन्न प्रकार योग आसन को दिखाया जैसे कपालभारती, अनुलोम तथा ब्राह्मील जैसे पवन मुक्ताकाश, सबासान,जष्ठासन, मकलासन, भक्तिआसन औ कमंचलासन आदि प्राणायाम प्रदर्शित किया गया ।

'बदलती दुनिया में सांस्कृतिक कूटीनीत पर सीयूओ-एचएएल प्रतिष्ठित व्याख्यान पर तीसरें सीयूओ-एचएएल पर प्रतिष्ठित व्याख्यान

केंद्रीय विश्वविद्यालय ओड़िशा ने हिंदुस्तान एरोनेटिक्स लिमिटेड, सुनाबेढा के सहयोग से दिनांक २९.०७.२०१६ को सुनाबेढा स्थित भंज मंडप में बदलती दुनिया में सांस्कृतिक कूटनीति पर सीयूओ-एचएएल प्रतिष्ठित व्याख्यान का आयोजन किया गया । केंद्रीय विश्वविद्यालय ओड़िशा में भूतपूर्व भारत के अंबासडर हंगेरी के राजदूत मलय मिश्रा ने मुख्य वक्ता के रूप में प्रतिष्ठित व्याख्यान प्रदान किया । उन्होंने भारत की ओर से अनेक देशों में प्रतिनिधित्व किया है जैसे कि फ्रांस, यूएसए, जर्मनी, इरान और हंगेरी में विभिन्न पदों पर रहा है । उन्होंने अपने भाषण के दौरान सांस्कृतिक कूटनीति के क्षेत्र में अपना विशाल अनुभव को साझा किया। प्रो. सचिदानंद मोहांति , कुलपति ने मुख्य अतिथि के रूप में उद्घाटनीय व्याख्यान प्रस्तुत किया। श्री जे.के. मोहांति, महाप्रबंधक, इंजन प्रभाग, एचएएल, सुनाबेढा ने इस कार्यक्रम की अध्यक्षता की । एचएएल सीयूओ समुदाय के साथ साथ स्थानीय गणमान्य व्यक्तियों और प्रतिष्ठित श्रोतागण इस अवसर पर उपस्थित थे ।

'स्वराज और विभाजिज गणतंत्र : नये भारत के लिए श्री अरबिंद के सपने" पर चौथें सीयूओ-एचएएल प्रतिष्ठित व्याख्यान

केंद्रीय विश्वविद्यालय ओड़िशा, कोरापुट ने दिनांक ११.०८.२०१६ को भंजमंडप, एचएएल टाउनशिप, सुनाबेढा में हिंदुस्तान एरोनेटिक्स लिमिटेड, सुनाबेढा के सहयोग से स्वराज और विभाजित गणतंत्र : नये भारत के लिए श्री अरबिंद के सपने पर एक प्रतिष्ठित व्याख्यान का आयोजन किया। प्रसिद्ध शिक्षाविद् मकरंद आर. पारंजपे, अंग्रेजी भाषा के प्रोफेसर, अंग्रेजी भाषा अध्ययन केंद्र, भाषा विद्यापीठ, साहित्य तथा संस्कृति अध्ययन, जवाहार लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली ने इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में व्याख्यान प्रदान किया । प्रो. सचिदानंद मोहांति, कुलपति, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने उद्घाटनीय उद्बोधन प्रदान किया जबकि इं. देवाशिष देव, कार्यकारी निदेशक, एचएएल, सुनाबेढा ने इस कार्यक्रम की अध्यक्षता की । इस अवसर पर एचएएल-सीयूओ के साथ साथ स्थानीय इलाके से गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे ।

७० वें स्वतंत्रता दिवस मनाया गया

केंद्रीय विश्वविद्यालय ओड़िशा, कोरापुट ने बड़े धूमधाम से अपने सुनाबेढा परिसर में ७०वें स्वतंत्रता दिवस मनाया । प्रो. सचिदानंद मोहांति, कुलपति ने त्रिरंगा फहराया और कर्मचारियों, छात्रों तथा आसपास के गांवों के बच्चों को संबोधित किया । अपने संबोधन में केंद्रीय विश्वविद्यालय ओड़िशा के महत्वपूर्ण उपलब्धियों का उल्लेख किया जिसमें शामिल हैं आधारीय संरचना विकास, गुणवत्ता उच्च शिक्षा, छात्रों के कल्याण और शैक्षणिक प्रशासन आदि । उन्होंने विश्वविद्यालय समुदाय से राष्ट्र के सामने रही चुनौतियों का समाधान करने और राष्ट्रीय एकता की खातिर खुद को समर्पित करने का आग्रह किया।

'विश्वास सहित जीवन की चुनौतियों का सामना करना" पर संगोष्ठी

केंद्रीय विश्वविद्यालय ओड़िशा ने दिनांक २७.०८.२०१६ को अपने स्थायी सुनाबेढा परिसर में विस्वास सहित जीवन की चुनौतियों का सामना करना विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया है । डॉ. श्रुति महापात्र, प्रसिद्ध समाज सेवक, भुवनेश्वर तथा स्वाभिमान, एक गैर सरकारी संगठन के प्रतिष्ठाता ने संगोष्ठी व्याख्यान प्रस्तुत किया । डॉ. शरत कुमार पालित, अधिष्ठाता, जैव विविधता तथा प्राकृतिक संसाधन संरक्षण विद्यापीठ ने इस कार्यक्रम की अध्यक्षता की थी । डॉ. महापात्र ने प्रेरणादायक संगोष्ठी व्याख्यान प्रदान किया और अपने चमत्कारी जीवन यात्रा का साझा अनुभव प्रदान किया। उसने कहा कि जीवन किसी भी समय आश्चर्यों से आपको ले सकता है इसे बहादुरी से मुकाबला करें, धैर्यपूर्वक इसका सामना करें और मुस्कराहट से इसका सामना करें । यदि आप अपनी समस्या से बाहर आने के लिए एक कदम उठाते हैं तो दुनिया आपके लिए बाहर आ जाएगी। प्रोफेसर सचिदानंद मोहांति, कुलपति ने अपने संदेश में में इस तरह की संगोष्ठी का आयोजन के लिए विश्वविद्यालय के समान अवसर प्रकाष्ठ को बधाई दी ।

लडके और लडकियों का छात्रावास स्थानांतरति

केंद्रीय विश्वविद्यालय ओड़िशा का लडके और लडकियों का छात्रावास अपने स्थायी परिसर सुनाबेढा को स्थानांतरित हो चुका है। प्रो. सच्चिदानंद मोहांति के अथक प्रयास के कारण यह स्थानांतरण संभव हुआ है। इस स्थानांतरण के साथ सीयूओ के छात्रों की लंबी आवश्यकताओं को पूरा किया गया है । छात्रों को बिस्तर, कोट, गद्दे, टेबल और कुर्सियां सहित फर्नीचर उपलब्ध कराए गए हैं और हॉस्टल पर सभी सुविधायें उपलब्ध कराई गई हैं । प्रत्येक छात्रावास में कुल २३६ कमरे हैं , एक भोजन कख एक ड्राइंग रूम और छात्रावास में फैले हुए सुंदर लॉन भी हैं जिसका आकार ७७३५ वर्गमीटर है । १६२ छात्राओं और २२७ छात्रों को विश्वविद्यालय के स्थायी परिसर में नवनिर्मित गर्ल्स हॉस्टैल में स्थानांतरित कर दिया गया है।

केंद्रीय विश्वविद्यालय ओड़िशा का आठवां स्थापना दिवस

केंद्रीय विश्वविद्यालय ओड़िशा, कोरापुट ने दिनांक २९.०८.२०१६ को अपने स्थायी परिसर सुनाबेढा में आठवां स्थापना दिवस मनाया । प्रोफेसर सचिदानंद मोहांति, कुलपति ने विश्वविद्यालय का ध्वज फहराकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर स्थापना दिवस व्याख्यान रवीन्द्रनाथ टैगोर के जीवन की खोज का आयोजन किया गया था। प्रोफेसर उदय नारायण सिंह, भूतपूर्व कुलपति, विश्वभारती तथा वर्तमान रवीन्द्र भवन के प्रोफेसर, ने स्थापना दिवस व्याख्यान दिया । प्रोफेसर मोहांति ने इस कार्यक्रम की अध्यक्षता की । इंजीनियर देवाशिष देव, कार्यकारी निदेशक, एचएएल, सुनाबेढा तथा इंजीनियर राज किशोर मिश्रा, कार्यकारी निदेशक, नाल्को, दामनजोडी ने कार्यक्रम में सम्माननीय अतिथि के रूप में भाग लिया था।

प्रोफेसर मोहांति ने अपने भाषा में अपने जीवन के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए विद्यार्थियों के बीच एकता की मांग की, उन्होंने कहा कि टैगोर बहुमुखी व्यक्तित्व था बहुत प्रतिभा के धनी हैं। उन्होंने अपने उद्घाटन भाषण में यह भी कहा कि संवाद की कमी गलतफहमी को बढ़ावा देती है और गलतफहमी संघर्ष की ओर ले जाता है। हमें भारत की एकता और अखंडता की रक्षा करनी होगी अगर भारत का विनाश होगा तो हम सबका विनाश होगा।

प्रो. उदय नारायण सिंह ने छात्रों के राष्ट्रनिर्माण में प्रमुख अंग और शिक्षक परिवर्तन के लिए उत्प्रेरक होने पर बल दिया । उन्होंने कहा कि मानव संस्कृति का सृजन करता है। मानव को प्रकृति के साथ सह-अस्तित्व में होना चाहिए। टैगोर मुक्त शिक्षा में विश्वास रखते थे। जहां बंधनों या सीमाएँ होती हैं उसे टूट देना चाहिए। शिक्षा उदारवाद और स्वतंत्रता होनी चाहिए। टैगोर का जीवन तथा कार्य आज भी अनुप्रेरित करता है।

इंजीनियर देवाशिष देव ने स्वल्प अवधि में विश्वविद्यालय की प्रगति को स्वीकार किया है। सीयूओ तथा एचएएल को पारस्परिक लाभ के लिए काम करना चाहिए इस पर उन्होंने जोर दिया ।

विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित विभिन्न कार्य में भागीदारी के लिए विद्यार्थियों को प्रमाणपत्र तथा पुरस्कार वितरण किया गया। इस अवसर पर सभी विद्यार्थियों, संकाय सदस्यों और कर्मचारियों सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति और मिडिया के प्रतिनिधि भारी संख्या में उपस्थित थे।

स्वच्छता पखवाडा सप्ताह

केंद्रीय विश्वविद्यालय ओड़िशा ने १ सितम्बर से १५ सितम्बर तक अपने परिसर में स्वच्छता पखवाड़ा आयोजन किया गया । इस अवसर पर विश्वविद्यालय ने विश्वविद्यालय पिरसर में स्वच्छता के लिए जागरुकता बैनर तैयार किया और इसे विश्वविद्यालय परिसर में रखा गया । इस अवसर पर अंग्रेजी, हिंदी और ओड़िआ भाषाओं पर निबंध प्रतियोगितायें भी आयोजित की गयीं । विश्वविद्यालय के छात्रों और कर्मचारियों ने स्वच्छता के बारे में निकटस्थ गांवों में जागरुकता पैदा की थी ।

सीयूओ हॉस्टेल में स्वच्छ भारत अभियान

स्वच्छ भारत अभियान के एक अंश के रूप में केंद्रीय विश्वविद्यालय ओड़िशा के छात्रवास में रह रहे छात्राओं ने स्वच्छता तथा पर दिनांक १७.०९.२०१६ को यहां एक कदम उठाया। प्रो. सचिदानंद मोहांति ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया और उन्होंने सभी बोर्डर्स और साथ ही छात्रावास के कर्मचारियों को दैनिक जीवन में स्वच्छता के महत्व को प्रेरित किया । छात्रों ने एक स्वच्छता अभियान चलाया और पूरे छात्रावास के परिसर को साफ कर दिया लगभग दो सौ छात्रों ने इस अभियान में शामिल हुए थे ।

हिंदी दिवस समारोह -२०१६

हिंदी दिवस समारोह २०१६, के अवसर पर केंद्रीय विश्वविद्यालय ओड़िशा ने दिनांक १९.०९.२०१६ को अपने सुनाबेढा परिसर में राष्ट्र भाषा हिंदी की चुनौतियां और संभावनायें पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया है। प्रो. सचिदानंद मोहांति, मान्यवर कुलपति ने इस कार्यक्रम की अध्यक्षता की थी और उद्घाटनीय संबोधन भी किया । प्रो. रूरजहां बेगम, सेवानिवृत्त प्रोफेसर तथा विभागाध्यक्ष, हिंदी विभाग, हैदराबाद विश्वविद्यालय ने विशेष व्याख्यान प्रदान किया । प्रो. सचिदानंद मोहांति, कुलपति ने अपने उद्घाटनीय अभिभाषण में छात्रों को राष्ट्र भाषा हिंदी के महत्व को समझने पर जोर दिया।

ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय में संस्कृत दिवस मनाया गया

केंद्रीय विश्वविद्यालय ओड़िशा ने दिनांक २१.०९.२०१६ को संस्कृत दिवस अपने परिसर में मनाया । इस अवसर पर संस्कृत विषय पर एक विशेष व्याख्यान आयोजन किया गया । सुनाबेढा परिसर में भारतीय संस्कृति की मूलआधार पर कार्यक्रम आयोजित किया गया था । प्रो. सचिदानंद मोहांति, कुलपति ने उद्घाटन व्याख्यान प्रदान किया और कार्यक्रम की अध्यक्षता की थी । प्रो. रघुनाथ पंडा, प्रोफेसर तथा विभागाध्यक्ष, संस्कृत विभाग, उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर ने एक विशेष व्याख्यान प्रदान किया था। प्रो. मोहांति, मान्यवर कुलपति ने अपने उद्घाटनीय संबोधन में भारतीय संस्कृति के महत्व पर जोर दिया क्योंकि संस्कृत भाषा अपने रास्ते में अनूठे हैं और संस्कृति हमारी संस्कृति के लिए नींव की भाषा है।

अपनाये गये गांव बालद में जागरुकता अभियान

केंद्रीय विश्वविद्यालय ओड़िशा, कोरापुट के शिक्षक शिक्षा विभाग ने दिनांक ३० सितम्बर २०१६ को अपनाये गये गांव बालडा में पर्यावरण पर एक जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया। यह कार्यक्रम ग्रामीणों के बीच स्वाथ्य, स्वच्छता, जल प्रबंधन और वृक्षरोपण पर ग्रामीणों के बीच जागरुकता पैदा फैलाने के लिए एक पहल के रूप में आयोजित किया गया था। प्रो. सचिदानंद मोहांति, कुलपति ने अपनाने वाले गांवों के लिए किए गए पहल के लि विभाग को बधाई दी ।

विशेष व्याख्यान 'कौटिल्य के अर्थशास्त्र में अपराध की खोज

केंद्रीय विश्वविद्यालय ओड़िशा, कोरापुट द्वारा कौटिल्य के अर्थशास्त्र में अपराध की खोज पर एक विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया था। यह व्याख्यान सुनाबेढा परिसर, संस्कृत विभाग द्वारा आयोजित किया गया था। प्रो. देवर्चना सरकार, प्रोफेसर तथा संयोजक, सीएएसएस, इंडोलोजी केंद्र, जादवपुर विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल ने इस विशेष व्याख्यान प्रदान किया और व्याख्यान माला प्रदान की । प्रो. सचिदानंद मोहांति, मान्यवर कुलपित ने इस व्याख्यान माला का उद्घाटन किया।

नवाचार और सृजनात्मकता -दैनिक जीवन में नवाचार कैसे करें पर संगोष्ठी

विश्वविद्यालय के परिसर में दिनांक २१.१०.२०१६ को नवाचार और सृजनात्मकता -दैनिक जीवन में नवाचार कैसे करें शीर्षक पर एक संगोष्ठी आयोजन किया गया था। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सचिदानंद मोहांति ने इस कार्यक्रम का उद्घाटन किया और मुख्य अतिथि का व्याख्यान प्रदान किया । डॉ. शरत कुमार पालित, अधिष्ठाता-जैव विविधता और प्राकृतिक संसाधन संरक्षण और अध्यक्ष, नवाचार क्लब ने इस कार्यक्रम की अध्यक्षता की। डॉ. देबब्रत पंडा, इनोवेशन क्लब का सदस्य ने ऊपर शीर्षक पर संगोष्ठी व्याख्यान प्रदान किया।

कविता क्लब उद्घाटन हुआ

युवा हृदय में काव्यात्मक परमानंद की भावना को पुनर्जन्मित करने के लिए, गायन और चर्चा के माध्यम से अमर हाथों की कालातीत कविताओं को याद करते हुए, एक कविता क्लब का आयोजन किया गया जिसका उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. सचिदानंद मोहांति, मान्यवर कुलपति ने सुनाबेढा परिसर में दिनांक २४.१०.२०१६ को किया । इस क्षेत्र के प्रसिद्ध कवित डॉ. प्रीतिधर सामल, डॉ. सारला बेहेरा, श्री रवि शतपथी और श्री जलधर स्वांई आदि इस अवसर पर प्रमुख उपस्थित थे।

मानव विकास सूचकांक मापन - एक स्वयंसिद्ध दृष्टिकोण पर सामाजिक विज्ञान पर विशेष व्याख्यान

दिनांक १५.११.२०१६ को विश्वविद्यालय में मानव विकास सूचकांक मापन - एक स्वयंसिद्ध दृष्टिकोण पर सामाजिक विज्ञान पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया । यह विशेष व्याख्यान विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित किया गया था । प्रो. सचिदानंद मोहांति, मानयवर कुलपति ने अपने संदेश में अर्थशास्त्र विभाग को इस तरह के विशेष व्याख्यान आयोजन के लिए धन्यवाद ज्ञापन किया। इस अवसर पर प्रो. श्रीजित मिश्रा, निदेशक, एनसीडीएस, भुवनेश्वर ने विशेष व्याख्यान प्रदान किया। डॉ. मिनती साहु, प्रमुख प्रभारी, अर्थशास्त्र विभाग, सीयूओ ने उद्घाटन सत्र में व्याख्यान प्रदान किया।

नाटक क्लब का उद्घाटन

युवा दिल में रंगमंच कला के कौशल को मजबूत बनाने के लिए, मंच नाटक की कला को बढ़ावा देने के लिए नाटक क्लब का उद्घाटन प्रो. सचिदानंद मोहांति, कुलपति द्वारा दिनांक २१.११.२०१६ को हुआ । मुख्य अतिथि के रूप में श्री सौरभ गुप्ता, सहायक प्रोफेसर, पत्रकारिता और जनसंचार विभाग ने संयोजन किया था, नाटक क्लब का सदस्य अब विश्वविद्यालय के छात्रगण, संकायगण और कर्मचारीगण हैं।

संविधान दिवस मनाया गया

विश्वविद्यालय में दिनांक २६.११.२०१६ को " सविंधान दिवस समारोह " मनाया गया । प्रो. सचिदानंद मोहांति, कुलपति ने इस समारोह का उद्घाटन किया और भारतीय संविंधान में मौलिक कर्तव्य के महत्व पर विशेष व्याख्यान प्रदान किया । इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सभी छात्रगण, संकायगण और कर्मचारीगण उपस्थित थे ।

गणतंत्र दिवस समारोह

विश्वविद्यालय परिसर में दिनांक २६.०१.२०१७ को बडे धूमधाम से ६८वें गणतंत्र दिवस समारोह आयोजित किया गया । प्रो. सचिदानंद मोहांति, मान्यवर कुलपति ने त्रिरंगा का ध्वजारोहण किया और आसपास के गांवों के बच्चों , विश्वविद्यालय के छात्रों और कर्मचारियों को संबोधन किया। इस अवसर पर शिक्षक शिक्षा विभाग की गृहपत्रिका " स्पंदन " का उन्मोचन प्रो. मोहांति ने किया। बहु प्रत्याशी हॉस्टल प्रीमियर लिग- एक क्रिकेट टूर्नामेंट विश्वविद्यालय द्वारा अपने परिसर में आयोजित किया गया है और इसका उद्घाटन प्रो. मोहांति ने किया।

सामुदायिक जागरूकता कार्यक्रम

विश्वविद्यालय ग्रहण किये गांवों में सामुदायिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया है। विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग ने २-३ फरवरी २०१७ को यह कार्यक्रम आयोजित किया । प्रो. सचिदानंद मोहांति, मान्यवर कुलपति ने इस घटनाक्रम को सहायता की और शिक्षा विभाग के छात्रों और शिक्षकों को प्रेरित किया।

'प्रबंधन परिवर्तन में एचआर प्रबंधक की भूमिका' पर संगोष्ठी

दिनांक ११ फरवरी २०१७ को विश्वविद्यालय के स्थायी परिसर में प्रबंधन परिवर्तन में एचआर प्रबंधक की भूमिका पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया है । यह संगोष्ठी विश्वविद्यालय के व्यापार प्रबंधन विभाग द्वारा आयोजित किया गया था्। श्री टी. विद्यासागर, महाप्रबंधक (एचआरडी), जे.के. पेपर मिल्स लि. रायगड़ा ने उद्घाटन किया था और मुख्य अतिथि थे । विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सचिदानंद मोहांति ने इस संगोष्ठी की सफल कामना की है ।

योग अभ्यास और जीवन लक्ष्य के बीच संबंध पर परिसवांद

विश्वविद्यालय अपने सुनाबेढा परिसर में दिनांक १६-१७ फरवरी २०१७ को शिक्षा विभाग द्वारा योग अभ्यास और जीवन के लक्ष्य के बीच संबंध पर एक परिसंवाद का आयोजन किया प्रो. सचिदानंद मोहांति, मान्यवर कुलपति ने इस कार्यक्रम का उद्घाटन किया और उद्घाटन व्याख्यान प्रदान किया । प्रो. प्रकाश चंद्र स्वांई, वीएसएसयूटी, बुर्ला , संबलपुर ने इस अवसर पर एक संसाधन व्यक्ति के रूप में उपस्थित थे।

'इक्कीसवीं सदी में संस्कृत की प्रासंगिकता" पर परिसंवाद

विश्वविद्यालय ने अपने सुनाबेढा परिसर में दिनांक १७.०२.२०१७ को संस्कृत विभाग द्वारा इक्कीसवीं शदी में संस्कृत की प्रासंगिकता पर एक परिसंवाद का आयोजन किया । प्रो. सचिदानंद मोहांति, मान्यवर कुलपति ने इस कार्यक्रम का उद्घाटन किया और उद्घाटन वक्तव्य प्रदान किया । प्रो. गोपाल कृष्ण दाश, सेवानिवृत्त प्रोफेसर, संस्कृत भाषा विभाग, उत्कल विश्वविद्यालय, ओडिशा इस अवसर पर मुख्य अतिथि थे।

' विकेंद्रीकृत गर्वनेंस और युवा विकास" पर अभिमुखिकरण कार्यक्रम

विश्वविद्यालय ने अपने सुनाबेढा परिसर में दिनांक १७ से १९ फरवरी २०१७ को राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान (आरजीएनआईवाईडी) के सहयोग से विकेंद्रीकृत गर्वनेंस और युवा विकास पर एक अभिमुखिकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया था । प्रो. सचिदानंद मोहांति, मान्यवर कुलपति ने इस कार्यक्रम का उद्घाटन किया और इस अवसर पर एकत्रित जनता को संबोधन किया ।

'२१ सदी में ओड़िआ साहित्य : लक्ष्य एवं उद्देय" पर परिसंवाद

विश्वविद्यालय के ओड़िआ भाषा तथा साहित्य विभाग द्वारा दिनांक २० फरवरी २०१७ को अपने सुनाबेढा परिसर में २१वीं सदी में ओड़िआ साहित्य : लक्ष्य और उद्देश्य पर एक परिसंवाद का आयोजन किया गया था । प्रो. (सेवानिवृत्त) बैष्णव चरण सामल, भूतपूर्व प्रोफेसर, ओड़िआ विभाग, विश्वभारती और श्री दाश बेनहूर, प्रसिद्ध ओड़िआ लेखक ने इस परिसंवाद को संबोधन किया।

मातृभाषा दिवस समारोह

विश्वविद्यालय अपने परिसर में दिनांक २१.०२.२०१७ को मातृभाषा दिवस का आयोजन किया था। प्रो. सचिदानंद मोहांति, मान्यवर कुलपति ने इस कार्यक्रम का उद्घाटन किया और उद्घाटनीय वक्तव्य प्रदान किया। प्रो. (सेवानिवृत्त) बैष्णव चरण सामल, भूतपूर्व प्रोफेसर, ओड़िआ विभाग, विश्वभारती पश्चिम बंगाल और श्री दाश बेनहूर, प्रसिद्ध ओड़िआ लेखक ने मुख्य अतिथि तथा सम्मानित अतिथि थे और वे वक्तव्य प्रदान किया।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह

विश्वविद्यालय ने अपने सुनाबेढा परिसर में दिनांक २८.०२.२०१७ को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया । इस अवसर पर विशेषीकृत विकलांग व्यक्तियों के लिए विज्ञान और तकनीकी विषय पर एक विशेष प्रकार का कार्यक्रम आयोजित किया गया था । प्रो. सच्चिदानंद मोहांति, मान्यवर कुलपति ने इस कार्यक्रम का उद्घाटन किया और वक्तव्य प्रदान किया । प्रो. शक्ति प्रसाद दास, निदेशक, स्वामी विवेकानंद राष्ट्रीय पुनर्वास, प्रशिक्षण तथा अनुसंधान संस्थान (एसवनिरतार), ओलटपुर, कटक इस समारोह में मुख्य अतिथि थे और उन्होंने वक्तव्य प्रदान किया।

'कैनन एंड वियंड साहित्यिक अध्ययन आज" विषय पर परिसंवाद

केंद्रीय विश्वविद्यालय ओड़िशा, कोरापुट के अंग्रेजी भाषा और साहित्य विभाग द्वारा कैनन एंड बियंड : साहित्यिक अध्ययन आज पर एक परिसंवाद का आयोजन दिनांक ०२.०३.२०१७ को अपने सुनाबेढा परिसर में किया गया था । इस अवसर पर, प्रो. सचिदानंद मोहांति, मान्यवर कुलपति ने इस कार्यक्रम का उद्घाटन किया और उद्घाटनीय उद्बोधन प्रदान किया । प्रो. अजित कुमार मुखर्जी, भाषा विद्यापीठ, केआईआईटी विश्वविद्यालय मुख्य अतिथि थे और प्रो. इ. राजा राव इस अवसर पर सम्मानित अतिथि थे।

'कोरापुट क्षेत्र के विशेष संदर्भ में विविध कृषि विकास" पर परिसंवाद

केंद्रीय विश्वविद्यालय ओड़िशा, कोरापुट के अर्थशास्त्र विभाग द्वारा अपने सुनाबेढा परिसर में दिनांक ०७ मार्च २०१७ को कोरापुट क्षेत्र में ओडिशा के विशेष संदर्भ में विविध कृषि विकास पर परिसंवाद का आयोजन किया गया। प्रो. सचिदानंद मोहांति, मान्यवर कुलपति ने इस कार्यक्रम का उद्घाटन किया और वक्तव्य प्रदान किया।

प्रो. सुधाकर पंडा (सेवानिवृत्त), भूतपूर्व प्रोफेसर, ए तथा ए अर्थशास्त्र, उत्कल विश्वविद्यालय और भूतपूर्व अध्यक्ष, ओड़िशा वित्त निगम, भुवनेश्वर इस अवसर पर मुख्य अतिथि थे । डॉ. जगबंधु सामल, जनजाति अध्ययन के प्रोफेसर, सीओएटीएस, कोरापुट और डॉ. पी. सी. महापात्र, सीओएटीएस, कोरापुट इस अवसर पर उपस्थित थे।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस समारोह

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय ने अपने सुनाबेढा परिसर में महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में अपना उल्लेखनीय योगदान के लिए इस क्षेत्र की प्रतिष्ठित महिलाओं को सम्मानित किया । विश्वविद्यालय का आंतरिक शिकायत ने दिनांक ०८.०३.२०१७ को अपने सुनाबेढा परिसर में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया था । प्रो. सचिदानंद मोहांति, मान्यवर कुलपति ने इस कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया और उद्घाटनी वक्तव्य प्रदान किया गया । प्रो. मोहांति ने डॉ. प्रीतिधारा सामल, कवित और ओड़िआ भाषा के व्याख्याता, सरकारी महिला महाविद्यालय, कोरापुट, डॉ. सारला बेहेरा, कवित तथा शिक्षक, एरोनेटिक्स सरकारी उच्च विद्यालय, सुनाबेढा, डॉ. सी. सावित्री , प्राचार्य, वी. डी (स्वायत्त) महाविद्यालय, जयपुर और श्रीमती रैमति घियूरिया, जनजाति महिला नेत्री और सामाजिक कार्यकर्ता आदि के इस क्षेत्र में महिला सशक्तिकरण के लिए अपना योगदान के लिए सम्मानित किया ।

सांस्कृतिक दिवस समारोह

विश्वविद्यालय ने दिनांक १८.३.२०१७ को सुनाबेढा परिसर में सांस्कृतिक दिवस का आयोजन किया । इस कार्यक्रम का उद्घाटन प्रो. सचिदानंद मोहांति, मान्यवर कुलपति ने किया था। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शोध छात्र और छात्रों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किया । प्रो. मोहांति ने विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित विविध प्रतियोगिताओं के विजेताओं को प्रमाण पत्र तथा वितरण किया ।

'विविधता संरक्षण : बहुआयामी दृष्टिकोण पर परिसंवाद

दिनांक २२ मार्च २०१७ का जैवविविधता संरक्षण : एक बहुआयामी दृष्टिकोण पर परिसंवाद का आयोजन विश्वविद्यालय में किया गया । प्रो. सच्चिदानंद, विश्वविद्यालय का कुलपति ने इस कार्यक्रम का उद्घाटन किया और उद्घाटन संबोधन प्रदान किया । इस अवसर पर प्रो. सुशील कुमार दत्ता, इंडियन एकाडेमी ऑफ साइंस, बेंगालूर और प्रो. प्रदीप कुमार चांद, मानव संसाधन विकास केंद्र, उत्कल विश्वविद्यालय प्रमुख उपस्थित थे।

"भारत की विदेश नीति में सॉफ्ट पावर की भूमिकाह्न पर परिसंवाद

विश्वविद्यालय ने दिनांक २३ मार्च २०१७ को सुनाबेढा परिसर में जन संचार तथा पत्रकारिता विभाग भारत की विदेशी नीति में सॉफ्ट पावर की भूमिका पर परिसंवाद आयोजित हुआ था । इस कार्यक्रम का उद्घाटन प्रो. सच्चिदानंद मोहांति, विश्वविद्यालय का कुलपति द्वारा हुआ। डॉ. जितेंद्र नाथ मिश्रा, आईएफएस (सेवानिवृत्त),भूतपूर्व पर्तुगाल के एम्बासडर ने परिसंवाद व्याख्यान प्रदान किया ।

परिसर नियुक्ति

विश्वविद्यालय ने अपने लांडिगुडा परिसर में दिनांक २७.०३.२०१७ को पत्रकारिता और जन संचार के छात्रों के लिए केंपस भर्ती कार्यक्रम का आयोजन किया है । ईनाडू टेलीविजन प्राइवेट लिमिटेड ने हैदराबाद से भारत में अग्रणी मीडिया संगठन में से एक रिपोर्टर और कंटेक्ट लेखकों के लिए कैंपस की भर्ती का आयोजन किया है। विभाग के छात्रों और पूर्व छात्रों ने भाग लिया । छ: छात्रों को साक्षात्कार के लिए सूची बनायी गयी जो ऑन लाइन स्काइप के माध्यम से आयोजित किए गए जिन चार छात्रों को चुना गया है वे हैं श्री शंकर्षण बाग, श्रीमती श्रीमा मिश्र, सुश्री पुजा विश्वास और सुश्री सुभश्री साहु जिनको ट्रेनी कंटेक्ट संपादक के रूप में चुना गया है। चयनित अभ्यर्थियों को रामोजी फिल्म सिटी, हैदराबाद में तैनात किया गया है। चयनित उम्मीदवारों को चौथी सेमीस्टर थे और विश्वविद्यालय में अपना पाठ्यक्रम पूरा कर लिया था।

नया पदाधारी

प्रो. भवानी प्रसाद रथ
(प्रशासन, परीक्षा और छात्र व्यापार)

प्रो. भवानी प्रसाद रथ ने दिनांक सितम्बर को केंद्रीय विश्वविद्यालय ओड़िशा में विशेष कार्य अधिकारी (प्रशासन, परीक्षा और छात्र व्यापार) के रूप में योगदान दिया है । इससे पहले उन्होंने ब्रह्मपुर विश्वविद्यालय के कुलसचिव पद पर कार्य कर रहे थे। वे औद्योगिकी संबंध और कार्मिक प्रबंधन, ब्रह्मपुर विश्वविद्यालय में वर्ष १९७८ से काम कर रहे थे और वर्ष २०१४ में प्रोफेसर पद से सेवानिवृत्त हुए हैं। उन्होंने अनेक प्रशासनिक पदों का कार्यभार संभाला है जैसे कि सचिव, खेलकूद परिषद, परीक्षा नियंत्रक, अवर सचिव, दूरशिक्षा केंद्र, वित्त नियंत्रक और कुलसचिव जब ब्रह्मपुर विश्वविद्यालय में काम कर रहे थे।

उन्होंने एक पुस्तक प्रकाशित किया है और विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में लगभग तीस शोध पत्र प्रकाशित किए हैं। उन्होंने भारत में कई सम्मेलनों/संगोष्ठी में भाग लिया है और लास वेगास, अमेरिका और वेनिस एवं इटली में आयोजित दो अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में भाग लिया है। उनके मार्गदर्शन में दस छात्रों ने पीएचडी से सम्मानित हुए हैं और तीन विद्वानों को डीलीट उपाधि से सम्मानित किया गया है।

नया सदस्य

क्र.	नाम तथा विभाग
१	डॉ. ललाटेंदु केशरी जेना, ठेके पर व्याख्याता, व्यापार प्रबंधन विभाग
२	श्री सुषमा मिश्रा, ठेके पर व्याख्याता, व्यापार प्रबंधन विभाग
३	डॉ. बिरेंद्र कुमार सरंगी, ठेके पर व्याख्याता, संस्कृत विभाग
४	सुश्री स्वस्तिक प्रधान, ठेके पर व्याख्याता, सांख्यिकी विभाग

पुरस्कार और सम्मान

डॉ. कुमुद प्रसाद आचार्य
व्याख्याता ठेके पर, संस्कृत विभाग

संस्कृत विभाग के व्याख्याता डॉ. कुमुद प्रसाद आचार्य, संस्कृत में पीएच.डी. की उपाधि प्राप्त की । उन्होंने अपनी पीएचडी मद्रास विश्वविद्यालय, चैन्नई में की है। शोध का शीर्षक था " ए कनसाइज हिस्ट्री ऑफ संस्कृत चांद लिटरेचर (पुरानी अवधि के संदर्भ में) " और उन्हें २९ जून २०१६ को उपाधि मिली ।

विधिक तथा गैर-विधिक समितियाँ

कार्यकारी परिषद के सदस्यगण

क्र.	सदस्यों का नाम और पता	पदनाम
०१	प्रो. सचिदानंद मोहांति, कुलपति, केंद्रीय विश्वविद्यालय ओड़िशा, लांडीगुडा, कोरापुट-७६४०२१, ओड़िशा	अध्यक्ष
०२	प्रो. टी. सुब्रहमण्यम नायडू, प्रोफेसर सह निदेशक, शेंट्रॉल फॉर स्टडी ऑफ सोसल एक्सक्लयुजन एंड इनक्लूजीव पॉलिस, पंडिचेरी विश्वविद्यालय, पंडिचेरी	सदस्य
०३	प्रो. शिव प्रसाद अधिकारी, भूतपूर्व कुलपति, फकीर मोहन विश्वविद्यालय, व्यास विहार, नुआपाढ़ी, बालेश्वर - ७५६०२०, ओडिशा	सदस्य
०४	प्रो. प्रियदर्शी मुखर्जी, प्रोफेसर, चाइनिज और दक्षिण पूर्व एशियाई अध्ययन, भाषा विद्यापीठ, साहित्य और संस्कृति अध्ययन, जेएनयू, नई दिल्ली -११००६७	सदस्य
०५	डॉ. ए. श्री रामलू, प्राचार्य, सरकारी डिग्री कॉलेज, हयतानगर, आर.आर. जिला, तेलेंगाना-५०१५११	सदस्य
०६	अध्यक्ष, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, बहादूर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली -११० ००२	सदस्य
०७	सचिव, मानव संसाधन मंत्रालय, उच्च शिक्षा विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली- ११० ११५	सदस्य
०८	प्रमुख सचिव, ओडिशा सरकार, उच्च शिक्षा विभाग, ओड़िशा सरकार, ओडिशा सचिवालय, भुवनेश्वर	सदस्य
०९	डॉ. शरत कुमार पालित, एसोसीएट प्रोफेसर तथा डीन, जैवविविधता तथा प्राकृतिक संसाधन संरक्षण विद्यापीठ, केंद्रीय विश्वविद्यालय ओड़िशा, कोरापुट -७६४०२१	सदस्य
१०	डॉ. जयंत कुमार नायक, विभाग प्रभारी, मानवविज्ञान विभाग, केंद्रीय विश्वविद्यालय ओड़िशा, कोरापुट -७६४०२१	सदस्य
११	कुलसचिव केंद्रीय विश्वविद्यालय ओड़िशा, कोरापुट -७६४०२१	पदेन सदस्य सचिव

शैक्षणिक परिषद के सदस्यगण

क्र.	सदस्यों का नाम और पता	पदनाम
०१	प्रो. सचिदानंद मोहांति, कुलपति, केंद्रीय विश्वविद्यालय ओड़िशा, कोरापुट-७६४०२१	पदेन अध्यक्ष
०२	प्रो. गीता वेमुगंति, अधिष्ठाता, चिकित्सा विज्ञान विद्यापीठ, हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद	बाह्य सदस्य
०३	प्रो. बी. एन. राय, वरिष्ठ प्रोफेसर, केआईआईएसएस, भुवनेश्वर	बाह्य सदस्य
०४	प्रो. अरूण अग्रवाल, अधिष्ठाता, कंप्यूटर तथा सूचना विज्ञान विद्यापीठ, हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद	बाह्य सदस्य
०५	प्रो. जतिंद्र कुमार नायक, प्रोफेसर (सेवानिवृत्त), अंग्रेजी भाषा विभाग, उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर	बाह्य सदस्य
०६	प्रो. संयुक्ता दासगुप्ता, प्रोफेसर (सेवानिवृत्त) अंग्रेजी भाषा तथा साहित्य विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय, कोलकाता	बाह्य सदस्य
०७	वरिष्ठता के अनुसार एक एसोसीएट प्रोफेसर तथा रोटेशन में	सदस्य
०८	वरिष्ठता के अनुसार पाँच सहायक प्रोफेसर तथा रोटेशन में	सदस्य
०९	प्रत्येक विभाग के विभागाध्यक्ष/अध्यक्ष प्रभारी	पदेन सदस्य
२०	कुलसचिव, केंद्रीय विश्वविद्यालय ओड़िशा, कोरापुट-७६४०२१	पदेन सदस्य सचि०

वित्त समिति के सदस्यगण

क्रमांक	सदस्यों का नाम और पता	पदनाम
०१	प्रो. सचिदानंद मोहांति, कुलपति, केंद्रीय विश्वविद्यालय ओड़िशा, कोरापुट-७६४०२१	पदेन अध्यक्ष
०२	प्रो. कुलपति	रिक्त
०३	न्यायालय का नामित व्यक्ति	रिक्त
०४	प्रो. टी. सुब्रहमण्यम नायडू (कार्यकारी परिषद का सदस्य), प्रोफेसर सह निदेशक, शेंट्रॉल फॉर स्टडी ऑफ सोसल एक्सक्लयुजन एंड इनक्लूजीव पॉलिस, पंडिचेरी विश्वविद्यालय,पंडिचेरी	सदस्य
०५	डॉ. बी.के. महापात्र, भूतपूर्व कुलसचिव, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, कुतुब इंस्टीच्युनॉल एरिया, नई दिल्ली - ११००१६	सदस्य
०६	डॉ. ए. श्रीरामुलु, प्राचार्य, सरकारी डिग्री महाविद्यायल, हयतनगर, आर आर जिला, तेलेंगाना-५०१५११	सदस्य
०७	संयुक्त सचिव अथवा वित्तीय सलाहाकार, एमएचआरडी अथवा उनका नामित व्यक्ति, वित्तीय ब्यूरो से जो उप-सचिव स्तर से कम न हो	सदस्य
०८	संयुक्त सचिव (केंद्रीय विश्वविद्यालय तथा भाषा), एमएचआरडी अथवा उनके द्वारा नामित व्यक्ति जो उप-सचिव पद से कम न हो	सदस्य
०९	संयुक्त सचिव (सीयू), यूजीसी अथवा किसी संयुक्त सचिव जिसे अध्यक्ष, यूजीसी द्वारा नामित हो	सदस्य
१०	वित्त अधिकारी, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट-७६४०२१	सचिव

भवन निर्माण समिति के सदस्यगण

क्रमांक	सदस्यों का नाम और पता	पदनाम
१	प्रो. सचिदानंद मोहांति, कुलपति, केंद्रीय विश्वविद्यालय ओड़िशा, कोरापुट-७६४०२१	अध्यक्ष
२	श्री सुधाकर पंड, भूतपर्वू अध्यक्ष, राज्य वित्तीय आयोग, ओडिशा सरकार, और विशेषज्ञ सदस्य, राज्य योजना बोर्ड (विश्वविद्यालय की योजना बोर्ड का प्रतिनिधि के स्थान पर)	सदस्य
३	डॉ. शरत कुमार पलित, एसोसीएट प्रोफेसर, केंद्रीय विश्वविद्यालय ओड़िशा, कोरापुट-७६४०२१	सदस्य
४	श्री के. कोसला राव, उप कुलसचिव, केंद्रीय विश्वविद्यालय ओड़िशा, कोरापुट (वित्त अधिकारी का प्रतिनिधि)	सदस्य
५	प्रो. रंजन कुमार स्वांइ, प्रधानाचार्य, पारला महाराज इंजीनियरिंग कॉलेज, सितापली, ब्रह्मपुर-७६१००३	सदस्य
६	इं. अशोक कुमार खटुआ, अधीक्षक यंत्री, केलोनिवि-टी-१,एचएएल टाउनशिप, सुनाबेढा, कोरापुट-७६३००२	सदस्य
७	श्री अंतरयामी पंडा, सेवानिवृत्त मुख्य यंत्री तथा सचिव (निर्माण), ओडिशा सरकार ४- गणेश्वर बाग, टंकपाणी रोड, भुवनेश्वर-७५१०१८	सदस्य
८	इ. पी. साई कोमारेश्वर, कार्यपालक यंत्री (विद्युत), केलोनिवि-टी-१, एचएएल टाउनशिप, सुनाबेढा, कोरापुट-७६३००२	सदस्य
९	इं. ए.के. मलिक, अधीक्षक यंत्री, पीएच विभाग (ओडिशा सरकार), भवानीपाटना, कलाहांडी	सदस्य
१०	इं. पद्मलोचन स्वांई, केंद्रीय विश्वविद्यालय ओड़िशा, कोरापुट-७६४०२१	सदस्य
११	श्री रमेश चंद्र स्वाई, आर्किटेक्ट, एन२/६०/आईआरसी विलेज, भुवनेश्वर -७५१०१५	सदस्य
१२	इं. गायत्री होता, आर्किटेक्ट, केंलोनिवि, भुवनेश्वर, वरिष्ठ आर्किटेक्ट केंलोनिवि के स्थान पर	सदस्य
१३	प्रो. प्रेमानंद दास, निदेशक तथा अध्यक्ष, शाइंस फाउंडेशन फॉर ट्राइबल एंड रूराल रिसोर्स, बरमुंडा, भुवनेश्वर -७५१००३	सदस्य
१४	कुलसचिव, केंद्रीय विश्वविद्यालय ओड़िशा, कोरापुट-७६४०२१	सदस्य सचिव

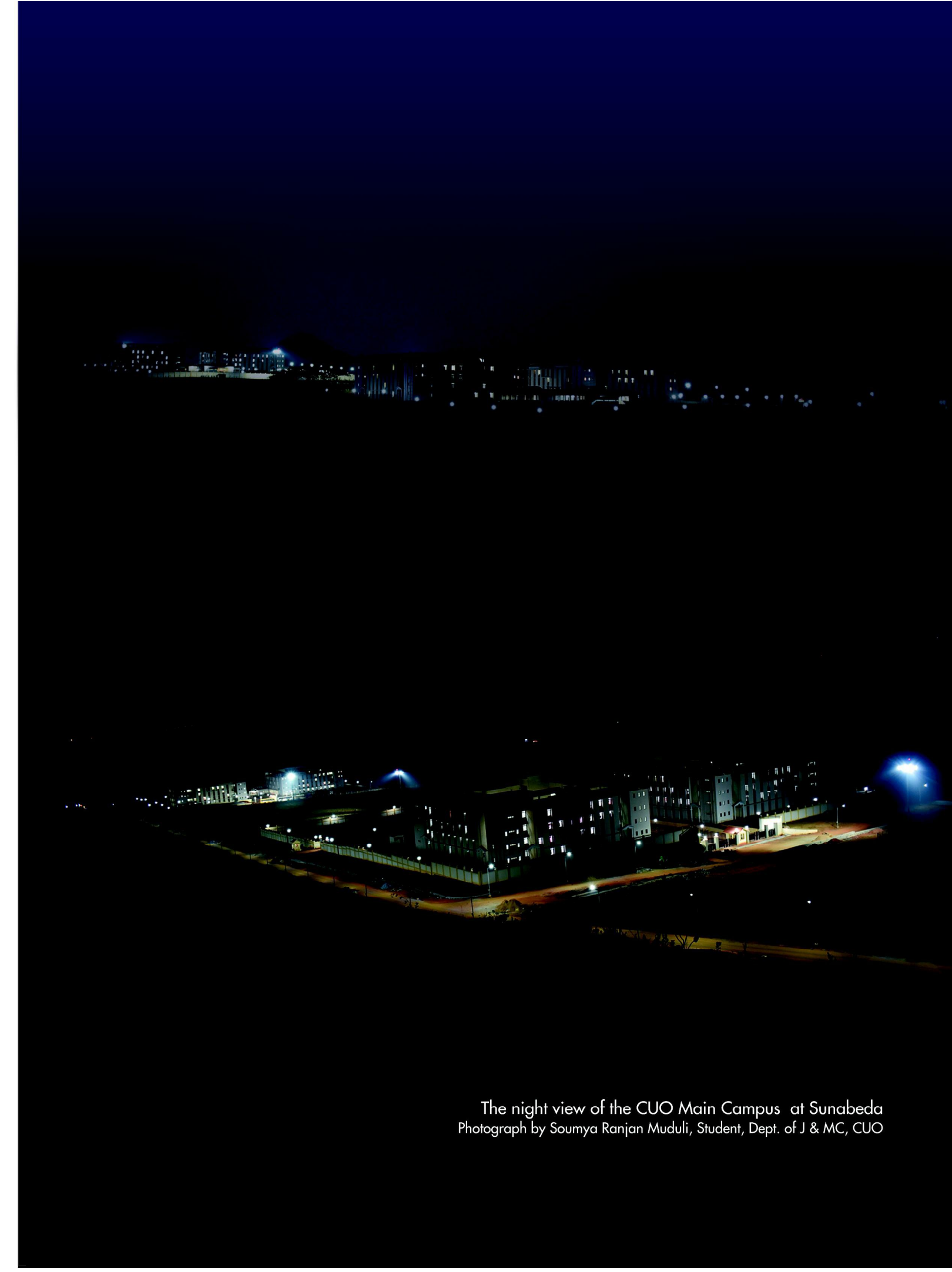

The night view of the CUO Main Campus at Sunabeda
Photograph by Soumya Ranjan Muduli, Student, Dept. of J & MC, CUO

CENTRAL UNIVERSITY OF ORISSA
KORAPUT
(Established by an Act of the Parliament)

Address for Correspondence:

Landiguda, Koraput - 764021
Odisha, India
Phone: 06852-288210, Fax: 06852-288225
Website: www.cuo.ac.in
Email: info@cuo.ac.in, pro@cuo.ac.in

Main Campus:

Sunabeda, Koraput - 764023
Odisha, India